आज का राशिफल

मेष: आज ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी के साथ आपकी अनबन होने से नुकसान हो सकता है।

तुला: लाभ का दिन है आज आपके पद व अधिकार में वृद्धि होगी। समस्याओं का अंत होगा।

वृषभ: आज का दिन परेशानी और समस्या वाला रहेगा और आज आपको अनावश्यक परिश्रम करना पड़ेगा।

वृश्चिक: आज सम्मान प्राप्त होगा और आपके मन में कुछ कर दिखाने की उधेड़बुन होगी।

मिथुन: आर्थिक लाभ होगा। आज नौकरी और कारोबार में आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं।

धनु: आज आपको किसी विशेष घटनाक्रम के अंतर्गत रुका हुआ धन लाभ मिलेगा।

कर्क: किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न देकर अपने काम पर फोकस करें।

मकर: आज दिन परेशानियों वाला हो सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है।

सिंह: आर्थिक लाभ होगा और आपको शत्रुओं से दूर रहने की सलाह है। विवाद से बचने का प्रयास करें।

कुंभ: आज लाभ होगा और आज आपको ग्रोचर के शुभ प्रभाव से सफलता मिलेगी।

कन्या: आज आर्थिक लाभ होगा और धन सम्मान के मामले में सफलता मिलेगी। स्वजनों से सुख मिलेगा।

मीन: आपके धन कोष में वृद्धि होगी। आज का दिन संतान से जुड़ी समस्याओं को हल करने में व्यतीत होगा।

1997 से

KAT खबरें आज तक

not a publication of the living media india group

वर्ष: 27 अंक-223 मुंबई, गुरुवार 1 फरवरी 2024 पृष्ठ-12 मूल्य : 2.00

पढ़ते रहिए दैनिक 'खबरें आज तक' सिर्फ Rs. 2

मालिक एवं प्रधान संपादक: जितेंद्र वी. जैन

आरक्षण के लिए कानून लागू करना सरकार की है जिम्मेदारी: मनोज जारांगे

मराठा आरक्षण को लेकर होगा फिर से आंदोलन, मनोज जारांगे ने भूख हड़ताल का किया ऐलान

विशेष संवाददाता द्वारा

मुंबई: महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल एक बार फिर से भूख हड़ताल पर बैठने की बात कर रहे हैं। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि फिर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने की बहुत जरूरत है। आरक्षण के लिए कानून लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। यह कानून मराठा समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं'' 10 फरवरी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठूंगा। पूर्ण आरक्षण मिलने के बाद ही सीएम और दोनों डीसीएम को धन्यवाद दूंगा। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे कुछ समय पहले भी भूख हड़ताल पर थे। महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनकी मांगें मान लिये जाने के बाद शेष पृष्ठ 4 पर...

राम मंदिर के खिलाफ टिप्पणी पर मणिशंकर अय्यर के परिवार को मिला घर खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर की बेटी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली की जंगपुरा में फेसबुक पोस्ट को धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाला बताकर उन्हें नोटिस दिया गया है। दरअसल, मुद्दा अयोध्या में रामलला की प्राण

रहने वाली सुरन्या अय्यर को उनकी सोसाइटी ने नोटिस दिया है। आरडब्लूए ने उन्हें घर खाली करने की सलाह दी है। सुरन्या के एक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस नेता की बेटी ने प्राण प्रतिष्ठा के खिलाफ तीन दिन की भूख हड़ताल की थी, शेष पृष्ठ 4 पर...

ज्ञानवापी मामले में बड़ा फैसला, हिंदू पक्ष को मिला व्यासजी ताहखाने में पूजा का अधिकार

प्रयागराज: ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष को बड़ी सफलता हासिल हुई है। वाराणसी कोर्ट ने हिंदू पक्ष को व्यास जी तहखाने में पूजा करने का अधिकार दे दिया है। ज्ञानवापी स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा किए जाने संबंधी आवेदन पर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दोनों पक्ष की तरफ से मंगलवार को सुनवाई पूरी हुई थी। यह निर्णय विवादित स्थल के आसपास चल रही कानूनी कार्यवाही में एक नया आयाम जोड़ता है और विवादास्पद मुद्दे के केंद्र में धार्मिक प्रथाओं पर प्रभाव डालता है। सीलबंद तहखाने में पूजा 7 दिनों की अवधि के बाद होने वाली है। व्यासजी के तहखाने में वर्ष 1993 के पहले के जैसे पूजा के लिए अदालत के आदेश से आने-जाने दिया जाए। इस पर अंजुमन

इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से अधिवक्ता मुमताज अहमद और एखलाक अहमद ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि व्यासजी का तहखाना मस्जिद का हिस्सा है। वहां पूजा की अनुमति नहीं दी जा सकती। ये मुकदमा पूजा स्थल अधिनियम से बाधित है।

हेमंत सोरेन ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज करवाई एफआईआर, प्रताड़ित करने का लगाया आरोप, पूछताछ जारी

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से पूछताछ के बीच सीएम ने ईडी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करा दी है. ईडी के अधिकारियों लगाया है. हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के खिलाफ पुलिस में धुर्वा थाने में शिकायत दर्ज कराई है. ईडी वर्तमान में भूमि घोटाला

के खिलाफ सीएम ने यह एफआईआर एससी-एसटी थाने में दर्ज कराई है. हेमंत सोरेन ने ईडी अधिकारियों पर दिल्ली से लेकर रांची तक प्रताड़ित करने का आरोप मामले में सोरेन से पूछताछ कर रही है. कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के अधिकारियों ने बुधवार को झारखंड के शेष पृष्ठ 4 पर...

'मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं', तमिलनाडु के मंदिरों में एंट्री पर मद्रास हाईकोर्ट ने कहा- ध्वजस्तंभ से आगे नहीं जा सकते गैर-हिंदू

चेन्नई: मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार (30 जनवरी) को कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के हिंदू धर्म और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग

तमिलनाडु के मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को लेकर निर्देश दिए। को सभी हिंदू मंदिरों में बोर्ड लगाने का आदेश शेष पृष्ठ 4 पर...

टीपू सुल्तान की मूर्ति पर जूतों की माला, कर्नाटक शहर में शुरू हुआ मुस्लिम समुदाय का भारी विरोध प्रदर्शन

बैंगलुरू: कर्नाटक के रायचूर जिले में बुधवार को उस समय तनाव फैल गया, जब मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान की तस्वीर को जूते की माला पहनाई गई। मुस्लिम समुदाय ने यातायात अवरुद्ध कर भारी विरोध प्रदर्शन किया और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने सिरवार कस्बे में टायरों में भी आग लगा दी. बाद में चित्र से माला हटा दी गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वह 24 घंटे के भीतर बदमाशों को गिरफ्तार कर लेगी। इस आश्वासन के बाद धरना वापस ले लिया गया है। रायचूर के सिरवार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

हालाँकि, यह पहली बार नहीं है कि कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ है। पिछले साल दिसंबर में टीपू सुल्तान के नाम पर शेष पृष्ठ 4 पर...

'भ्रूण में कोई असामान्यता नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने 32 सप्ताह गर्भवती महिला की गर्भपात याचिका की खारिज

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 26 वर्षीय महिला को 32 हफ्ते से अधिक के गर्भ को भ्रूण में कोई असामान्यता नहीं है। बता दें कि महिला ने पिछले साल अक्टूबर में अपने पति को खो दिया

समाप्त करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल बोर्ड ने माना है कि था और 31 अक्टूबर को उसे अपनी गर्भावस्था के बारे में पता चला। महिला शेष पृष्ठ 4 पर...

मराठा आरक्षण अध्यादेश के खिलाफ ओबीसी संगठन ने दायर की याचिका, बताया 'असंवैधानिक'

मुंबई: महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा शांत होता नजर नहीं आ रहा है। खबर है कि मराठा आरक्षण अधिसूचना को ओबीसी संगठनों द्वारा कोर्ट में चुनौती दी गई है। ओबीसी वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। उधर, मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील पहले ही कह चुके है कि वह याचिका दायर कर ओबीसी आरक्षण रद्द करने की मांग कर सकते है। मराठों शेष पृष्ठ 4 पर...

बच्चे के निजी अंग को प्राइवेट पार्ट से छूना भी यौन उत्पीड़न: बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिश्तेदार को नहीं दी जमानत

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने दो नाबालिग भतीजियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी रिश्तेदार को जमानत आने पर दोनों नाबालिगों के दिमाग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जो इस घटना के कारण पहले ही सदमे में

देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी पीड़ितों का करीबी रिश्तेदार है। उसके जेल से बाहर हैं। जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण ने आरोपी की जमानत याचिका को खारिज किया। कोर्ट ने कहा कि आमतौर शेष पृष्ठ 4 पर...

महाराष्ट्र के मंत्री ने एक बार फिर शिंदे सरकार पर साधा निशाना

ओबीसी कोटे में बैकडोर एंट्री के लिए जमा हो रहे लाखों हलफनामे: छगन भुजबल

मराठा कोटा के नाम पर भीड़तंत्र के सामने आत्मसमर्पण के अलावा कुछ नहीं है: भुजबल

मुंबई: महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने मराठा कोटा पर एक मसौदा अधिसूचना को लेकर बुधवार को एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि ओबीसी कोटा में 'पिछले दरवाजे से प्रवेश' करने और

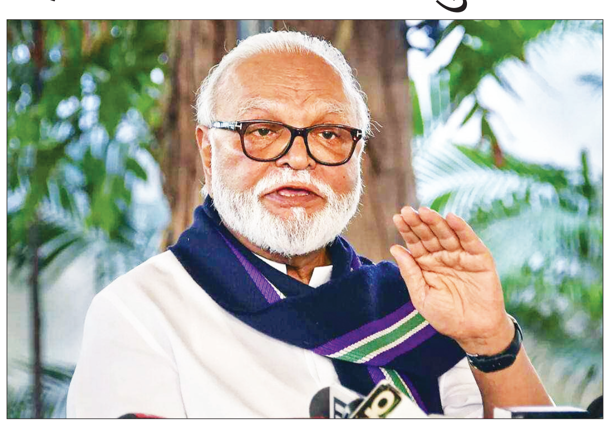

उनके अधिकारों का अतिक्रमण करने के लिए लाखों हलफनामे जमा किए जा रहे हैं। भुजबल और मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के बीच तीखी जुबानी जंग चल रही है, जिसमें भुजबल ने सरकार पर जरांगे के सामने आत्मसमर्पण करने का शेष पृष्ठ 4 पर...

अब आ गया है एक्साइटेल का सबसे सस्ता ब्रॉडबैंड प्लान, 24 रुपये में प्रति दिन 400 एमपीबीएस स्पीड, 21 ओटीटी, 550+ टीवी चैनल फ्री

नई दिल्ली: तेजी से बढ़ती इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (आईएसपी) कंपनी Excitel ने 'Excitel TV' की घोषणा की है। कंपनी ने हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के साथ ग्राहकों के मनोरंजन को बढ़ाने और आसान बनाने के लिए यह प्लान पेश किया है। इस आईपीटीवी सर्विस के साथ, यूजर्स को 550+ से अधिक प्रीमियम केबल टीवी और फ्री-टू-एयर (एफटीए) चैनलों तक पहुंच मिलेगी। इस सर्विस के तहत ग्राहकों स्टार प्लस एचडी, कलर्स एचडी, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन एचडी, स्पोर्ट्स 18, एमटीवी एचडी और अन्य लोकप्रिय चैनल उपलब्ध होंगे। एक्साइटेल

टीवी सर्विस के साथ कंपनी ने तीन प्लान्स को लॉन्च किया। एक्साइटेल शेष पृष्ठ 4 पर...

सुकेश के सच से अनजान नहीं थीं जैकलीन, ठगी के पैसों का जानकर किया उपयोग, ईडी ने किए कई खुलासे

नई दिल्ली: 200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में जैकलीन फर्नांडीज का नाम सबसे पहले सामने आया था. उसके बाद से ही प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी की नजर जैकलीन की हर एक एक्टिविटी पर है. इस केस में कई बार एक्ट्रेस को कोर्ट में पेशी देनी पड़ी. उनसे तमाम सवालात हुए लेकिन फिर भी कोर्ट उनके सवालों से संतुष्ट नहीं हुआ. अब हाल ही में दिल्ली शेष पृष्ठ 4 पर...

राजनेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए, जजों को भी सतर्क रहने की है जरूरत

नई दिल्ली: असमी लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए दर्ज कई प्राथमिकियों के संबंध में गिरफ्तारी से संरक्षण का अनुरोध करने वाली बंगाल के एक राजनीतिक टिप्पणीकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'नेताओं को मोटी चमड़ी वाला (अर्थात लोगों की टिप्पणी से अप्रभावित रहने वाला) होना चाहिए।' जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने बंगाल के एक राजनीतिक टिप्पणीकार गर्ग चटर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'नेताओं

को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए। आज कल शेष पृष्ठ 4 पर...

शादीशुदा महिला को कैब में बैठते ही ड्राइवर से हो गया प्यार, पति को छोड़ हुई रफूचक्कर

बेलगावी: कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के भागने के बाद कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी। मृतकों की पहचान 19 वर्षीय हिना मेहबूब और उसके प्रेमी 21 वर्षीय यासीन एडम के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान कोकातनूर गांव निवासी 24 वर्षीय तौफीक शौकत के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक, हिना और तौफीक ने चार महीने पहले शादी की थी और दरगाह जाने के लिए कैब किराए पर ली थी। हालाँकि, हिना को कैब ड्राइवर यासीन से प्यार हो गया और वह अपने पति को छोड़कर उसके साथ भाग गई। हिना और उसका प्रेमी यासीन कोकाटनूर

के एक फार्महाउस में रहने लगे। घटना से गुस्साए तौफीक ने मंगलवार की शाम उनके घर जाकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। तौफीक ने अपनी पत्नी हिना को काट डाला और बाद में यासीन को मार डाला। तौफीक शेष पृष्ठ 4 पर...

ठाणे की एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर सब रजिस्ट्रार को किया गिरफ्तार

डोंबिवली: कल्याण पूर्व के रजिस्ट्रेशन कार्यालय में ठाणे की एंटी करप्शन ब्यूरो ने जाल बिछाकर सब रजिस्ट्रार को गिरफ्तार किया है। उस समय सब रजिस्ट्रार राज कोली एक फ्लैट की रजिस्ट्रेशन के लिए 12 हजार की रिश्वत ले रहे थे। सब रजिस्ट्रार कोली के साथ एक निजी व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार रजिस्ट्रेशन कार्यालय के सब रजिस्ट्रार कोली ने एक घर का रजिस्ट्रेशन करने के लिए शिकायतकर्ता से 24 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। मोलभाव के बाद यह रकम 12 हजार रुपए में तय हुई। रकम देने के पहले शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। बुधवार को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने कल्याण पूर्व के रजिस्ट्रेशन कार्यालय में जाल बिछाया और 12 हजार की नकद रिश्वत लेते हुए सब रजिस्ट्रार राज कोली को दबोच लिया। राज कोली को गिरफ्तार करने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है।

ठाणे के कई इलाको में 1 फरवरी दोपहर 12 बजे से 2 फरवरी दोपहर 12 बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं होगी

ठाणे: ठाणे नगर निगम क्षेत्र में मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवाड़ा-मनपाड़ा और वागले वार्ड समितियों में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम जल आपूर्ति योजना के तहत कटाई नाका से कल्याण फाटा तक बारवी ग्रेविटी चैनल की तत्काल मरम्मत कार्य के कारण गुरुवार, 1 फरवरी दोपहर 12 बजे से 2 फरवरी दोपहर 12 बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं होगी। कुल 24 घंटे तक जलापूर्ति बंद रहेगी। बंद अवधि के दौरान दिवा, मुंब्रा (वार्ड नंबर 26 और 31 के हिस्से को छोड़कर) और ठाणे नगर निगम के तहत कलवा वार्ड समिति के सभी हिस्सों और वागले वार्ड समिति में रूपादेवी पाड़ा, किसान नगर नंबर 2, नेहरूनगर के साथ-साथ कोलशेत में भी बंद की अवधि के दौरान मानपाड़ा वार्ड समिति के अंतर्गत खलचा गांव 24 घंटे के लिए पूरी तरह से बंद रहेगा। नागरिक कृपया ध्यान दें कि जलापूर्ति शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक जलापूर्ति कम दबाव पर होगी। ठाणे नगर निगम के माध्यम से पानी की कमी के दौरान पानी का संयम से उपयोग करने की अपील की गई है।

20 पुलिस निरीक्षक तथा 17 सहायक निरीक्षकों के तबादले

नवी मुंबई: आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए नवी मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने 20 पुलिस निरीक्षक तथा 17 सहायक निरीक्षकों के तबादले कर दिए है। नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय के 20 पुलिस उप निरीक्षकों के भी ट्रांसफर किए गए हैं। इस आशय का आदेश मंगलवार की रात को निकाला गया। पता हो कि चुनाव के मद्देनजर नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय में बड़े पैमाने पर फेरबदल किए जाने के अनुमान लगाए जा रहे थे। पुलिस आयुक्तालय के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि किए गए तबादलों को लेकर पिछले कुछ दिनों से बैठक की जा रही थी , ट्रांसफर की संभावनाओं को देखते हुए कई पुलिस अधिकारियों ने अपने ट्रांसफर रुकवाने के भी प्रयास शुरू कर दिए थे। जानकारी के अनुसार जिन पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए गए हैं उनमें पुलिस निरीक्षक संजीव धुमाल , शशिकांत चांदेकर , प्रमोद तोरडमल ,राजेंद्र कोते ,भागोजी ओटी , दिलीप गुजर , रमेश जाधव ,अशोक गायकवाड़ , संजय चव्हाण , मधुकर भते , राजेंद्र कदम , औदम्बर पाटिल ,विजय पन्हाले ,प्रमोद भोसले ,पराग सोनवणे ,अतुल आहेर ,हनीफ मुलानी तथा वैशाली गलांडे का समावेश है। जिन पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए गए हैं वे सभी विभिन्न पुलिस स्टेशनों में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पद पर तैनात थे। इनके साथ ही सहायक 17 पुलिस निरीक्षक तथा 20 पुलिस उप निरीक्षकों के भी तबादले किए गए हैं। चर्चा की जा रही है कि इतनी बड़ी संख्या में तबादले कई सालों के बाद किए गए हैं , चर्चा यह भी है कि कुछ वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अपने क्षेत्र में गैर क़ानूनी कामों की तरफ अनदेखी करने का भी काम कर रहे थे।

कांदिवली पश्चिम यातायात पुलिस थाने में तैनात राजेंद्र लवले का प्रमोशन: सहायक उप-निरीक्षक से बने पुलिस उपनिरीक्षक

विजय त्रिपाठी

मुंबई: मुंबई पुलिस के जाबाज सहायक पुलिस उपनिरीक्षक श्री राजेंद्र रामचंद्र लवले को प्रमोशन देते हुए इन्हें पुलिस उपनिरीक्षक बनाया गया है।

श्री राजेंद्र रामचंद्र लवले को पुलिस उपनिरीक्षक बनाए जाने पर 'खबरें आज तक' परिवार की तरफ से बहुत बहुत बधाईएवं ढेर सारी शुभकामनायें। 'खबरें आज तक'श्री लवले की उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। आप ऐसे ही निरंतर जीवन मे प्रगति पथ पर अग्रसर रहें।

नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के दो नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर: उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के रेहड़ थाना इलाके में 14 साल की एक नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। घटना 29 जनवरी की बताई जा रही है।

पीड़िता ने घटना को माता-पिता से भी छिपाए रखा। लेकिन, उसकी तबीयत खराब होने के बाद घटना का खुलासा हुआ। फिर थाने में मामला दर्ज कराया गया। रेहड़ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी से घर के पास रहने वाले दो नाबालिगों ने साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया था। किसी को बताने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी थी। घटना 26 जनवरी की है और लड़की ने बात को परिजनों से छिपाए रखा। तबीयत खराब होने पर जब परिजनों ने सख्ती से पूछा तो लड़की ने आपबीती बताई। इसके बाद पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया है, दोनों को न्यायालय में पेश किया गया है। जहां से उन्हें बाल सुधार गृह मुरादाबाद भेजा गया।

ज्वैलरी शॉप में चोरी करने वालों से हुई गाजियाबाद पुलिस की मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद: गाजियाबास पुलिस और बदमाशों के बीच बीती देर रात मुठभेड़ हुई। लोनी बॉर्डर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में ज्वैलरी शॉप में चोरी करने वाले गैंग के 3 बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा है। दो बदमाशों को पैर में गोलियां लगी हैं और एक अन्य को कांबिंग कर पकड़ा गया।

लोनी बॉर्डर क्षेत्र में 10 जनवरी की रात ज्वैलरी शॉप में एक बड़ी चोरी हुई थी। करीब 12-13 चोरों ने लोहे की रॉड से दुकान का शटर उठाया और करीब 40 लाख रुपए कीमत के जेवरात चुराकर ले गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। बदमाशों की इतनी संख्या देख लोगों ने उस समय पुलिस की कार्यप्रणाली पर खूब सवाल उठाए थे। अंकुर विहार क्षेत्र के एसीपी रवि प्रकाश सिंह ने बताया, 30 जनवरी को देर रात मुखबिर के जरिए सूचना प्राप्त हुई कि ये गैंग फिर से एक्टिव है और कोई नई घटना करने की तैयारी में है।

पश्चिम रेलवे द्वारा छह जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई: पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर 06 जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09419 के विस्तारित फेरों की बुकिंग शुरू है और 09051, 09324, 09456, 09455, 09435 09436 और 09520 की बुकिंग 1 फरवरी, 2024 से पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

ऑस्ट्रेलिया की महिला सांसद की फोटो से छेड़छाड़

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया की सांसद जॉर्जी परसेल की फोटो के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। ऑस्ट्रेलिया के एक टीवी चैनल द्वारा सांसद की फोटो में बदलाव किया था। हालांकि, इस फोटोशॉप इमेज को लेकर सांसद ने चैनल को जमकर फटकार लगाई है।

विक्टोरिया राज्य की सांसद जॉर्जी परसेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी ओरिजनल और फोटोशॉप इमेज को साझा किया है। दोनों फोटो में अंतर साफ दिखाई दे रहा है।

सांसद जॉर्जी परसेल के ऑस्ट्रेलियाई टीवी चैनल पर भड़कने के बाद उन्होंने माफी मांगी है। 9 न्यूज मेलबोर्न के डायरेक्टर ह्यू नेलॉन ने कहा कि चैनल के ग्राफिक्स डिमार्टमेंट ने सांसद की तस्वीर का इस्तेमाल किया था। उस तस्वीर को हमारे ग्राफिक्स डिमार्टमेंट द्वारा निर्देशों के बाद एडिट किया गया था। फोटोशॉप द्वारा एक ऐसी इमेज बनाई गई, जो गलत थी। नेलोन ने कहा कि हम इस गलती के लिए परसेल से बिना शर्त माफी मांगते हैं। परसेल ने कहा कि इस घटना का उन पर बुरा प्रभाव पड़ा है और यह अन्य महिलाओं को और भी अधिक प्रभावित कर सकता है। ऐसा दोबारा कभी नहीं होना चाहिए। वहीं, विक्टोरिया की प्रधानमंत्री ने भी इस घटना की आलोचना की है। बता दें कि जॉर्जी परसेल उत्तरी विक्टोरिया से एनिमल जस्टिस पार्टी की सांसद हैं।

मुंबई मनपा विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा पर जोर

संवाददाता द्वारा

मुंबई: भारत में डिजिटल शिक्षा के तर्ज पर अब मुंबई मनपा विद्यालयों में भरपूर जोर दिया जा रहा है जिससे शिक्षक भी यह महसूस करते हुए कह रहे हैं कि विद्यार्थियों के पाठयक्रम को डिजिटल माध्यम से उपयोग में लाना और शिक्षा को व्यापक पैमाने पर शामिल करना बेहद महत्वपूर्ण है।

डिजिटल परीक्षा व शिक्षा के लिए स्मार्ट कक्षा प्रचुर मात्रा में शैक्षिक संसाधन जैसे इंटरेक्टिव पैनल का उपयोग करना भी शामिल है। यह विधियां अब मानक अभ्यास बन रही हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र एक ऐसी दुनिया का प्रबंधन करने के लिए तैयार हैं जिसमे अधिक से अधिक डिजिटल रूप से समझदारी भी होती जा रही है। इसी तरह, तमाम संस्थाओं ने अब डिजिटल शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे अपने इंटरेक्टिव पैनल जैसे संसाधनों को विद्यार्थियों के हित मे विद्यालय में मुहैया करा शिक्षा जगत को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे शिक्षा जगत को व्यापक पैमाने पर बढ़ोतरी व विद्यार्थियों में विकास की नई उम्मीद जगने की क्षमता देखते हैं। इन दिनों, बहुत सारे व्यवसाय शैक्षिक पहलों को वित्त पोषित करते हैं, आवश्यक सामग्री प्रदान करते हैं, और वंचित क्षेत्रों और मनपा के स्कूलों के लिए डिजिटल इंटरेक्टिव पैनल दे रहे हैं।

जैसे संस्थान मिराईयासेट फाउंडेशन ,एक्स्ट्रा मार्क,एजुकेशन फाउंडेशन जैसे नाम शामिल हैं। प्रबंधक मिराईयासेट रितेश पटेल,रॉबिनसन फ्रांसिस कमिटी सदस्य,फाउंडेशन मैनेजर पूनम नाईक,अनिता समेत एक्सट्रा मार्क फाउंडेशन से उपाध्यक्ष आलोक सिन्हा,मैनेजर विनोद शंकर,सहायक मैनेजर सोनम पाठक वही मनपा एसएमसी गुंदवली विद्यालय अंधेरी पूर्व मुख्याध्यापक अविनाश,शिक्षक दिगंबर,सरिता जी समेत विद्यार्थी भी उपस्थित थे। सभी लोगों ने विद्यालय में उपस्थित तमाम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाऐ प्रदान करते हुए वृक्षारोपण कर पौधे भी लगाए।

अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी कार, दो लोगों की दर्दनाक मौत

रुद्रप्रयाग: उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बुधवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। तिलवाड़ा मयाली मोटर मार्ग पर कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, इस दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। दोनों रुद्रप्रयाग जनपद के ही रहने वाले हैं।

बुधवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे तिलवाड़ा-मयाली मोटर मार्ग पर सियाल्स्यू के समीप तिलवाड़ा की ओर आ रहा एक कार ळख1 30654 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। आस पास के लोगों ने वाहन गिरने की आवाज आने पर मौके की ओर भागे तथा इसकी सूचना तत्काल पुलिस व आपदा कंट्रोल रूम को दी।

सूचना मिलते ही जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा डीडीआरएफ रुद्रप्रयाग मुख्यालय से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर तत्काल राहत बचाव कार्य शुरू किया गया।

कार में दो व्यक्ति सवार थे, घायल कैलाश जगवाण खाई से निकालकर 108 की मदद से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेज दिया गया है। जबकि दूसरे व्यक्ति किशन कठैत की मौके पर ही मौत हो गई। घायल कैलाश की भी उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो गई। मृतकों में कैलाश जगवाण निवासी जगतोली सांदर, तहसील व जिला रुद्रप्रयाग, दूसरा व्यक्ति 52 वर्षीय किशन कठैत, निवासी सकलाना खील, जखोली विकास खंड़ रुद्रप्रयाग व हाल निवासी तिलवाड़ा शामिल हैं। वहीं बताया जा रहा है कि यह दोनो व्यक्ति किसी काम से सिलाल्स्यू गए थे, वहां से वापस तिलवाड़ा आते समय यह दुर्घटना हुई।

फार्मा यूनिट में गैस रिसाव के बाद जोरदार धमाका, तीन कर्मचारियों की मौत

वडोदरा: गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार को एक दवा फैक्ट्री में गैस रिसाव की वजह से विस्फोट हो गया। इस हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वडोदरा जिले के पडरा तालुका के एकलबारा गांव में स्थित फैक्ट्री में तकरीबन दो बजे गैस पाइप से रिसाव की वजह से विस्फोट हो गया।

पादरा के पुलिस इंस्पेक्टर एलबी तडवी के मुताबिक, फैक्ट्री में दोपहर तकरीबन दो बजे धमाका उस वक्त हुआ जब वनिरो लाइफकेयर के संयंत्र में गैस पाइप से रिसाव हुआ, उस वक्त मौके पर चार कर्मचारी मौजूद थे, जिसकी वजह से वह घायल हो गए।

बकौल अधिकारी, हादसे के तत्काल बाद श्रमिकों को वडोदरा के एक अस्पताल ले जाया गया जहां पर इलाज के दौरान तीन श्रमिकों की मौत हो गई। फिलहाल आगे की जांच चल रही है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने लोनावला और शिवाजी नगर के बीच ईएमयू लोकल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

मुंबई: रावसाहेब पाटिल दानवे, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री,रेल, कोयला और खान, भारत सरकार ने दिनांक 31.01.2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोनावला रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में लोनावला और शिवाजी नगर के बीच नई ईएमयू

लोकल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दानवे जी ने लोनावला रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 22157/22158 सीएसएमटी - चेन्नई एग्मोर - सीएसएमटी एक्सप्रेस और कर्जत रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 11019/11020 सीएसएमटी - भुवनेश्वर - सीएसएमटी कोणार्क एक्सप्रेस के ठहराव की भी घोषणा की।श्रीरंग अप्पा बार्ने, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), मावल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित थे।

सर्वेक्षण को 2 फरवरी तक बढ़ाया गया

पनवेल: महाराष्ट्र राज्य एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से मराठा समुदाय के पिछड़ेपन की जांच करने के लिए पनवेल नगर निगम की ओर से 23 जनवरी से नगर निगम क्षेत्र में सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इस कार्य के लिए आयुक्त गणेश देशमुख को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है. उपायुक्त गणेश शेटे सहायक नोडल अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं. उसके बाद सभी पांच वार्ड अधिकारी सहायक नोडल अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। इनके अधीन 34 परीक्षक और 719 प्रगणक बनाये गये हैं।

इस बीच, सर्वेक्षण को 2 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है और 31 जनवरी को, उपायुक्त गणेश शेटे ने खारघर डिवीजन में सर्वेक्षण का दौरा किया और पर्यवेक्षकों और प्रगणकों की समस्याओं को समझा। नगर निगम की ओर से 23 जनवरी से अब तक 1 लाख 85 हजार परिवारों का सर्वे पूरा कर लिया गया है. प्रगणक शहर के प्रत्येक घर का सर्वेक्षण पूरा कर रहे हैं।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण

सहकार कक्ष, झोपुप्रा, मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी.४/सन२०२४
SRA/CO/OW/२०२४/४९६२
दिनांक: २९/०१/२०२४

-: सर्वसाधारण सभेची नोटिस :-

मालाड शिवाजी नगर शिवालय सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, सी.टी. सर्वे नं. २९१, शिवाजी नगर, कुरार गांव, मालाड (पूर्व), मुंबई - ४०० ०९७ या संस्थेच्या संदर्भात मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, झो.पु.प्रा. यांचेकडील दिनांक १६.१०.२०२३ रोजीचे कायदा कलम १३(२) आदेशान्वये पुनर्वसन योजनेचे विकासक मेसर्स रॉयल रियलटर्स यांची नियुक्ती रद्द करण्यांत आलेली आहे. त्याअनुषंगाने सदरहू संस्थेने योजनेसाठी नविन विकासकाची नियुक्ती प्राधिकरणाकडील प्राधिकृत अधिकारी यांच्या उपस्थितीत करणेबाबत विनंती केलेली होती. त्याअनुषंगाने या कार्यालयाकडून दिनांक १८.०१.२०२४ रोजी मा. सचिव, झो.पु.प्रा. व मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, झो.पु.प्रा. यांना टिप्पणी सादर करण्यांत आलेली असून सदर टिप्पणीवर दिलेल्या मंजूरीस अनुसरुन प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६९ मधील तरतुदीनुसार सदरहू संस्थेच्या पुनर्वसन योजनेसाठी नविन विकासक नियुक्त करणेसाठी निम्न स्वाक्षरीकार यांची मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा., मुंबई यांचेकडील जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/ टे.सी.४/सन २०२४/४९२४, दिनांक २९.०१.२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६९, दिनांक ३१.१२.२०१५ मधील तरतुदीस अनुसरुन सर्वसाधारण सभा **बुधवार, दिनांक १४/०२/२०२४ रोजी ठिक सकाळी ११:३० वाजता, स्थळ : पारेख हॉल, जितेंद्र एक्स रोड, मालाड (पूर्व), मुंबई - ४०० ०९७** येथे खालील विषयावर सभा आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदर सभेस उपजिल्हाधिकारी (विशेष कक्ष), झो.पु.प्रा. यांचेकडील दिनांक ११.०१.२०२४ रोजीच्या पत्रान्वये प्राप्त १५८ झोपडीधारकांच्या यादीमधील झोपडीधारकांनीच उपस्थित रहावे. अन्य व्यक्तीस सभेस उपस्थित राहता येणार नाही. कृपया याबाबत नोंद घ्यावी.

-:सभेचा विषय:-

- **संस्थेसाठी नविन विकासक व वास्तुविशारद यांची नियुक्ती करणे.**

स्वाक्षरी/-
(आर.एन.हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-१, झो.पु.प्रा.,मंबई.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २९/०१/२०२४

टिप:

१ सभेस उपस्थित झोपडीधारकांची बायोमेट्रीक पध्दतीने नोंद घेण्यात येणार असून सदर बायोमेट्रीक पध्दतीने घेण्यात येणारी नोंद सकाळी १०.०० ते ११.३० पर्यत असेल. तद्नंतर सभेस सुरूवात करण्यात येईल.

२. सदर सभेच्या वेळी नवीन विकासक व वास्तुविशारद यांच्या नियुक्तीसाठी त्याच वेळी उपस्थित झोपडीधारकांकडून अर्ज मागविण्यात येतील. एकापेक्षा जास्त अर्ज प्राप्त झाल्यास प्राप्त अर्जांमधून गुप्त मतदान (Ballot Paper) पध्दतीने नवीन विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करण्यात येईल. तसेच संबंधित विकासकाचे व वास्तुविशारद यांचे नांव सूचविल्यास सदर विकासक व वास्तुविशारद यांचे काम करण्यास सहमती असल्याबाबत संमतीपत्र सभेच्यावेळी सादर करणे आवश्यक राहील.

३. सभेस उपजिल्हाधिकारी (विशेष कक्ष), झो.पु.प्रा. यांचेकडील दिनांक ११.०१.२०२४ रोजीच्या पत्रान्वये प्राप्त झोपडीधारकांच्या यादीमधील झोपडीधारकांनी स्वतःची ओळख होईल अशा मूळ ओळखपत्रासह (पॅन कार्ड, आधार कार्ड, निवडणूक कार्ड इ.) विहीत वेळेत उपस्थित राहावे. अन्य व्यक्तीस उपस्थित राहता येणार नाही. मुळ झोपडीधारक मयत असल्यास त्याचे मृत्युपत्रासह त्याचे पती/पत्नी मूळ ओळखपत्रासह उपस्थित राहू शकतात.

४. गणसंख्ये अभावी सभा तहकूब झाल्यास अर्ध्या तासानंतर त्याच दिवशी त्याच ठिकाणी सभा घेण्यात येईल. सदर सभेस गणपुर्तीची आवश्यकता असणार नाही.

५. सदरहू सभेची नोटीस संस्थेच्या संबंधित झोपडीधारकांना पोहोच करण्याची जबाबदारी सर्वस्वी संस्थेची राहिल.

६. सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत चित्रीकरण (Video) करण्यात येणार आहे.

प्रति:

१) श्री./श्रीमती .... झोपडीधारकांच्या यादीमधील अ.क्र. ....
पत्ता : मालाड शिवाजी नगर शिवालय सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, सी.टी.सर्वे नं. २९१, शिवाजी नगर, कुरार गांव, मालाड (पूर्व), मुंबई - ४०० ०९७.

२) संस्थेचे नोटिस बोर्ड, मालाड शिवाजी नगर शिवालय सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, सी.टी.सर्वे नं. २९१, शिवाजी नगर, कुरार गांव, मालाड (पूर्व), मुंबई - ४०० ०९७.

प्रत माहितीसाठी सविनय सादर,
मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, मुंबई - ४०० ०५१.

प्रशासकीय इमारत, अनंत काणेकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - ४०० ०५१.
दूरध्वनी क्र. २६५६ ५८०० / २६५९ ०४०५ / १८७९ ● फॅक्स क्र. ९१-२२-२६५९ ०४५७
संकेतस्थळ: www.sra.gov.in ● ई-मेल: info@sra.gov.in
SRA/PRO/12/2024

आयकर विभाग द्वारा नासिक शहर में करीब 14 ठिकानों पर छापेमारी

नाशिक: आयकर विभाग के अधिकारियों की टीमों ने नासिक शहर में बुधवार सुबह से करीब 14 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह सभी छापे बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों और ठेकेदारों से संबंधित ठिकानों पर की गई है। इस कार्रवाई का अधिकृत ब्योरा आयकर विभाग ने अभी नहीं दिया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह आयकर विभाग की टीम ने गोपनीयता बरतते हुए नासिक में एक साथ 14 जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी की खबर बाद में पुलिस को लगी, इससे छापे की जगह पुलिस का बंदोबस्त बढ़ा दिया गया। बताया जा रहा है कि छापेमारी में मुंबई के अधिकारी भी शामिल हैं। यह टीमें मंगलवार को रात में ही छत्रपति संभाजीनगर रवाना हो गए थे और वहां से आज सुबह नासिक पहुंचे हैं। इस कार्रवाई में नागपुर आयकर विभाग के 42 अधिकारियों और 34 कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इन छापों के लिए आयकर विभाग के कुल 150 अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम कार्य कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक नासिक शहर में आयकर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कदलग, हर्ष कंस्ट्रक्शन, पवार-पाटकर बिल्डर्स, सांगले कंस्ट्रक्शन, सोनवणे बिल्डर्स स्थित संबंधित कार्यालयों में छानबीन कर रहे हैं। इनमें से तीन के खिलाफ जीएसटी विभाग ने डेढ़ माह पहले ही कार्रवाई की थी। बताया गया है कि कई राजनीतिक नेताओं, मौजूदा विधायकों और सांसदों के इन बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों और ठेकेदारों के साथ व्यापारिक संबंध हैं। साथ ही यह भी चर्चा है कि ये विभिन्न कंपनियां सरकारी ठेकेदारों की हैं। आयकर की छापेमारी के बाद बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितता प्रकाश में आने की संभावना जताई जा रही है।

पुणे महानगरपालिका

जाहिरात क्र. २/१७११ दि. ३१/१/२४

निविदा प्रकिया कक्ष उद्यान विभाग
निविदा जाहिरात-नवीन कामे

निविदा कालावधी दिनांक :- ०१/०२/२०२४ ०९.०० सकाळी ते १०/०२/२०२४ १२.०० दुपारी पर्यंत
स्वीकृती दिनांक :- ०१/०२/२०२४ ०९.०० सकाळी ते १०/०२/२०२४ १२.३० दुपारी पर्यंत तांत्रिक निविदा उघडणे प्रक्रिया दिनांक १२/०२/२०२४ १२.३० दुपारी

निविदा क्र.	खात्याचे नाव	कामाचे नाव	निविदा संच किंमत रु	अंदाजित पुर्वगणित रक्कम रुपये	बयाणा रक्कम रु.	कामाची मुदत (महिने)	निविदा विषयक जबाबदार व्यक्तीचे नाव व दूरध्वनी क्रमांक
PMC/GARDEN/ 2023/216	उद्यान विभाग	राजीव गांधी प्राणीसंग्रहालयातील चितळ सांबर व इतर खंदकांची देखभाल दुरुस्तीविषयक कामे करणे	रु. ६०७९/-	रु. ४९२३७०२/-	रु. ४९२३७/-	२	Amol Rudrake ९७६२५२३९५५

अ) सदर कामाबाबत निविदा अटी शर्ती इ. बाबतचा सर्व तपशील निविदा संचामध्ये नमूद केला असून सदर कामाचे निविदा www.mahatenders.gov.in या वेबसाईटवर पाहण्यासाठी उपलब्ध आहे, निविदा संचाची विक्री व स्वीकृत सदर वेबसाईटवरून फक्त ऑनलाईन पद्धतीने करण्यात येत असून सर्व निविदा दोन पाकीट पद्धतीने मागविण्यात येत आहेत.
ब) निविदा प्रक्रियाच्या शेवटच्या दिवशी संच प्राप्त न झाल्यास व स्वीकृतीच्या शेवटच्या दिवशी ऑनलाईन सादरीकरण न झाल्यास याची सर्वस्व जबाबदारी टेंडरदाराची राहील.
क) ऑनलाईन निविदा प्रकिया बाबतची संपूर्ण माहिती टेंडर सेल विभाग पुणे म.न.पा. येथे मिळेल.
ड) कार्यालयीन आदेश क्र. अतिमआ (वि) /३२ दिनांक २२/०४/२०१६ नुसार बयाना रक्कम इ.सी एम./आर.टी.जी. एस. एन. एफ. टी सुविधेमार्फतच स्वीकारनेत येणार आहे.

Prasad Ganesh Pharande
टेडर लिपिक
उद्यान
पुणे महानगरपालिका

Rahul Ashok Salunke (Add. Charge)
कार्यकारी अभियंता
उद्यान
पुणे महानगरपालिका

मनपा मुलुंड में बनाएगी स्काईवाक

मुंबई: मनपा प्रशासन ने मुलुंड स्टेशन से एल बी एस रोड तक स्काई वाक बनाने का निर्णय लिया है। मनपा इस स्काई वाक को मेट्रो लाइन 4 से जोड़ेगी जिससे लोगो को रेलवे से मेट्रो तक के लिए आना जाना आसान होगा। मनपा स्काई वॉक के निर्माण पर लगभग 30 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

उल्लेखनीय है कि मुंबई में इस समय मेट्रो रेलवे का जाल बिछ रहा है। मेट्रो रेलवे को स्टेशन से जोड़ने अथवा लोगो को सड़क पार करने की होने वाली परेशानी दूर करने के लिए स्काई वॉक बनाने का निर्णय ले रही है। स्काई वॉक के माध्यम से मनपा लोगो को रेलवे स्टेशन से मेट्रो स्टेशन तक आवागमन करने की सुविधा उपलब्ध करा रहीं है। मुलुंड में एल बी एस रोड, शांताराम चव्हाण रोड, एसीसी सीमेंट कंपनी रोड, दीन दयाल उपाध्याय रोड, के जंक्शन पर बड़े पैमाने पर ट्रैफिक समस्या होती है। इस परिसर में मनपा का स्कूल और बेस्ट का बस डिपो है जिस पर आने जाने वाले लोगो की भारी भीड़ होती है। मेट्रो लाइन 4 बन रहे स्टेशन से लोगो की ओर भीड़ बढ़ेगी। भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने मनपा प्रशासन से इस परिसर में होने वाली दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए परिसर में ब्रिज बनाने अथवा अंडर ग्राउंड सब वे बनाने की मांग रखी थी। मनपा प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि अंडर ग्राउंड सबवे बनाने में जमीन के नीचे बिछाई गई जीवन उपयोगी पाइप लाइन आदि को नुकसान होने की संभावना बनती है। मनपा प्रशासन ने इसी के चलते मेट्रो लाइन 4 के आने वाले स्टेशन को ध्यान में रखते हुए स्काई वॉक बनाने का निर्णय लिया है। मनपा स्काई वॉक बनाने पर लगभग 30 करोड़ रुपया खर्च करेगी और यह स्काई वॉक अगले साल तक बन कर तैयार हों जाने की जानकारी दी है।

मनपा ब्रिज विभाग के अधिकारियो ने बताया कि मुलुंड में बनने वाले स्काई वॉक पर लोगो को स्काई वॉक पर चढ़ने की होने वाली तकलीफों को ध्यान में रखकर स्काई वॉक पर स्वय चलित सीढ़ी भी लगाने की योजना बनाई है।मनपा पादचारी ब्रिज पर स्वय चलित सीढ़ी लगाने की योजना शुरू की है।मनपा ने सायन में बने पादचारी पुल पर स्वय चलित सीढ़ी लगाने का काम किया है। मनपा अब सी एस टी एम स्टेशन के पास बने पादचारी ब्रिज पर स्वय चलित सीढ़ी लगा रही है जबकि लोअर परेल स्थित लोवर परेल ब्रिज में स्वय चलित सीढ़ी लगाने का काम शुरू किया है जबकि इसके पहले इस ब्रिज पर लोगो के आने जाने के लिए स्वय चलित सीढ़ी लगाने की कोई योजना नहीं थी। मनपा ने लोगो खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा के लिए स्केलेटर लगाने का निर्णय लिया है।

दिल्ली की नामी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने चूहे पर खौलता पानी डाला

नई दिल्ली: दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दो छात्रों के खिलाफ के चूहे के साथ क्रूरता बरतने के आरोप में उत्तरी जिले के शाहबाद डेरी थाने में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन छात्रों पर चूहे को फंसाने और उस पर खौलता पानी डालकर मारने का आरोप लगाया गया है। छात्रों द्वारा मजाक में जानवर का दाह संस्कार भी किया गया और उस वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद इस मामले में जानवरों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे पशु-अधिकार संगठन पेटा की शिकायत के आधार पर 28 जनवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी। संस्था की ओर से को-आर्डिनेटर और अधिवक्ता सुनयना बासु ने बताया कि जानवरों के साथ ऐसा व्यवहार देखने के बाद वीडियो के आधार पर शिकायत की गई। उन्होंने इस बारे में कॉलेज के डीन व अन्य प्रोफेसर से भी बात करने की बात कही है। जानवरों के साथ हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि यह बातें सर्वे में भी सामने आई हैं कि जो लोग जानवरों को परेशान या एब्यूज करते हैं वह आपराधिक प्रवृत्ति के तहत इंसानों के साथ भी बुरा कर सकते हैं। इसलिए उन्हें शुरूआत में रोकने की जरूरत हैं। ऐसे में यदि देश के भविष्य कहे जाने वाले छात्र ही ऐसा करने लगे तो यह काफी चिंताजनक है। पेटा की ओर से यह सुझाव दिया गया है कि छात्रों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन से गुजरना चाहिए और परामर्श प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि जानवरों के साथ दुर्व्यवहार गहरी मनोवैज्ञानिक गड़बड़ी का संकेत देता है। इस मामले में डीटीयू का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज होने के अगले दिन ही दोनों छात्रों को कॉलेज के छात्रावास से निकाल दिया गया है। कॉलेज की ओर से छात्रों के इस कृत्य की निंदा की गई है और आगे की कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है।

ईडी ने जिस दिन पूछताछ के लिए बुलाया, उस दिन केजरीवाल-मान करेंगे हल्ला बोल

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पांचवां समन जारी किया है। समझा जाता है कि ईडी की ओर से केजरीवाल को 2 फरवरी को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। वहीं आम आदमी पार्टी ने ऐलान किया है कि वह दो फरवरी को बीजेपी हेडक्वार्टर पर एक विशाल विरोध प्रदर्शन करेगी। इस विरोध प्रदर्शन में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान भी शामिल होंगे। आप का कहना है कि यह विरोध प्रदर्शन चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में कथित गड़बड़ी को लेकर किया जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली के आरोपों को लेकर दो फरवरी को भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत पार्टी के अन्य नेता व कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी का आरोप है कि किसी भी समीकरण के आधार पर भाजपा मेयर का चुनाव नहीं जीत सकती थी लेकिन सोची समझी साजिश के तहत चुनाव को जीता गया। इस मामले को लेकर व्यापक स्तर पर पार्टी विरोध प्रदर्शन करेगी।

ध्यान रहे कि मंगलवार को हुए चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जीत गई थी। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि बीजेपी संख्याबल के लिहाज से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन से पीछे थी। 20 पार्षदों वाला गठबंधन मेयर चुनाव में हार गया और 16 वोट के साथ भाजपा का मेयर जीत गया था। मेयर चुनाव नतीजों के बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया था। दोनों ही पार्टियां जीते के पीछे बड़ी धांधली बता रही हैं। इसलिए शुक्रवार को होने वाले प्रदर्शन में पार्टी के पंजाब और चंडीगढ़ के नीता भी शामिल हो रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी के पांचवें समन पर आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को कहा कि उसकी कानूनी टीम नोटिस का अध्ययन कर रही है। आम आदमी पार्टी कानून के अनुसार निर्णय लेगी। एक संक्षिप्त बयान में आम आदमी पार्टी की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा- हमें पांचवें समन के बारे में खबर मिली है।

रात को महिलाएं कर रही थी डांस, हुआ कुछ ऐसा बुलानी पड़ी पुलिस

चिरैयाकोट: भीखमपुर गांव में मंगलवार की रात बहूभोज कार्यक्रम के दौरान डांस के दौरान सीटी बजाने और महिलाओं पर फब्तियां कसने पर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में भीखमपुर गांव के हरेन्द्र राम ने बताया कि उनके घर पर मंगलवार की रात बहूभोज

का कार्यक्रम चल रहा था। इसमें महिलाएं डांस कर रहीं थी। इस दौरान गांव के सरवन, राम प्रताप, अजय, लखन्दर, विशाल महिलाओं पर फब्तियां कसने के साथ ही सीटी बजानी शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर सभी लोग हमलावर हो गए। आरोप है कि सभी लोगों ने आदित्य कुमार, आकाश व 70 वर्षीय वृद्ध महिला को पीटकर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांचकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खालिस्तान समर्थक नारे लिखने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली: द्वारका व पश्चिमी जिले की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में खालिस्तान समर्थक नारे और ग्रैफिटी बनाने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान तिलक नगर के जसविंदर उर्फ लकी के रूप में हुई है।

उसके पास से कार स्प्रे पेंट, मोबाइल व कार बरामद की गई है। उसे अमेरिका में रहने वाले उसके दोस्त ने नारे लिखने के लिए कहा था। इसके लिए उसे 15 हजार रुपये देने की बात कही गई थी, लेकिन उसे एक भी रुपया नहीं दिया गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह व पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने संयुक्त रूप से बताया कि 26 जनवरी को तिलक नगर थाना इलाके के एमसीडी पार्क की दीवार पर खालिस्तान समर्थक आपत्तिजनक नारे व ग्रैफिटी बनाई

गई थी। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

आरोपित को पकड़ने के लिए द्वारका व पश्चिमी जिले के 200 से ज्यादा पुलिस कर्मियों व अधिकारियों की टीम बनाई गई थी।द्वारका जेल बेल सेल के इंस्पेक्टर रघुवीर सिंह के नेतृत्व में बनाई गई टीम में एसआइ सुरेंद्र सिंह, एएसआई सुमेर सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, मुकुल, राजेश, मनोज, वरुण, संदीप, देव, कांस्टेबल ब्रिजेश आदि शामिल थे।

टीम ने आसपास के एक हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस दौरान एक युवक व उसकी कार की पहचान की गई। मंगलवार रात को पुलिस टीम को जानकारी मिली कि आरोपित विष्णु गार्डन इलाके में रहता है और अन्य इलाकों में खालिस्तानी समर्थक नारे लिख सकता है। टीम ने जाल बिछाकर आरोपित को पकड़ लिया।उसके पास से कार, कार स्प्रे पेंट व मोबाइल बरामद हुआ।

नाबालिग ने शराब के लिए व्यक्ति की हत्या की

नई दिल्ली: दक्षिण दिल्ली में शराब पीने के लिए एक नाबालिग ने 30 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के मूल निवासी अजरुद्दीन के रूप में हुई है। वह वर्तमान में संगम विहार में रहता था। पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह 6.15 बजे नेब सराय पुलिस थाने को संगम विहार में अस्थल मंदिर रोड पर एकता चौक के पास एक घायल व्यक्ति के पड़े होने की पीसीआर कॉल मिली। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला सरपंच व उसके पति का अपहरण

अशोकनगर: मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले से अपहरण का मामला सामने आया है। महिला सरपंच और उसके पति को बदमाशों ने अगवा कर लिया और उसके बदले में पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी है। वारदात तब हुई, जब दोनों घूमने गए थे। सास ने पुलिस को खबर की। जानकारी के अनुसार मामला अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी का है। मामला जिले के चन्देरी तहसील का है। मुंगावली विधानसभा के पिपरई थाना क्षेत्र के पिपरेसरा गांव निवासी कमलाबाई पत्नी चंद्रभान यादव ने मामले की शिकायत चन्देरी थाने में की है। उन्होंने बताया कि उसकी बहू सुनीता आदिवासी पति जयनारायण यादव ग्राम पंचायत कुकरेठा की सरपंच है, जो 30 जनवरी को पंचायत के कार्य से अपने पति के साथ ब्लॉक कार्यालय चन्देरी गई थी। साथ में गांव के रंजीत यादव, श्रीपाल यादव, बिट्टू यादव व कुलदीप यादव भी गए थे। ब्लॉक कार्यालय का काम ख़त्म होने के बाद वे सभी लोग दोपहर 3 बजे चन्देरी में किलाकोठी घूमने के लिए गए थे। जहां से महिला सरपंच व उसके पति का अपहरण हो गया। कमलाबाई ने पुलिस थाने में शिकायत कर कहा कि देर शाम उसके पास गांव का रंजीत यादव आया, जिसने अपहरण की जानकारी दी। जो सरपंच सुनीता आदिवासी और उसके पति जयनारायण यादव को मारपीट कर उठा ले गए।

पश्चिम रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सीनियर डीएमएम/एमएमसीटी ने **लॉट क्र.: 810190124** के लिए प्रतिस्पर्धी बोली आमंत्रित की है जो **06.02.2024 को खुलेगा**। पश्चिम रेलवे के एमएमसीटी डिवीजन ने भायंदर और नायगांव के बीच उत्तरी बेसिन क्रीक पर पुराना पुल क्र. 75 पुराने छोड़े गए ढेरों के स्क्रैप की बिक्री के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) पर नीलामी सूची प्रकाशित की है। अनुमानित हिस्सा. 4428.69 एमटी अनुमानित. एमएस/सीआई-2396.99 एमटी और अनुमानित भराव सामग्री - 2031.70 एमटी ऑनलाइन ई-नीलामी में 06.02.2024 को आयोजित होगी। इस प्रकार के स्क्रैप हैंडलिंग से निपटने वाले संभावित खरीदार कृपया भाग ले सकते हैं और अपनी प्रतिस्पर्धी बोली पेश कर सकते हैं। लॉट को आईआर वेबसाइट **www.irpes.gov.in** और लॉट के स्थान पर देखा जा सकता है। **1102**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बहुचर्चित रणधीर सिंह हत्याकांड, गैंगस्टर समेत दो बरी

अंबाला: हरियाणा के अंबाला के नारायणगढ़ के बहुचर्चित रणधीर सिंह हत्याकांड में आरोपी रहे गैंगस्टर विकास उर्फ विक्की और रजविंद्र उर्फ अन्नू को बुधवार को कोर्ट ने बरी कर दिया। सेशन जज कंचन माही की अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस मामले की सुनवाई करीब साढ़े पांच साल तक चली। इसमें 42 गवाहों को शामिल किया था। यहां तक कि गवाहों की उच्च स्तरीय सुरक्षा भी दी गई थी। आरोपी पक्ष की तरफ से कोर्ट में पैरवी करने वाले अधिवक्ता मान सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस की बड़ी हीलाहवाली देखने को मिली। मामले में कई कमियां थी, जिसके पुलिस के पास जवाब ही नहीं थे। अधिवक्ता मान सिंह ने बताया कि आरोप था कि रणधीर सिंह की हत्या के मामले में विकास उर्फ विक्की के साथ हथियारों का जखीरा पकड़ा था। इसमें पुलिस ने कुछ हथियारों की तो उपयुक्त से सेंक्शन कराई और मधुबन जांच के लिए हथियार भेजे। मगर कार्बाइन जैसे हथियार को जांच को मधुबन नहीं भेजा गया। जबकि यह मुख्य हथियार था। इसके बाद सरकार की तरफ से इस मामले में कोर्ट में अपील की गई कि कार्बाइन और मृतक गोलियों के मिलान के लिए हथियार मधुबन भेजा जाए, मगर यहां कोर्ट ने यह स्वीकार नहीं किया।

नक्सली और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़

जगदलपुर: भैरमगढ़ और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों से टीम दंतेवाड़ा की दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमावर्ती क्षेत्र ग्राम रोतड़

पिंडकापाल बोडगा ताकिलोर क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान नक्सलियों के द्वारा गोलीबारी के साथ ही यूबीजीएल भी दागे। इस दौरान पुलिस टीम नक्सलियों के ऊपर भारी पड़ी। जिसके बाद नक्सली भाग निकले।

बताया जा रहा है कि भैरमगढ़ और इंद्रावती एरिया कमिटी के प्लाटून नं. 16 के कमांडर डीवीसीएम मल्लेश सहित सशस्त्र 25-30 नक्सलियों की बैठक होने की सूचना पुलिस टीम को लगी। सूचना पर डीआरजी बस्तर फाइटर्स तथा सीआरपीएफ़ 230 यंग प्लाटून टीम द्वारा संयुक्त नक्सल गश्त सर्चिंग अभियान चलाया गया।

नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हथियारों से फायरिंग भी की। सुरक्षाबलों के द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना जताई जा रही है। वापसी के दौरान दंतेवाड़ा की टीम ने तीन नक्सल स्मारक सहित नक्सल डेरा ध्वस्त किए।

मनपा ने गारगाई पिंजाल परियोजना शुरू किया

मुंबई: बढ़ती जनसंख्या के बीच सभी को पानी देना मनपा के लिए बड़ी परेशानी है। मनपा ने पानी की समस्या को दूर करने के लिए गारगांई पिंजाल परियोजना शुरू की थी। मुंबई में अभी मनपा 3850 एम एल डी पानी की आपूर्ति करती है जबकि आज की जनसंख्या के अनुसार रोजाना 4500 एम एल डी पानी की जरूरत है। मनपा ने पिछले दिनो समुद्र के पानी को मीठा कर लोगो की प्यास बुझाने पर जोर दिया। लेकिन सरकार बदलने के बाद यह प्रोजेक्ट अधिक खर्चीला होने के कारण प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होने के बावजूद टेंडर नही निकाला जा रहा है। मनपा अब फिर गारगाई प्रोजेक्ट पर जोर देने का कदम उठाया है। मनपा ने गारगाई प्रॉजेक्ट में आने वाले पेड़ो को सर्वेक्षण करने के लिए मुंबई आई आई टी की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है।

भारतीय किसान यूनियन का थाने पर प्रदर्शन

मेरठ: भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) प्रवक्ता राकेश टिकैत के भाई सुरेन्द्र टिकैत के बेटे की बाइक का 20 जनवरी को गंगानगर थाना पुलिस ने आइआइएमटी चौराहा गंगानगर पर चालान कर दिया था। पुलिस ने बाइक भी सीज कर दी थी।

पुलिस ने बाइक पर 27 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके विरोध में भाकियू जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी के नेतृत्व में किसान बुधवार को थाना गंगानगर ट्रैक्टर-ट्राली लेकर पहुंचे तथा थाने में घुसकर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने इंस्पेक्टर के आफिस पर कब्जा कर वहां गद्दे बिछा दिए और धरना शुरू कर दिया। उन्होंने पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ आरपार की लड़ाई का ऐलान किया है। इंस्पेक्टर भाकियू कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। दूसरी ओर किसान लंबे धरने की योजना के तहत हुक्का लेकर जमे हुए है।

मनपा बाजार में प्रोजेक्ट पर खर्च का रहेगा जोर

मुंबई: मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल शुक्रवार को मुंबई की जनता के लिए अपना पिटारा खोलेंगे।मनपा आयुक्त प्रशासक के रूप में लगातार दूसरी बार और मनपा का लगातार चौथा बजट पेस करेंगे। इसके पहले अजोय मेहता लगातार 4 बार बजट पेस किए थे। मनपा आयुक्त रहते हुए अजोय मेहता ने एक नया रिकार्ड कायम किया था उस दौरान पहली बार पिछले साल की अपेक्षा में बजट को कम किया गया था। मनपा आयुक्त चहल शुक्रवार को अपने बजट में लोगो को मूलभूत सुविधा पर अधिक ध्यान देते हुए कुल बजट का लगभग 56 प्रतिशत हिस्सा प्रोजेक्ट पर खर्च करने पर जोर देंगे। मनपा आयुक्त चहल ने पिछले साल भी लगभग 52 प्रतिशत कमाई का हिस्सा प्रोजेक्ट पर दिया था। बता दे कि मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल मुंबई की जनता के लिए नई योजनाएं तो नही लाएंगे लेकिन पानी की समस्या और साफ सफाई पर ध्यान देते हुए मुंबई में कचरे की समस्या से निपटने के साथ साथ लोगो को स्वास्थ्य सुविधा अच्छी मुहैया कराने पर जोर देंगे। इसी तरह मुंबई को गड्ढा मुक्त बनाने के साथ मेट्रो के बिछ रहें जाल से मुंबई में परिवहन की सुविधा दे रही अन्य परियोजनाओं के साथ जोड़ने पर जोर देंगे। मनपा आयुक्त इस साल के बजट में कुल कमाई का 56 प्रतिशत पैसा लोगो को मूलभूत सुविधा के लिए उपलब्ध कराएंगे।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मण्डल

पाईपलाईन का बदलीकरण

CCTV और रुम का प्रावधान

क्रम सं. 1: ई-निविदा सं. 148/2023-24. कार्य का नाम: ग्रुपकार्य : (1) वर्तेज-भावनगरपरा : संक्षारित पानी की पाईपलाईन का बदलीकरण (2) भावनगर : संक्षारित पानी की पाईपलाईन का बदलीकरण। निविदा मूल्य (रु.): ₹ 3,60,59,007.36, ईएमडी (रु.): ₹ 3,30,300.00 क्रम सं. 2: ई-निविदा सं. 149/2023-24. कार्य का नाम: भावनगर मण्डल : VSS परियोजना (राजकोट - मण्डल के PH-15 राजकोट-कानालूस 111.20 कि.मी. IRPSM दोहरीकरण कार्य के सामने) आधिन निगरानी के लिये RPF नियंत्रित स्टेशनों अंतर्गत CCTV रुम का प्रावधान करने का कार्य। निविदा मूल्य (रु.): ₹ 25,95,076.43, ईएमडी (रु.): ₹ 51,900.00, दोनों निविदाओं हेतु: बिड़ींग शुरु होने की तारीख: 02/02/2024, बिड़ींग बंद होने की तारीख: 16/02/2024, एनआईटी रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर दिनांक 25/01/2024 को अपलोड की गई है। BVP-167

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

दिल्ली में कोहरे का कहर, सड़क हादसों में दो की मौत; जीटी-करनाल हाईवे पर चालक को कुचला

नई दिल्ली: बाहरी-उत्तरी जिला में कोहरे के कारण दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवक की जान चली गई। जीटी करनाल हाई-वे पर अलीपुर के पास बुधवार तड़के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक चालक की मौत हो गई।

वहीं, शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

राजधानी में कोहरे का कहर जारी है। बुधवार के तड़के करीब 4:30 बजे जीटी करनाल हाई-वे पर दिल्ली धाम खाटू श्याम मंदिर के सामने एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय संजू के रूप में हुई है। जो परिवार के साथ जहांगीरपुरी में रहता था। मौके पर पहुंची अलीपुर पुलिस ने मृतक का शव जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। इसकी सूचना मृतक के स्वजन को दे दी है।

हादसा कैसे हुई, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है।

शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र स्थित महादेव चौक के पास बुधवार की देर रात ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पातल के शवगृह में रखवा दिया है।

महाराष्ट्र शासन, सार्वजनिक बांधकाम विभाग

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम (उत्तर) विभाग, जलगांव

दूरभाष क्रमांक ०२५७-२२३९४०८ / E-mail : northjalgaon.ee@mahapwd.gov.in

ई-निविदा सुचना क्रमांक - ४९ सन २०२३-२०२४

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम (उत्तर) विभाग, जलगांव के व्दारा महाराष्ट्र शासन की तरफ से सक्षम ठेकेदार अथवा संस्था जो निविदा शर्त पुर्ण करता हो और जिनको **रस्ते बांधकाम** इस तरह सदृश्य बांधकाम करने का अनुभव हो, से ब-१ फार्म में ई-निविदा प्रणालीव्दारा (ऑनलाईन) निविदा आमंत्रित किया जाता है।

उपरोक्त निविदा सुचना मे कुल **५ (पाँच) इमारत व रस्ते बांधकाम** अंतर्भूत है। संपूर्ण निविदा जानकारी एवं ई-निविदा दिनांक **०१/०२/२०२४ से १५/०२/२०२४ शाम १७.०० बजे तक** की कालावधी में http ://mahatenders.gov.in संकेतस्थल पर देखा और डाऊनलोड किया जा सकता है। निविदा संबंधी निविदा पूर्व बैठक **दि.०८/०२/२०२४ दोपहर १२.००** बजे तक मुख्य अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम प्रादेशिक विभाग, नाशिक के कार्यालय मे आयोजित किया गया है। कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम (उत्तर) विभाग, जलगांव के कार्यालय मे सुचना बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(वाय.एस.कोरके)
कार्यकारी अभियंता
सार्वजनिक बांधकाम (उत्तर) विभाग
जलगांव

DGIPR - ROC - 7468

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग: मुख्य अभियंता (यांत्रिकी और विद्युतीय)

ई-निविदा सूचना

निविदा आईडी क्र.	2024_MCGM_993367_1
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	एम/ई वार्ड में नटवर पारेख कंपाउंड, बिल्डिंग नं. 6बी पर स्थापित 1 नं. लिफ्ट (जी+6 मंजिल) का मरम्मत कार्य
निविदा जांच शुल्क की लागत	रु. 1200/- (+ 18.0% जीएसटी)
ई-निविदा की लागत (अनुमानित लागत)	रु. 8,09,894/- (बिना जीएसटी के)
बोली सुरक्षा जमा/ईएमडी	रु. 9,500/- (ईएमडी का 10% महानिविदा पोर्टल के माध्यम से और 90% ईएमडी बीएमसी के सीएफसी केंद्र में डीडी के माध्यम से भुगतान करना होगा)
निविदा बिक्री और जारी की तिथि	01.02.2024 को 11.00 बजे से
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि व समय तथा बोली सुरक्षा जमा की प्राप्ति	07.02.2024 को 12.00 बजे तक
पैकेट ए, बी तथा पैकेट सी (ऑनलाइन) जमा	07.02.2024 को 16.00 बजे तक
पैकेट ए खुलेगी	08.02.2024 को 16.01 बजे के बाद
पैकेट बी खुलेगी	08.02.2024 को 16.02 बजे के बाद
पैकेट सी खुलेगी	12.02.2024 को 15.00 बजे के बाद
संचार के लिए पता	कार्यालय, ई.ई.मेक (ई.आई.) अनु., बीएमसी, मनपा कार्यशाला,आर.एस.निमकर मार्ग, भायखला, मुंबई-400008.
बोली खुलने का स्थान	ई.ई.मेक (ई.आई.) अनु. के कार्यालय पर ऑनलाइन
एनआईसी का पोर्टल	https://mahatenders.gov.in

उक्त निविदा दस्तावेज अहस्तांतरणीय है.

एमसीजीएम के पास कोई कारण न दर्शाते हुए उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी आवेदन को स्वीकार करने व किसी व सभी आवेदनों को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है.

हस्ता/-
(श्री एस.बी.भारती)
ई.ई.मेक (ईआई) अनु.

पीआरओ/2717/एडीवी/2023-24

बुखार होने पर फौरन डॉक्टर से संपर्क करें

30000 रुपये रिश्वत मामला: रंगे हाथों दो अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े गए, मुकदमा दर्ज

पालघर: रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम कार्रवाई कर उनके खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में मुकदमा पंजीकृत कर रही है। इसी कड़ी में पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो ने दो रिश्वतखोर अधिकारी पर कार्रवाई कर उनके धर दबोचा है। जिसमे एक महिला अधिकारी शामिल है।यह कार्रवाई पालघर एसीबी के डीवाईएसपी दयानंद गावडे के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक शिरीष चौधरी,पोह.दीपक सुमडा पोह.अमित चव्हाण,पोह.संजय सुतार,पोह.नवनाथ भगत,पोह.नितीन पागधरे,पोह.योगेश धारणे,पोह. विलास भोये,मपोह.निशिगंधा मांजरेकर व पोशि.जितेंद्र गवले व पोशि.सखाराम दोडे की टीम ने की है। मिली जानकारी के अनुसार, 32 वर्षीय शिकायतकर्ता ने आरोपी लोकसेवक क्रमांक 2 (चैताली किशोर कुटे-तलाठी सजा -कोने वाडा) को आवेदन दिया है कि शिकायतकर्ता के पिता के स्वामित्व वाली भूमि पर मृतक रिश्तेदारों के नाम कम कर उनके उत्तराधिकारियों का नाम दर्ज किया जाए।साथ ही शिकायतकर्ता के चचेरे भाई-बहन की जमीन के सातबारा पर नाम परिवर्तन के लिए तहसीलदार, वाडा के कार्यालय में

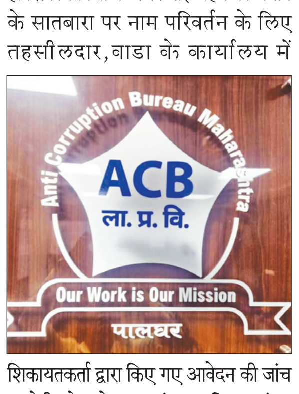

शिकायतकर्ता द्वारा किए गए आवेदन की जांच आरोपी लोकसेवक क्रमांक.1 (किरण श्रीधर राठोड-मंडल अधिकारी-कोने वाडा) के पास है।आरोपी लोकसेवक क्रमांक.1 (किरण) ने उपरोक्त दोनों कार्य करने के लिए स्वयं के लिए 25,000 रुपये तथा आरोपी लोकसेवक क्रमांक.2 (चैताली) के लिए 5000 रुपये की रिश्वत की मांग की,जिसके बाद शिकायतकर्ता ने उक्त रिश्वत की मांग को लेकर पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई। पालघर एसीबी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल कर 30 जनवरी को शाम 4:21 बजे आरोपी लोकसेवक क्रमांक.1 (किरण) को 25000 रुपये व तथा 4:38 बजे आरोपी लोक सेवक क्रमांक.2 (चैताली) को 5000 रुपये रिश्वत लेते दोनो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।दोनों आरोपियों के खिलाफ वाडा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पालघर जिले के सभी नागरिकों से अनुरोध है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी/कर्मचारी या निजी शख्स (एजेंट) उनसे कोई सरकारी काम करने के लिए कानूनी शुल्क के अलावा किसी भी रिश्वत की मांग करता है तो वे तुरंत हमसे संपर्क करें। फोन नं.02525-297297

आधे घंटे में लाखों रुपये आभूषण व नकदी चोरी

नालासोपारा: तुलिंज पुलिस स्टेशन अंतर्गत मोरेगांव क्षेत्र में दिन दहाड़े अज्ञात चोरों ने एक घर से लाखों रुपये आभूषण व नकदी चोरी करने की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। इस संबंध में तुलिंज पुलिस ने अज्ञात चोर के ऊपर कलम 454,380 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विवेचना कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार,वैभवी विजय बागवे (45),निवासी-मालेश्वर नगर,मोरेगांव,नालासोपारा पूर्व में रहती है।बताया गया है कि 29 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे व दोपहर 3:00 बजे के बीच शिकायतकर्ता की बेटी घर में ताला लगाकर जेरॉक्स निकालने चली गई,उपरोक्त समय के बीच शिकायतकर्ता के घर में किसी अज्ञात चोर ने किसी चीज की मदद से रूम के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और वहां घुसकर घर की अलमारी में रखे सोने के आभूषण व नकदी कुलमिलाकर 4,22,000 रुपये लेकर चोर फरार हो गया।महिला शिकायतकर्ता बागवे ने अपनी शिकायत में बताई है अज्ञात चोर ने घर से उपरोक्त (4,22,000 रुपये) में से 42,000 रुपये नकदी शामिल हैं।हालांकि, तुलिंज पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात चोर के ऊपर उपरोक्त कलम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की तहकीकात कर रही है।

79 लोगों द्वारा 32 लाख 58 हजार रुपये की बिजली चोरी का खुलासा

कल्याण/ वसई : जनवरी माह में महावितरण के वाडा उपविभाग में 79 बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। खुलासा हुआ है कि इन बिजली चोरों ने 32 लाख 58 हजार रुपये कीमत की 1 लाख 50 हजार 494 यूनिट बिजली चोरी की है.मुख्य अभियंता धनंजय औंढेकर के मार्गदर्शन में कल्याण सर्कल में बिजली चोरी पकड़ने का अभियान नियमित रूप से चल रहा है। इसके अंतर्गत वाडा उपविभागीय अंतर्गत वाडा शहर,मैंद, आमगांव, गायकवाड़ा, डोंगस्ते, बिलावली, तुसा, कांटी, देवघर, जामधर, उंबरखांड,एकपाड़ा,नेहरोली, खांबाळे, महाप, शिरोशे, बासे, वापे, खुपरी, दीघाशी, जांबिवली,चिंचघर, बिलोशी शामिल हैं व अन्य क्षेत्रों में व्यापक बिजली चोरी पता लगाने का अभियान चलाया गया।इस सर्च ऑपरेशन में 79 लोगों द्वारा 32 लाख 58 हजार रुपये की बिजली चोरी का खुलासा हुआ. बिजली चोरी और निपटान राशि के भुगतान के लिए संबंधितों को नोटिस जारी किए गए हैं और जो लोग निर्धारित अवधि के भीतर इस राशि का भुगतान करने से बचेंगे,उनके खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की जाएगी।वाडा उपमंडल अभियंता अविनाश कटकवार के नेतृत्व में सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं, जनमित्र एवं सुरक्षा गार्डों की टीम ने यह प्रदर्शन किया।

'म्हाडा प्रशासन की ओर से उन्हें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं दे रहे,उनसे अत्यधिक सेवा शुल्क वसूल रहे'

वसई: विरार पश्चिम बोलिंज म्हाडा कॉलोनी के निवासी पिछले कई वर्षों से कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं.ये कई बार म्हाडा के संबंधित अधिकारियों के पास व्यक्तिगत रूप से गए और उनसे अपनी समस्याओं को लिखित रूप में हल करने का अनुरोध किया। लेकिन,समस्या पर अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए म्हाडा कॉलोनी के फ्लैट धारकों ने भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष और नालासोपारा विधानसभा प्रमुख राजन नाइक से मुलाकात कर विस्तृत जानकारी दी।म्हाडा कॉलोनी के फ्लैट धारकों का कहना है कि म्हाडा प्रशासन की ओर से उन्हें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं दे रहा, लेकिन उनसे अत्यधिक सेवा शुल्क वसूल रहा है. इसी तरह 50 फीसदी से ज्यादा फ्लैट खाली होने से रखरखाव का अतिरिक्त बोझ मौजूदा फ्लैट उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।साथ ही, म्हाडा और आसपास के क्षेत्र के निवासियों के लिए आरक्षित भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अतिक्रमण की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके चलते इस आरक्षित भूमि पर म्हाडा और परिसर के रहवासियों के लिए तत्काल विकसित किया जाने की मांग की जा रही है।लेकिन स्थानीय प्रशासन इस बात को नजरअंदाज कर रहा है. रहवासियों की ऐसी अनेक समस्याओं को सुनने के बाद राजन नाइक ने तुरंत गृहनिर्माण मंत्री अतुल सावे से मिलने का समय लिया और 30 जनवरी को म्हाडा के निवासियों की समस्याओं और मांगों को मंत्री के ध्यान में लाया। म्हाडा के रहवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री अतुल सावे ने दृढ़ आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही म्हाडा प्रशासन के साथ एक बैठक करेंगे, यह पूछेंगे कि क्या मुंबई सिडको की तर्ज पर विरार के सिडको कॉलोनी के रहवासियों का सेवा शुल्क माफ किया जा सकता है ? इसी प्रकार निवासियों की अन्य सभी समस्याओं को हल करने के लिए अगले सप्ताह फिर से एक बैठक आयोजित करेंगे। उक्त बैठक में राजन नाइक के साथ म्हाडा समिति के अध्यक्ष प्रदीप पवार,कृष्णा देवाडिगा,शिवाजी कल्याणकर, दिनकर जाधव, सतीश चव्हाण, दत्तात्रेय सावंत, महिला प्रतिनिधि श्रीमती श्वेता सालुंके पाटिल और नमिता देवाडिगा उपस्थित थे।

दुर्घटना में मृत सिद्धि फूटाणे को नेत्रदान:दुःख के बावजूद माता-पिता का सामाजिक परोपकार

वसई- विरार में बस टक्कर में जान गंवाने वाली सिद्धि फूटाणे को मरणोपरांत नेत्रदान किया गया है। उनके माता-पिता ने दुख की घड़ी में भी समय के साथ इस सामाजिक परोपकार का परिचय दिया है। भले ही सिद्धि इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह आंखों के रूप में जीवित रहेगी और नेत्रहीनों की जिंदगी में रोशनी बनेगी।सिद्धि फुटाने(19) विरार के गोपाचपाड़ा में रहती थी।मंगलवार को नरसिम्हा गोविंद वर्तक स्कूल के छात्र भ्रमण पर जा रहे थे।सिद्धि का छोटा भाई ओम इसी स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ता है।सिद्धि उसे छोड़ने स्कूल गयी थी। यात्रा के लिए कुल 11 स्कूल बसें रवाना हुई थीं।सिद्धि ने अपने भाई को बस में बिठाकर विदा किया।लेकिन बस क्रमांक (एमएच 47 एएस 3834) रिवर्स टर्न ले रही थी, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और सिद्धि को कुचल दिया. जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गई उसे विरार के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया,जहाँ वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.लड़की की दुघर्टना में मृत्यु से उसके माता-पिता पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा लेकिन उस स्थिति में भी मां अश्विनी और पिता अनिल फुटाणे ने अपनी लाडली बेटी की आंखें दान करने का फैसला किया। इस कार्य में देह मुक्ति मिशन के पुरुषोत्तम पवार ने सहयोग किया।पोस्टमार्टम, पंचनामा और अन्य कानूनी कार्रवाई में समय निकल रहा था. लेकिन सिद्धि के भाई सचिन और उनके दोस्त साकिब शेख ने हर निर्देश का पालन किया और समय पर प्रक्रिया पूरी की और सिद्धि की दोनों आंखें दान कर दीं।भले ही सिद्धि इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह दो नेत्रहीनों की जिंदगी में रोशनी देकर उनके रूप में दुनिया देखेगी।सिद्धि की स्कूली शिक्षा इसी स्कूल से हुई थी।(वर्तमान में, वह कम्प्यूटेशनल साइंस के अंतिम वर्ष में पढ़ रही थी। उनकी मां एक गृहिणी हैं जबकि उनके पिता मुंबई पुलिस के शस्त्र विभाग में हेड कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं। हालाँकि, विरार पुलिस द्वारा घटना की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस ने चालक के ऊपर धारा 304 (ए), 297, 337, 338 एवं मोटर यातायात अधिनियम की धारा 184 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

चीनी जासूस होने के संदेह में पकड़ा गया था कबूतर, अब आठ महीने बाद इस जेल से मिली रिहाई

मुंबई: चीनियों द्वारा जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संदिग्ध कबूतर को आठ माह बाद रिहा कर दिया गया। उसे पकड़े जाने के बाद एक पशु अस्पताल में हिरासत में रखा गया था। आरसीएफ पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि परेल इलाके में बाई सकरबाई दिनशा पेटिट हॉस्पिटल फॉर एनिमल्स ने मंगलवार को पुलिस

से पक्षी को छोड़ने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद मंगलवार को उसे मुक्त कर दिया गया। कबूतर को पिछले साल मई में आरसीएफ पुलिस ने उपनगरीय चेंबूर के पीर पाउ जेट्टी में पकड़ा था। पुलिस ने कहा कि पक्षी के पैर में दो छल्ले बंधे थे। उसके दोनों पंखों के नीचे चीनी भाषा में कुछ संदेश लिखे हुए थे। उन्होंने कहा कि आरसीएफ पुलिस ने उस समय मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच पूरी होने के बाद जासूसी का आरोप हटा दिया गया।

मध्य रेल के मुंबई मंडल टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक करोड़ रूपए आय का आंकड़ा किया पार

मुंबई: मध्य रेल के मुंबई मंडल में यात्रा टिकट निरीक्षक के रूप में कार्यरत श्री मोहम्मद शम्स चंद ने अनियमित और बिना टिकट के 10,686 मामलों से जुर्माने के माध्यम से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1 करोड़ रुपये का चौंका देने वाला राजस्व अर्जित करके एक नया मानदंड स्थापित कर यात्री मंडल की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। श्री मोहम्मद शम्स चंद ने इससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में 1.25 करोड़ रुपये कमाकर भी यही उपलब्धि हासिल की थी। इसी के साथ, वह 10,428 मामलों से 1,00,02,830/- रुपये की कमाई के साथ श्री सुनील नैनानी मुख्य टिकट निरीक्षक एवं 11,367 मामलों से 1,01,32,870/- रु. की कमाई के साथ श्री एम एम शिंदे, मुख्य टिकट निरीक्षक मुंबई मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ के चुनिंदा समूह में शामिल हो गए हैं। ऐसी उपलब्धियों के साथ, इन समर्पित टिकट जाँच कर्मियों ने दूसरों के अनुसरण के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है। राजस्व सृजन सुनिश्चित करने में मुंबई मंडल के इन टिकट चेकिंग स्टाफ का अथक समर्पण सराहना का पात्र है। इन मेहनती व्यक्तियों का सामूहिक प्रयास टिकट चेकिंग बिरादरी की प्रतिबद्धता और दक्षता को दर्शाता है। सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करना तथा बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए मध्य रेल नियमित रूप से अपने सभी मंडलों

के स्टेशनों और उपनगरीय, मेल एक्सप्रेस, यात्री और विशेष ट्रेनों में गहन टिकट जाँच करता है। मध्य रेल यात्रियों से असुविधा से बचने और सम्मानपूर्वक यात्रा करने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करने की अपील करता है।

नलों की जियो-टैगिंग की जाएगी ताकि अनाधिकृत नल न लगें

नए विकसित इलाकों में चरणबद्ध तरीके से पानी सप्लाई करने की योजना बना रही मनपा

वसई: वसई विरार शहर महानगरपालिका ने आवासीय परिसरों,चालियों और सोसायटी-प्रतिष्ठानों में नए नल कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है,जिन लोगों ने पैसे दिए हैं और मनपा का टैक्स चुकाया है,मनपा ने ऐसे प्रतीक्षा सूची वाले निवासियों को प्राथमिकता के आधार पर नल कनेक्शन देना शुरू कर दिया है।नलों की जियो-टैगिंग की जाएगी ताकि अनाधिकृत नल न लगें और नलों का दुरुपयोग न हो।यह जानकारी मनपा आयुक्त अनिल कुमार पवार ने दी है।वसई विधानसभा चुनाव प्रमुख मनोज पाटिल ने 24 जनवरी को मनपा आयुक्त को लिखित पत्र दिया था कि बढ़ती आबादी को देखते हुए जल्द से जल्द नए नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं.इस पत्र के मुताबिक कमिश्नर ने यह जानकारी मनोज पाटिल को दी है.विशेषकर वे जो नए नल कनेक्शन की मांग करते है।हालांकि, जिन निवासियों ने पैसा नहीं चुकाया है,उन्हें नल कनेक्शन देने के संबंध में अगले दो दिनों में निर्णय लिया जाएगा।मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की सूर्या 403 मिलियन लीटर योजना ने मनपा को परीक्षण के रूप में पानी उपलब्ध कराया है।तदनुसारजल आपूर्ति विभाग ने शहरी जल आपूर्ति योजना में नवनिर्मित जल चैनलों के जल दबाव परीक्षण और पानी की टंकियों के जल दबाव परीक्षण का आयोजन किया था।वसई विधानसभा चुनाव प्रमुख मनोज पाटिल ने अगस्त माह में इस जलापूर्ति योजना की समीक्षा की थी.वर्तमान में जलदाय विभाग के माध्यम से नागरिकों को जलापूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। इसके अलावा नगर पालिका कुछ नए विकसित इलाकों में चरणबद्ध तरीके से पानी सप्लाई करने की योजना बना रही है.वर्तमान में नागरिकों को विद्यमान नलों से सुचारू एवं पर्याप्त दबाव से जल प्रदाय

किया जा रहा है। इसलिए मनपा को लंबित नल कनेक्शन की शीघ्र स्वीकृति देनी चाहिए,ऐसी मांग मनोज पाटिल ने की थी. मनपा आयुक्त ने उनकी मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है.आयुक्त ने मनोज पाटिल को आश्वस्त किया है कि नये नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. वसई-विरार शहर मनपा की स्थापना 3 जुलाई 2009 को वसई-विरार उप क्षेत्र के चार नगर परिषदों और 55 गांवों को शामिल करके की गई थी।उस समय मनपा क्षेत्र की जनसंख्या 11.23 थी.2011 के बाद शहरीकरण और जनसंख्या की गति तेजी से बढ़ी है।वर्तमान में मनपा की आबादी करीब 24 लाख है।इस आबादी के लिए आवश्यक पानी की मांग 372 मिलियन लीटर है।मनपा को सभी स्रोतों से 230 मिलियन लीटर पानी उपलब्ध हुआ,11 सितंबर 2023 से पहले नगर निगम 142 मिलियन लीटर पानी की कमी से जूझ रहा था. मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की सूर्या 403 मिलियन लीटर योजना से मनपा को 185 मिलियन लीटर पानी मिलेगा।इसलिए वसई-विरारकर की प्यास बुझेगी। वर्तमान में मनपा क्षेत्र में आवासीय, वाणिज्यिक और अन्य जैसे 59,693 पाइप कनेक्शन हैं।हमारी आज की मांग के बाद लम्बित 12,199 नल कनेक्शन भी शीघ्र उपलब्ध कराये जायेंगे,भाजपा वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटिल ने यह विश्वास व्यक्त किया है.

'आपला दवाखाना' का लक्ष्य पूरा होने वाला है: आरोग्यवर्धिनी केंद्र के लिए जगह की तलाश जारी

वसई: राज्य सरकार द्वारा वसई विरार महानगरपालिका को 65 'आरोग्यवर्धिनी केंद्र' और 15 'आपला दवाखाना' सहित कुल 80 स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नगर पालिका पुरजोर प्रयास कर रही है।बुधवार को नगर पालिका ने 1 आरोग्यवर्धिनी केंद्र और 2 'आपला दवाखाना' का उद्घाटन किया, कुल 15 'आपला दवाखाना' अगले महीने शुरू की जाएंगी।जबकि हेल्थ प्रमोशन के लिए 30 जगह तय की गई हैं और बाकी जगहों की तलाश जारी है. राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 477 आरोग्यवर्धिनी केंद्र और 141 बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना करने का लक्ष्य रखा है।जिसमें से वसई विरार मनपा को 65 आरोग्य वर्धिनी केंद्र और 15 बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना, कुल 80 स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है।नगर पालिका का उद्देश्य कम समय में इन स्वास्थ्य केंद्रों को स्थापित करना था।इसके लिए जगह ढूंढना, केंद्र स्थापित करना, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती जैसे विभिन्न स्तरों पर नगर पालिका के प्रयास शुरू हो गए हैं।नगर पालिका अब तक 6 'आरोग्यवर्धिनी केंद्र' और 5 'आपला दवाखाना' शुरू कर चुकी है. बुधवार को विरार के मनवेल पाड़ा और कुंभारपाड़ा में एक आपला दवाखाना व नालासोपारा के मजीठिया पार्क में एक आरोग्यवर्धिनी केंद्र का उद्घाटन किया गया।इन स्वास्थ्य केंद्रों का उद्घाटन मनपा आयुक्त अनिल कुमार पवार और विधायक क्षितिज ठाकुर ने किया.इस स्वास्थ्य केंद्र में नागरिकों को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।फिलहाल इस केंद्र में नगर पालिका के प्रतिष्ठान के स्वास्थ्य कर्मी और डॉक्टर कार्यरत हैं.प्रत्येक केन्द्र पर 5 स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता है। इसके लिए 80 केंद्रों के लिए कुल 400 स्वास्थ्य

कर्मियों की भर्ती की जाएगी,जानकारी मनपा आयुक्त अनिल कुमार पवार ने दी।वसई विरार मनपा को कुल 15 आपला दवाखाना शुरू करने का लक्ष्य दिया गया था।उनमें से हमारे 5 क्लीनिक शुरू हो चुके हैं. शेष 10 आपला दवाखाना शुरू करने के लिए तैयार हैं।नगर पालिका के सामुदायिक मंदिर के परिसर का नवीनीकरण किया गया है। वहां कुछ सेंटर शुरू किए जाएंगे और कुछ जगहों पर कंटेनर्स में आपला दवाखाना शुरू किया जाएगा.65 आरोग्यवर्धिनी केन्द्रों में से 6 आरोग्यवर्धिनी केन्द्र चल रहे हैं।शेष आरोग्यवर्धिनी केंद्रों में से 30 केंद्रों के लिए जगह निर्धारित कर दी गई हैं और शेष 29 आरोग्यवर्धिनी केंद्रों के लिए जगहों की तलाश जारी है।कमिश्नर अनिल कुमार पवार ने कहा.

पेज-1 का शेष...

मराठा आरक्षण को लेकर...

शनिवार को अपना अनिश्चितकालीन उपवास खत्म कर दिया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की थी कि जबतक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तबतक उन्हें ओबीसी को प्राप्त सभी लाभ मिलेंगे।

राम मंदिर के खिलाफ...

जिसके वायरल होने के बाद यह आरडब्लूए के संज्ञान में आया।दरअसल, सुरन्या अय्यर ने 20 जनवरी को एक वीडियो संदेश के जरिए घोषणा की थी कि वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह के विरोध में तीन दिन तक भूख हड़ताल करेंगी। उन्होंने दलील दी थी कि देश के मुसलमानों के दुख जाहिर करने और मुगल सल्तनत के प्रति अपना प्यार भी जाहिर करने के लिए उन्होंने उपवास का फैसला किया। 27 मिनट के वीडियो में वह विस्तार से कई वजहें गिनाती हैं और कहती हैं कि वह हिंदू-मुस्लिम की मिश्रित संस्कृति को पसंद करती हैं। सुरन्या वीडियो में कहती हैं, '22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम के चलते दिल्ली का माहौल हिंदू अहंकार से भर गया है। एक भारतीय और हिंदू होने के नाते में बहुत दुखी हूं। इस बारे में बहुत सोचने के बाद कि मैं क्या कर सकती हूं, मैंने तीन दिन के उपवास का फैसला किया है। मैं सबसे पहले भारत के अपने मुस्लिम नागरिकों के प्रति प्यार और दुख व्यक्त करने के लिए यह कर रही हूं। आज देश में जो रहा है मैं अपने मुस्लिम भाइयों और बहनों को यह कहे बिना नहीं रह सकती कि मैं आपसे कितना प्यार करती हूं। अयोध्या में हिंदू धर्म और राष्ट्रवाद के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है मैं उसकी निंदा करती हूं। यह उपवास मैंने मुगल सल्तनत के प्रति अपना प्यार व्यक्त करने के लिए भी किया है।'

'मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट...

दिया है। डी. सेथिंल की याचिका पर कोर्ट सुनवाई कर रही थी। कोर्ट की मदुरै पीठ की न्यायमूर्ति एस श्रीमति इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, मंदिर में मौजूद बोर्ड में लिखा हो कि मंदिर में 'कोडिमारम' (ध्वजस्तंभ) क्षेत्र से आगे जाने की इजाजत नहीं है। अदालत ने आगे कहा, हिंदुओं को भी अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। अन्य धर्मों से संबंधित लोगों को अपने धर्म को मानने और उसका पालन करने का अधिकार है। लेकिन उनके संबंधित धर्म के रीति-रिवाजों और प्रथाओं में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है और किसी भी हस्तक्षेप को कम किया जाना चाहिए। मंदिर को पिकनिक स्पॉट ना समझा जाए। मंदिर में सिर्फ पूजा-अर्चना हो। बता दें कि याचिकाकर्ता सेंथिल कुमार ने प्रतिवादियों को अरुल्मिगु पलानी धनदायुतपानी स्वामी मंदिर और उसके उप मंदिरों में सिर्फ हिंदुओं को जाने की अनुमति का निर्देश देना का अनुरोध किया है।अदालत ने आगे उत्तरदाताओं को निर्देश दिया कि मंदिर में उन गैर-हिंदुओं को मंदिर में प्रवेश की इजाजत न दें जो, हिंदू धर्म में विश्वास नहीं रखते हैं। अगर कोई गैर-हिंदू मंदिर में विशेष भगवान के दर्शन का दावा करता है, तो उत्तरदाताओं को उस शख्स से वचन लेना होगा कि उसका दर्शन करने वाले भगवान में विश्वास है और वह हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों, मंदिर के रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन करेगा, यह वचन लेने के बाद ही उस गैर-हिंदू को मंदिर में जाने की अनुमति दी जा सकती है।वहीं, कोर्ट ने कहा कि जब भी ऐसे व्यक्ति को अनुमति दी जाए तो उसकी डिटेल मंदिर के रजिस्टर में दर्ज की जाए।

टीपू सुल्तान की मूर्ति ...

मैसूरु हवाई अड्डे का नाम बदलने के कांग्रेस विधायक प्रसाद अब्बय्या के प्रस्ताव की कर्नाटक विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने तीखी आलोचना की थी। हुबली-धारवाड़ (पूर्व) विधायक का प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा हवाई अड्डों के नाम बदलने के लिए केंद्र को पत्र लिखने पर चर्चा के दौरान आया। सत्र के दौरान अब्बय्या ने कहा मैं मैसूरु हवाईअड्डे का नाम बदलकर टीपू सुल्तान हवाईअड्डा करने का प्रस्ताव करता हूं। इससे बीजेपी और बीजेपी विधायकों में हंगामा मच गया। 18वीं सदी के शासक कई वर्षों से कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध के केंद्र में रहे हैं। मुस्लिम शासक को लेकर विवाद पहली बार 2016 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 10 नवंबर को उनके जन्मदिन को 'टीपू जयंती' के रूप में मनाना शुरू किया। हालाँकि, भाजपा ने इस कदम का विरोध किया और 2019 में राज्य में सत्ता में आने के बाद इसे रद्द कर दिया गया।

'भ्रूण में कोई असामान्यता...

की ओर से पेश वकील अमित मिश्रा ने कहा कि अगर वह बच्चे को जन्म देगी तो यह उसकी इच्छा के खिलाफ होगा और उसे जीवन भर यह सदमा झेलना होगा। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस प्रसन्ना भालचंद्र वरले की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के 23 जनवरी के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। दरअसल, 4 जनवरी के अपने पहले फैसले में कोर्ट ने महिला को 29 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने की अनुमति दी थी।पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'यह 32 सप्ताह का भ्रूण है। इसे कैसे समाप्त किया जा सकता है? मेडिकल बोर्ड ने भी कहा है कि इसे समाप्त नहीं किया जा सकता है। यह दो सप्ताह का मामला है, फिर आप चाहें तो इसे गोद लेने के लिए दे सकते हैं।' पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने प्रत्येक बिंदु पर विचार किया है, जिसमें मेडिकल बोर्ड की राय भी शामिल है। न्यायाधीश त्रिवेदी ने कहा, मेडिकल बोर्ड ने राय दी है कि इसमें कोई असामान्यता नहीं है और यह एक सामान्य भ्रूण है। इसमें यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ता के लिए भी कोई खतरा नहीं है, अगर वह गर्भावस्था जारी रखती है।

हेमंत सोरेन ने ईडी अधिकारियों के...

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से यहां उनके आवास पर एक पखवाड़े से भी कम समय में दूसरी बार पूछताछ शुरू की. 48 वर्षीय सोरेन, जो सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं, से पहले 20 जनवरी को मामले के संबंध में पूछताछ की गई थी. अधिकारी ने कहा, हालांकि, उस दिन पूछताछ अधूरी रही थी. उनसे सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी. ईडी के अधिकारियों ने कहा कि सोरेन से झारखंड में 'माफिया द्वारा भूमि के स्वामित्व को अवैध रूप से बदलने के एक बड़े रैकेट' की जांच के तहत पूछताछ की जा रही है. सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के विधायक सीएम के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए सोरेन के आवास पर एकत्र हुए. स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता बन्ना गुप्ता ने कहा कि सोरेन जांच में सहयोग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसी जांच को 'ठीक से' करना संवैधानिक संस्थानों का कर्तव्य है. इस बीच, सोरेन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के विरोध में झामुमो समर्थकों को पास के मोरहाबादी मैदान और कुछ अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करते देखा गया.आंदोलनकारियों में से एक ने कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री को केंद्र के निर्देश पर ईडी द्वारा जानबूझकर परेशान किया जा रहा हैष्ठ हम पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी का सहारा लेंगे.'

मराठा आरक्षण अध्यादेश...

को कुनबी प्रमाणपत्र देने को लेकर पिछले हफ्ते जारी महाराष्ट्र सरकार के जीआर ड्राफ्ट को ओबीसी संगठन ने कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने फैसला संविधान के खिलाफ जाकर लिया है। मनोज जरांगे के मुंबई आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने मराठा समुदाय के रिश्तेदारों को भी आरक्षण देने के लिए कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने का फैसला किया था। राज्य सरकार के इस निर्णय पर ओबीसी संगठन आक्रामक हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों से इस संबंध में लगातार ओबीसी संगठन की बैठकें हो रही हैं। अब ओबीसी वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से वकील मंगेश ससाने ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।राज्य सरकार ने मराठाओं के परिजनों को कुनबी प्रमाणपत्र देने का निर्णय लिया है, यह संविधान के विरुद्ध है। इसलिए मराठा आरक्षण को लेकर शिंदे सरकार के रुख को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जल्द ही इस याचिका पर सुनवाई होने की उम्मीद है। इसलिए आने वाले समय में ओबीसी बनाम मराठा की कानूनी लड़ाई देखने को मिलने वाली है।

बच्चे के निजी अंग को...

पर दुष्कर्म करने वाले वे लोग होते हैं जो बच्चे को अच्छी तरह से जानते हैं और संभवतः उसी घर में रहते हैं। आरोपी रिश्तेदार के खिलाफ 2016 और 2017 के बीच दो नाबालिग बहनों से बलात्कार, छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के आरोप में 2021 में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी रिश्तेदार ने एक विशेष अदालत द्वारा जमानत नहीं दिए जाने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। स्पेशल कोर्ट ने 2022 में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 9 और 13 साल की पीड़ित लड़कियों की मां की शिकायत में कहा गया है कि आरोपी उसकी मौसी का पति है। आरोपी ने कथित तौर पर बच्चियों को नशीला पदार्थ भी खिलाया था और उन्हें अश्लील वीडियो दिखाकर घुनौना काम किया। आरोपी ने उनके नग्न वीडियो भी रिकॉर्ड किए थे। पिछले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए जस्टिस चव्हाण ने अपने फैसले में कहा कि यौन इरादे से पीड़ित के निजी अंग को प्राइवेट पार्ट से छूना भी पॉक्सो एक्ट के तहत प्रवेशक (पेनेट्रेटिव) यौन उत्पीड़न करने का अपराध है। पेनेट्रेटिव यौन हमले के मामले में यह जरूरी नहीं है कि पीड़िता के निजी अंगों में कोई चोट हो। पीड़ित के निजी अंग पर प्राइवेट पार्ट का स्पर्श मात्र अपराध माना जाता है। आरोपी के वकील का दावा है कि संपत्ति विवाद को लेकर यह झूठा मामला दर्ज कराया गया है। लड़कियों के साथ पेनेट्रेटिव यौन उत्पीड़न हुआ है, इसका कोई मेडिकल साक्ष्य नहीं है। आरोपी 2 सितंबर 2021 से जेल में बंद है।

ओबीसी कोटे में बैकडोर एंट्री...

आरोप लगाया है। भुजबल, अजीत पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट से हैं। उस मसौदा अधिसूचना पर सरकार की आलोचना कर रहे हैं जो कुनबी जाति प्रमाण वाले मराठा व्यक्ति के 'रक्त संबंधियों' को कुनबी (ओबीसी जाति) प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पात्र बनाती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'जो कुछ भी हो रहा है (मराठा कोटा के नाम पर) भीड़तंत्र के सामने आत्मसमर्पण के अलावा कुछ नहीं है। ओबीसी और वीजेएनटी (विमुक्त जाति और खानाबदोश जनजातियों) के अधिकारों का अतिक्रमण करने के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश करने के लिए लाखों हलफनामे प्रस्तुत किए जा रहे हैं। गांवों में माहौल उन्मादी माहौल है।' उन्होंने कहा, 'तीन विकल्प हैं, ओबीसी या तो अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं (मराठा कोटा पर मसौदा अधिसूचना के खिलाफ), लोगों के बीच जागरूकता पैदा कर सकते हैं, या लोकतांत्रिक मंचों के माध्यम से उनके साथ हो रहे अन्याय को उजागर कर सकते हैं।' भुजबल ने कटाक्ष करते हुए जरांगे को 'सबसे ज्ञानी व्यक्ति करार दिया जो करोड़ों और लाखों के बीच का अंतर नहीं जानता।' भुजबल ने कहा, 'जरांगे ने कहा था कि वह (विरोध प्रदर्शन के लिए) 3 करोड़ मराठों को मुंबई लाएंगे। हम सभी ने देखा है कि वास्तव में कितने मराठा नवी मुंबई (26 जनवरी को) आए थे।'

उन्होंने कुछ हलकों द्वारा उनके इस्तीफे की मांग पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मराठा कोटा मुद्दे पर विशेषज्ञों का कहना है कि समुदाय को अलग आरक्षण दिया जाना चाहिए। हम भी यही बात कहते हैं।' इधर, जैसे ही भुजबल ने मसौदा अधिसूचना के खिलाफ अपना हमला तेज किया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगी की चिंताओं को दूर करेंगे। एक अन्य डिप्टी सीएम अजित पवार ने भी कहा कि वह भुजबल से बात करेंगे। भुजबल ने घोषणा की थी कि मराठा कोटा के संबंध में सरकार के फैसले के खिलाफ 1 फरवरी को विधायकों, सांसदों और तहसीलदारों के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

अब आ गया है एक्साइटेल...

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। आइए आपको बताते हैं इनके बारे में:

बता दें कि एक्साइटेल के इस 734 रुपये प्रति महीना वाले प्लान में मिलने वाले बेनेफिट्स की बात करें तो इस प्लान में Disney+Hotstar, Sony Liv, Zee5 ALT Balaji, Sun Nxt, Aha TV, जैसे 21 OTTs ऐप्स का सब्सक्रिप्शन फ्री मिलता है। इसके अलावा,प्लान में 37 प्रीमियम केबल टीवी चैनल्स की सुविधा मिलती है। इसमें StarPlus, Sony TV, Colors, Discovery, MTV और Cartoon Network आदि शामिल है। इसके साथ ही प्लान में आपको 400mbps की स्पीड के साथ हाई स्पीड डेटा मिलेगा।

एक्साइटेल के इस प्लान में Disney+Hotstar, Sony Liv, Zee5 ALT Balaji, Sun Nxt, Aha TV जैसे 21 OTTs ऐप्स का सब्सक्रिप्शन फ्री मिलता है। प्लान में 300mbps की स्पीड के साथ हाई स्पीड इंटरनेट मिलता है।

इस प्लान में StarPlus, Sony TV, Colors, Discovery, MTV और Cartoon Networ जैसे 37 प्रीमियम केबल टीवी चैनल्स का एक्सेस मिलता है। इसमें 300 से ज्यादा FTA चैनल्स शामिल हैं। इस प्लान में 300mbps की इंटरनेट स्पीड मिलती है।

सुकेश के सच से अनजान...

उच्च न्यायालय के सामने ईडी ने दलील दी है. साथ ही, इस मामले की आगे की सुनवाई के लिए 15 अप्रैल 2024 की तारीफ तय की है. उच्च न्यायालय के सामने दिल्ली हाई कोर्ट ने दलील देते हुए कहा है कि जैकलीन फर्नांडीज लगातार जानबूझकर कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के अपराध वाले पैसों को स्वीकार कर रही थीं. साथ ही, जैकलीन सुकेश के सभी काले कारनामों में भी शामिल थीं. ईडी ने ये तर्क जैकलीन की याचिका के जवाब में दायर एक हलफनामे में दिया था. बता दें जैकलीन की ओर से याचिका में कथित तौर पर सुकेश के खिलाफ प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गई थी.

ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट को ये भी बताया कि जैकलीन को इस बात की पूरी जानकारी थी कि सुकेश एक क्रिमिनल है और लीना उसकी पत्नी है. इसके बावजूद फरवरी 2021 में एक्ट्रेस ने उसके साथ अपने रिश्ते बरकरार रखे. यही नहीं, ये सब जानने के बाद भी जैकलीन ने सुकेश से फाइनेंशियल तौर पर फायदा उठाया. हालांकि, इसमें कोई बात नहीं है लेकिन ये क्राइम को बढ़ावा देता है. साथ ही, ईडी ने दावा किया कि जैकलीन ने कभी भी सुकेश चंद्रशेखर के साथ पैसों के लेनदेन के बारे में सच्चाई का खुलासा नहीं किया. उन्होंने अपने खिलाफ सबूत मिलने तक हमेशा तथ्यों को छुपाए रखा. इसके अलावा ईडी ने कोर्ट को बताया कि जैकलीन ने बार बार अपने बयानों को बदला है और मिसलीड करने की कोशिश की है. ईडी के साथ पूछताछ में वो कई बार विरोधात्मक बयान दिए जिसके बाद उनपर शक गहराता गया. शुरुआती पूछताछ में एक्ट्रेस ने आरोपी सुकेश का असली नाम जानने से इनकार कर दिया था. लेकिन, सबूतों के सामने आने बाद उन्होंने स्वीकार किया कि वो उसे जानती थीं. जैकलीन फर्नांडीज ने दावा किया कि उन्होंने जांच के दौरान सब कुछ बता दिया था. इसके बाद भी आखिरी बयान दर्ज होने तक वो सुकेश द्वारा श्रीलंका में उनके लिए खरीदी संपत्ति जैसे नए खुलासे करती रहीं. जैकलीन संपत्तियों की खरीद से इनकार भी करती रहीं.

ईडी ने खुलासा करते हुए कोर्ट को बताया कि जैकलीन ने सुकेश से 5 करोड़ 71 लाख 11 हजार 942 रुपए के गिफ्ट्स लिए हैं. इसकी गवाह सुकेश की सहयोगी पिंकी ईरानी और फैशन डिजाइनर लिपाक्षी एलावादी हैं. जैकलीन को पिंकी ईरानी से 2 करोड़ 66 लाख 77 हजार 401 रुपए और लीपाक्षी के माध्यम से 3,04,34,541 करोड़ मिले. इस बात के भी पूरे सबूत हैं कि जैकलीन ने भी चन्द्रशेखर से अपनी बहन गेराल्डिन जे वॉकर के विदेशी बैंक खाते में 1,72, 913 अमेरिकी डॉलर ट्रांस्फर करने की रिक्वेस्ट की थी. साथ ही, अपने भाई वारेन जे फर्नांडिस के विदेशी बैंक खाते में 26, 740 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को ट्रांस्फर करवाया था.

राजनेताओं को मोटी चमड़ी वाला...

पत्रों और साक्षात्कारों के संबंध में हम जजों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। अगर हम उनकी बात सुनने लगेंगे, तो काम ही नहीं कर पाएंगे।' गर्ग चटर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता आशुतोष दुबे ने पीठ को बताया कि उन्होंने 2020 में ट्विटर (अब एक्स) पर कुछ टिप्पणियां की थीं। उनके विरुद्ध असम और बंगाल में कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं, जिन्हें आगे की जांच के लिए एक साथ जोड़कर किसी तटस्थ राज्य में स्थानांतरित करने की जरूरत है। असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने चटर्जी की गिरफ्तारी का आदेश दिया था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।उन्होंने कहा, '19 अगस्त 2020 को याचिकाकर्ता ने असम के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी मांगी थी।' पीठ ने उनसे पूछा कि उन्हें जमानत दी गई या नहीं। अग्रवाल ने कहा कि जमानत दे दी गई और उन्हें नौ सितंबर 2022 को इस अदालत द्वारा बंगाल और असम में दर्ज प्राथमिकियों के संबंध में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की गई। इसके बाद पीठ ने मामले को गैर-विविध दिन पर अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और दलीलें पूरी करने को कहा।

शादीशुदा महिला को कैब...

ने हिना के माता-पिता पर भी हमला किया जो अपनी बेटी को बचाने आए थे।घायलों का इलाज महाराष्ट्र के मिराज के एक अस्पताल में चल रहा है. हमले के बाद आरोपी फरार हो गया और पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा देश: अश्विनी वैष्णव

मुंबई: अश्विनी वैष्णव ने कहा कि उद्योग और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं में निश्चितता और स्पष्टता की बहुत आवश्यकता है। यह सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाता है । मैं मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में इस कदम के लिए माननीय प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं।' मोबाइल फोन के निर्माण में उपयोग के लिए वस्तुओं पर लागू अवशिष्ट श्रेणी/अन्य पर लगने वाले सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। मोबाइल फोन के निर्माण में उपयोग की जाने वाली कई वस्तुएं जिन्हें पहले 'अन्य' माना जाता था और उन पर 15प्रतिशत शुल्क लगता था, अब 10 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। माल के निर्माण में उपयोग के लिए इनपुट या भागों पर सीमा शुल्क इन अधिसूचनाओं में विशेष रूप से सूचीबद्ध को घटाकर शून्य कर दिया गया है. केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना के जरिए कस्टम ड्यूटी में 3 श्रेणियों में बदलाव किए हैं। मोबाइल फोन के निर्माण में उपयोग के लिए वस्तुओं पर लागू अवशिष्ट श्रेणी/अन्य पर लगने वाले सीमा शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर 10प्रतिशत कर दिया गया है। मोबाइल फोन के निर्माण में उपयोग की जाने वाली कई वस्तुएं जिन्हें पहले 'अन्य' माना जाता था और उन पर 15प्रतिशत शुल्क लगता था, अब 10 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। उदाहरणः बैटरी कवर, फ्रंट कवर, मध्य कवर, मुख्य लेंस, पिछला कवर, जीएसएम एंटीना, पीयू केस, सीलिंग गैस्केट, सिम सॉकेट, स्क्रू, प्लास्टिक और धातु के अन्य यांत्रिक आइटम।

Readers are recommended to make appropriate enquiries before sending money, incurring any expenses or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. J. V. Publication does not vouch for any claims made by the Advertisers of products and services. The Printer, Publisher & Editor of J. V. Publication Shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honored by the Advertisers.

J.V.PUBLICATION

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना सम्पूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णत प्रतिबंधित। **'खबरें आज तक'** अनिमंत्रित प्रकाशन सामग्री को लौटाने की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।सभी विवादों का निबटारा मुंबई की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरमों में ही किया जायेगा। **मुद्रक-प्रकाशक, मालिक जीतेंद्र वी. जैन** द्वारा उनकी ओर से प्रकाशित किया गया एवं एस.आर.पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कंपाउंड गोदाम नं. 8/9/10 निकट घरटनपाडा, वैशाली नगर (बेस्ट बस का लास्ट स्टाप), मुंबई-400068 से मुद्रित किया गया तथा जे.वी.पब्लिकेशन, 41, विश्राम भवन, डॉ. एम.बी.वेलकर स्ट्रीट, ग्राउंड फ्लोर, चीरा बाजार, मुंबई-400002 (फोन नं. 022-49764717/ 022-40041623) से प्रकाशित किया गया. **संपादक:- जीतेंद्र वी.जैन, आर. एन. आई. नं. 69232/98.**

✦पीआरबी अधिनियम के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी

Email:khabre_aajtak@yahoo.co.in

पहेलियाँ

रूप है काला खून बैगनी
ऐसी मेरी फितरत है
मेरी चमड़ी लोगों को भाए
ऐसी मेरी किस्मत है
बारिश में मैं आती हूं
मुंह का स्वाद बढ़ाती हूं

•••••••

खट्टा मगर रसीला हूं
ऊपर से हरा या पीला हूं
मेरी खोपड़ी काट के पकड़ो
हाथों में मुझको तुम जकड़ो
लगा दूं रस की धार

•••••••

मेरे नाम के दो हैं मतलब
दोनों के हैं अर्थ निराले
एक अर्थ में सब्जी हूं मैं
एक अर्थ में पालने वाले
सोच रहे क्या, क्यों हो मौन
बतलाओ कि मैं हूं कौन

•••••••

लगे मात्रा तो हूं खाक
हटे मात्रा तो पक्षी सुरीला
काला मेरा रूप कुरूप
करे क्या काला मुझको धूप
नाम बताओ हो ना चूक

उत्तर - जामुन, आम, कमल, कौआ

रंग भरो

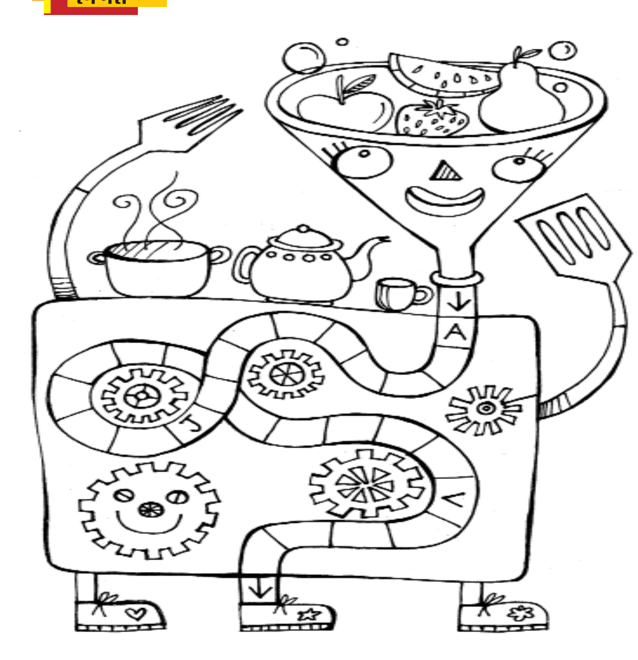

रास्ता खोजो

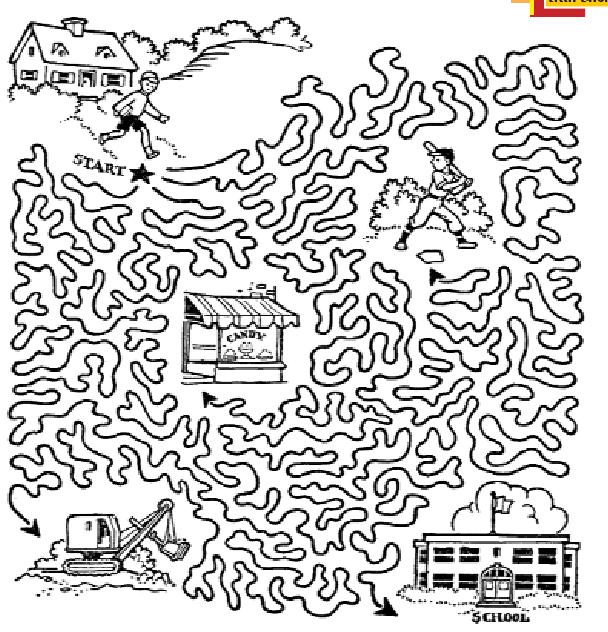

बिंदु मिलाओ

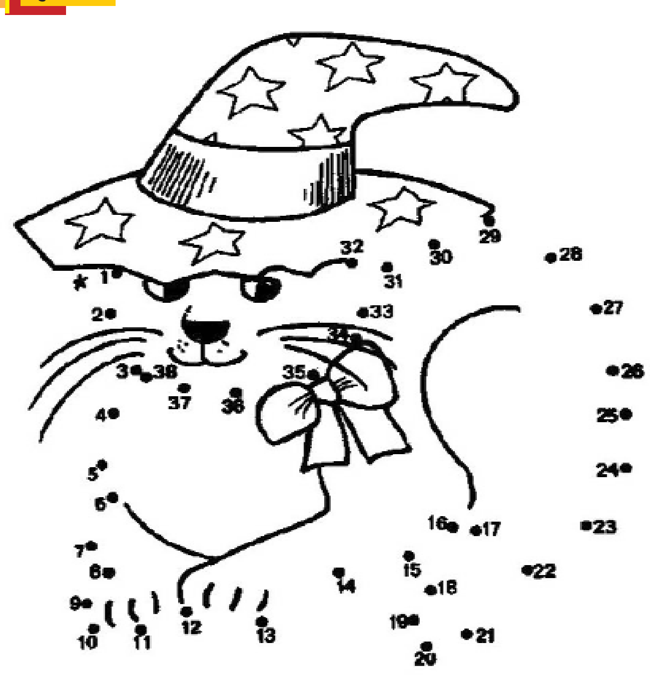

मूर्खता से जन्मा अक्ल का पुतला

काफी पुरानी बात है लगभग सन् 1653 की। एक सहृदय बालक था। उसकी आयु लगभग 10 वर्ष थी। उस बालक को इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों और जानवरों से भी प्यार था। उसके पास कुत्ते थे। बालक कुत्तों का ध्यान रखता था और अक्सर उनके साथ खेलता भी था।

बालक का मित्र कुत्तों को कम बिल्लियों को अधिक पसंद करता था। एक बार दोनों में कुत्ते और बिल्ली पर बात हुई। मित्र की बिल्ली पर दी गई दलीलों से प्रभावित होकर बालक ने एक बिल्ली को पालने का निश्चय किया और मित्र से कहा, ''तू मुझे एक अच्छी-सी बिल्ली लाकर दे।''

अगले दिन मित्र ने उसे एक बिल्ली लाकर दे दी। बालक बिल्ली को ठीक से पालने लगा। लगभग छह महीने बाद बिल्ली ने दो स्वस्थ और सुंदर बच्चों को जन्म दिया। बिल्ली के बच्चे उस बालक को बड़े अच्छे लगे। वह उनके साथ भी खेलने लगा। एक रात बरसात पड़ने लगी। बच्चे और बिल्ली भीगने लगे तो बिल्ली घर के दरवाजे पर पंजे मारते हुए मिमियाने लगे। बालक ने उठकर दरवाजा खोला तो बच्चे और बिल्ली अंदर आ गए। बालक ने कपड़े से उनके शरीर पोंछे और कपड़ों में लपेटकर बिठाया। रात को किसी समय बिल्ली दरवाजे के पास खड़े होकर बाहर जाने की कोशिश में फिर मिमियाने लगी। बालक ने दरवाजा खोला तो वे तीनों बाहर चले गए। बालक दरवाजा बंद कर अपने बिस्तर में घुस गया।

कुछ ही क्षणों बाद दरवाजे पर बिल्ली की दस्तक सुनाई पड़ी तो बालक ने दरवाजा खोला। तीनों अंदर आए और पहले के स्थान पर बैठ गए। बालक भी दरवाजा बंद कर अपने बिस्तर में सो गया। रात में बिल्ली के मिमियाने से फिर उसकी आंख खुली। देखा, वह बाहर जाना चाहती थी। उसने फिर दरवाजा खोला। तीनों प्राणी बाहर चले गए। कुछ देर बाद वे पुन: लौटे। इस बार-बार की आवाजाही से बालक तंग हो गया।

सुबह उसने एक बढ़ई को बुलाया और उसे बताया कि इस दरवाजे की लकड़ी के नीचे की ओर दो छोटे-बड़े छेद बना दो ताकि बड़े छेद से बिल्ली और छोटे छेद से बच्चे आ-जा सकें।

बढ़ई को बालक की बात सुनकर हंसी आ गई। उसने कहा, ''बाबू, दो छेद का इसके लिए क्या काम? जिस छेद से बिल्ली आए-जाएगी वही बच्चों के लिए भी काम आ जाएगा।''

बालक ने किंचित आश्चर्य से पूछा, ''ऐसा कैसे संभव है। बिल्ली के लिए बड़ा छेद चाहिए और बच्चों के लिए छोटा। ऐसे में एक छेद दोनों के काम कैसे आएगा?''

बढ़ई बालक की अल्प बुद्धि पर फिर हंसा। उसने कहा, ''रुको, बिल्ली के लिए एक छेद बनाने दो। फिर खुद ही देख लेना।''

बढ़ई ने अपने थैले से आरी और दूसरे औजार निकाले और काम शुरू कर दिया। कुछ ही मिनट में उसने ऐसा एक गोल छेद बना दिया जिससे बिल्ली आसानी से आ-जा सके। बिल्ली वहीं पास ही बच्चों के साथ घूम रही थी। बढ़ई ने बालक से कहा, ''अब बिल्ली को पकड़ो और इस छेद से अंदर पहुंचा दो।''

बालक ने बिल्ली को पकड़ कर दरवाजे तक पहुंचाया तो बच्चे भी पीछे-पीछे वहां तक आ गए। जैसे ही बिल्ली छेद से भीतर गई, बच्चे खुद-ब-खुद उस छेद से होकर अंदर चले गए।

बालक को थोड़ी हैरत हुई। वह सोचने लगा कि वह कितना मूर्ख है। जरा-सी बात उसके दिमाग में क्यों नहीं आई। बढ़ई चुपचाप उसे सोचते हुए देखकर मुस्कुरा रहा था। यह दस-ग्यारह वर्षीय बालक बड़ा होकर अक्ल का पुतला साबित हुआ। इसे हम वैज्ञानिक और गणितज्ञ आइजक न्यूटन के नाम से जानते हैं। इनकी विलक्षण प्रतिभा के कारण ही इन्हें 'सर' की उपाधि प्रदान की गई।

हंसगुल्ले

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से - अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा ?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया - बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

•••••••

टीचर (मिन्नी से) - आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है ?
मिन्नी - सर आज मै इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

•••••••

मैनेजर ने आने वाले से पूछा - क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला - जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

•••••••

पत्नी - मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है ?
पति - आज शाम को बताऊगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली। किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

•••••••

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) - सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर - तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे ?
नया सिपाही - जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

•••••••

अध्यापक - बाबर भारत में कब आया ?
बंटी - पता नहीं सर।
अध्यापक - बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी - मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

•••••••

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला- इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा - मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

•••••••

सेठानी (नौकरानी से) - क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी ?
नौकरानी - सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी - तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

•••••••

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला- 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता- इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली- 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली- 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला- 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई- 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आईं और बोलीं- यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया।

थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता- क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

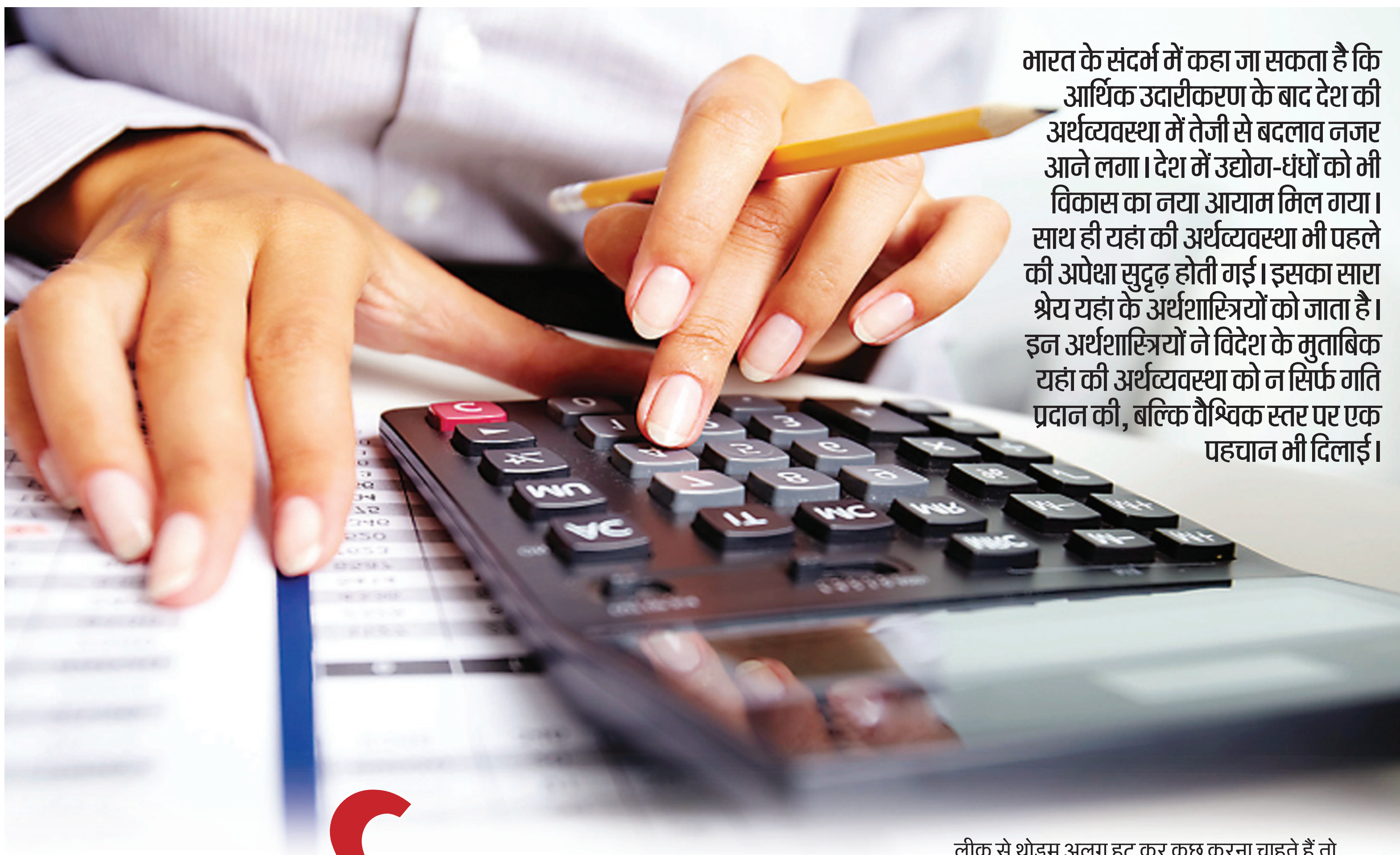

भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि आर्थिक उदारीकरण के बाद देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव नजर आने लगा। देश में उद्योग-धंधों को भी विकास का नया आयाम मिल गया। साथ ही यहां की अर्थव्यवस्था भी पहले की अपेक्षा सुदृढ़ होती गई। इसका सारा श्रेय यहां के अर्थशास्त्रियों को जाता है। इन अर्थशास्त्रियों ने विदेश के मुताबिक यहां की अर्थव्यवस्था को न सिर्फ गति प्रदान की, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक पहचान भी दिलाई।

अर्थशास्त्र

हर क्षेत्र की जरूरत

किसी भी देश की मजबूती का आकलन उसकी अर्थव्यवस्था से किया जाता है। अर्थव्यवस्था तभी मजबूत हो पाती है, जब उस देश की आर्थिक नीतियां व कार्यशैली सुचारू ढंग से संचालित हो रही हों। इसमें जरा सा असंतुलन होने पर अर्थव्यवस्था पटरी से उतरने लगती है और देश को महंगाई व कर्ज लेने आदि का दंश झेलना पड़ता है। भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि आर्थिक उदारीकरण के बाद देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव नजर आने लगा। देश में उद्योग-धंधों को भी विकास का नया आयाम मिल गया। साथ ही यहां की अर्थव्यवस्था भी पहले की अपेक्षा सुदृढ़ होती गई। इसका सारा श्रेय यहां के अर्थशास्त्रियों को जाता है। इन अर्थशास्त्रियों ने विदेश के मुताबिक यहां की अर्थव्यवस्था को न सिर्फ गति प्रदान की, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक पहचान भी दिलाई। यही कारण है कि यहां पर इकोनॉमिक्स एक आकर्षक करियर क्षेत्र के रूप में युवाओं को लुभा रहा है।

कौन हैं इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट अपनी रिसर्च एवं एकत्र किए डाटा के आधार पर देश के संदर्भ में नीतियां तैयार करता है और उसे लागू करने के उपाय भी बताता है। उसका यह कार्य रिपोर्ट, स्टैटिस्टिकल चार्ट, कम्प्यूटर व रिसर्च टीम की सहायता से होता है।

योग्यता जो दिलाए प्रवेश

इकोनॉमिक्स की फील्ड में जो भी प्रचलित कोर्स हैं, उनमें दाखिला ग्रेजुएशन के बाद ही मिलता है। इसके अलावा ग्रेजुएशन लेवल पर भी इकोनॉमिक्स एक सब्जेक्ट के रूप में पढ़ाया जाता है, जबकि इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन के बाद हायर लेवल के कोर्स में प्रवेश मिलता है। यदि छात्र ने सफलतापूर्वक पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर लिया है तो वह एमफिल/पीएचडी करने के लिए योग्य हो सकता है। कुछ डिप्लोमा लेवल के कोर्स भी मौजूद हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद ही किया जा सकता है।

कराए जाने वाले कोर्स

इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में वैसे तो कराए जाने वाले कई कोर्स मौजूद हैं, लेकिन सबसे अधिक प्रचलन पोस्ट ग्रेजुएट लेवल के कोर्स का है। इसके कई अलग-अलग क्षेत्र भी मौजूद हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कई ऐसे संस्थान हैं, जो ग्रेजुएट लेवल पर इकोनॉमिक्स की पढ़ाई कराते हैं। जो छात्र हायर लेवल पर पढ़ने के इच्छुक हैं, वे एन्वायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स, डेमोग्राफी, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इंश्योरेंस एंड एक्चुरिअल साइंस, रिस्क मैनेजमेंट, फाइनेंस व बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, इंटरनेशनल मार्केटिंग तथा ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशन आदि में जा सकते हैं। कुछ अन्य कोर्स निम्न हैं-

- बीए (इकोनॉमिक्स/बिजनेस इको/डेवलपमेंट इको.)
- बीए/बीएससी (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स
- एमए इन इकोनॉमिक्स/अप्लाइड इको/ बिजनेस इको/इंडियन इको.
- एमएससी इन अप्लाइड इको/मैथमेटिकल इको.
- एमफिल/पीएचडी इन इकोनॉमिक्स/बिजनेस इको/अप्लाइड इको.
- एमबीई (मास्टर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स)
- एमएफसी (मास्टर ऑफ फाइनेंस एंड कंट्रोल)
- एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स
- पीजी डिप्लोमा इन इको/अप्लाइड इको/
- ग्लोबल बिजनेस।

कहां-कहां हैं अवसर

इकोनॉमिक्स में सफलतापूर्वक अंडरग्रेजुएट डिग्री हासिल करने पर प्रोफेशनल्स या तो इकोनॉमिक जर्नलिज्म की ओर रुख करते हैं या इकोनॉमिक-फाइनेंशियल रिसर्च, बैंकिंग एवं फाइनेंस, सेल्स एवं मार्केटिंग आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे चाहें तो कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सर्विस, इकोनॉमिक एवं स्टैटिस्टिकल सर्विस आदि में भाग्य आजमा सकते हैं। इस समय सबसे अधिक डिमांड इकोनॉमिक एनालिस्ट, रिसर्चर एवं कंसल्टेंट आदि की है, लेकिन इस स्तर पर चुनौतियां भी खूब हैं। ग्रेजुएट इकोनॉमिस्ट बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, स्टॉक मार्केट, सेल्स एंड मार्केटिंग सहित कई सरकारी विभागों, इनवेस्टमेंट फर्म एवं कंसल्टेंट फर्म में एंट्री लेवल जॉब पा सकते हैं। इंडियन इकोनॉमिक सर्विस एवं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सरकारी विभागों में नौकरी करने का सपना पाले प्रोफेशनल्स की राह और आसान कर दी है। यदि वे लीक से थोडम अलग हट कर कुछ करना चाहते हैं तो उनके लिए जर्नलिज्म व लॉ इंडस्ट्री बेहतर साबित हो सकती है। कई ऐसे एनजीओ व एक्सपोर्ट/इम्पोर्ट ऑफिस हैं, जो इकोनॉमिक बैकग्राउंड वाले छात्रों को अपने यहां जॉब देते हैं। किसी कॉलेज या यूनिवर्सिटी में टीचिंग में भी करियर बनाया जा सकता है।

स्किल्स जो करें स्थापित

इस इंडस्ट्री में भले ही जॉब की अधिकता है, लेकिन जब तक प्रोफेशनल्स के अंदर खुद की क्षमता अथवा स्किल्स नहीं हैं, तब तक वे काम पाने व सफल होने से कोसों दूर रहेंगे। इसलिए सबसे पहले उन्हें अपने अंदर स्किल्स डेवलप करनी होंगी। कुछ प्रमुख स्किल्स निम्न हैं-

- लॉजिकल एवं एनालिटिकल माइंड
- क्वांटिटेटिव एप्टिट्यूड
- समझदार व काम के प्रति समर्पित
- धैर्यवान व सकारात्मक सोच वाला
- कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानने वाला
- अभिव्यक्ति कौशल

आकर्षक सेलरी पैकेज

आजकल सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों जगह अर्थशास्त्रियों की मांग बड़े पैमाने पर है। इसके चलते काम के साथ-साथ सेलरी पैकेज भी बेहद आकर्षक रूप अख्तियार करता जा रहा है। आमतौर पर सरकारी सेवा में कार्यरत अर्थशास्त्री को प्रतिमाह 20-25 हजार रुपए मिलते हैं। एक दो साल के अनुभव के पश्चात यही सेलरी 30-35 हजार रुपए प्रतिमाह तक पहुंच जाती है, जबकि प्राइवेट कंपनियों में सेलरी की रूपरेखा काफी कुछ संस्थान एवं कार्य के स्वरूप पर निर्भर करती है। इसके अलावा किसी कॉलेज/यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स टीचर को 40-45 हजार रुपए प्रतिमाह की आमदनी होती है। आज कई ऐसे अर्थशास्त्री हैं, जिनका सालाना वेतन पैकेज लाखों में है। जो लोग फ्रीलांसिंग कर रहे हैं या जिन्होंने अपनी खुद की फर्म स्थापित की है तो आमदनी की कोई निश्चित सीमा नहीं है।

नफा-नुकसान

- जॉब के लिए भटकना नहीं पड़ता
- रोचक एवं चुनौतीपूर्ण करियर
- आंकड़ों के चलते घंटों समय होता है खर्च
- जरा सी लापरवाही से भारी नुकसान

कौन-कौन से पद

- इकोनॉमिस्ट
- इकोनॉमिक एडवाइजर
- इकोनॉमेट्रिशियन
- इकोनॉमिक जर्नलिस्ट
- रिसर्चर
- एग्जीक्यूटिव
- मैनेजर
- कंसल्टेंट
- एनालिस्ट

ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स में करियर

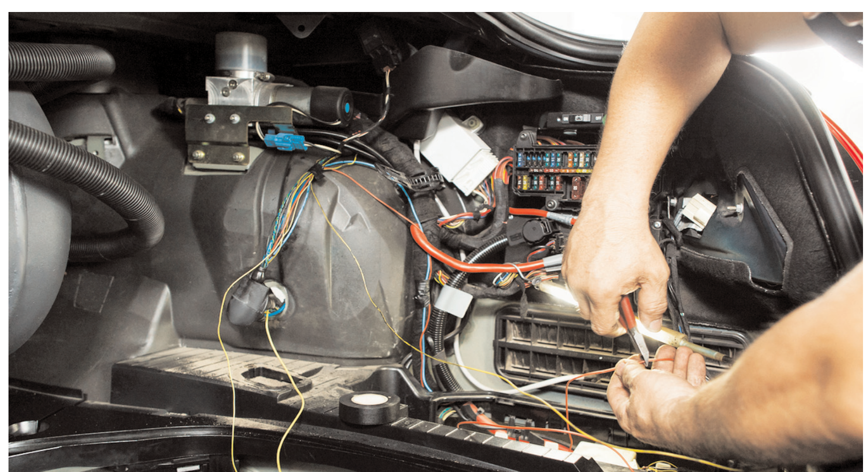

विश्वास नहीं होगा, पर यह सच है कि आई टी, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स के एकेडेमिक बैकग्राउंड वाले टेक्निकल प्रोफेशनल्स की मांग ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में हाल के वर्षों में अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ी है। इस स्थिति के पीछे कारण है नई गाडियों में बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक्स का उपयोग व अधिकाधिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से इनका सुसज्जित होना।

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स का महत्व

इस नई टेक्नोलॉजी के प्रति इतनी तेजी से आकर्षण बढ़ने के पीछे अमूमन कई कारण गिनाये जाते हैं। इनमें सटीकता(प्रीसिजन), समय की बचत, दक्षता(एफिशिएंसी), मानक(स्टैंडर्ड), सुरक्षा, आराम(कम्फर्ट) तथा कनेक्टिविटी का खास तौर पर जिक्र किया जा सकता है। इस टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई खोजों में लगभग तीन चौथाई ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स से सम्बंधित होती हैं।

भावी संभावनाएं

इन दिनों हाल तो यह है कि नामी ऑटोमोबाइल कम्पनियों द्वारा कार की बिक्री बढ़ाने और नए मॉडल्स को लाने के लिए टेक्निकल फीचर्स से ज्यादा ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स का सहारा लिया जा रहा है। अगर यही ट्रेंड आने वाले समय में भी बना रहा तो इस तरह के ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक एक्सपर्ट्स की मांग में और तेजी आनी स्वाभाविक है।

एकेडमिक डिग्रियां

आई टी, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक, मेकेट्रोनिक, ऑटोमेशन, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की डिग्रियों के सहारे इस इंडस्ट्री में प्रवेश किया जा सकता है। फ्रेशर्स को भी इस तरह के अवसर ऑटोमोबाइल कंपनियों के मैन्युफेक्चरिंग प्लांट्स के अलावा ऑटोमोबाइल एक्सेसरीज से संबधित मैन्युफेक्चरिंग कंपनियों में मिल रहे हैं।

ट्रेनिंग

आमतौर पर इंजीनियरिंग की बेसिक डिग्री के अतिरिक्त इन युवाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि इन्हें कम्युनिकेशन स्किल्स, सी अथवा सी++, माइक्रोप्रोसेसर, एम ई एम आधारित सेंसर टेक्नोलॉजी आदि के बारे में समुचित जानकारी होगी। इसके अतिरिक्त ऑटोमोबाइल से सम्बंधित अन्य विधाओं से भी ये परिचित होंगे, जैसे ऑटोमोबाइल इंजीनियर को कार के इलेक्ट्रॉनिक फ्यूल सिस्टम का ज्ञान होना चाहिए। इसी तरह गाड़ी की एग्जॉस्ट मैनेजमेंट का सॉफ्टवेयर डेवलप करने की जॉब्स से संबंधित इंजीनियर के लिए केमिकल प्रोसेस, फ्लूड डायनामिक्स, थर्मल इंजीनियरिंग इत्यादि की भी जानकारी होनी जरूरी है। कमोबेश यही स्थिति अन्य सम्बंधित विधाओं में भी है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो इस क्षेत्र में मल्टी स्किल्ड इंजीनियर्स की खासतौर पर अधिक जरूरत है। इस तरह के कई कौशल में माहिर लोगों के लिए बड़ी और नामी कंपनियों में भी जॉब्स की संभावनाएं कहीं अधिक होंगी।

स्वयं को अपडेट रखना

इसमें चूंकि आपको अपने टेक्निकल एकेडमिक बैकग्राउंड को आधार बनाते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स के नए उपयोगों का समन्वयन करना होगा, इसलिए लगातार स्वयं को अपडेट रखने की जरूरत पड़ेगी। नया सीखने और उसके सही इस्तेमाल की समझ काम के अनुभव और सीनियर्स की सलाह से ही विकसित होती है, इसलिए स्वयं को परम ज्ञानी समझने की प्रवृत्ति वाले लोगों के लिए इस फील्ड में मुश्किल हो सकती है। जरूरी नहीं कि आपके हर प्रयास सही और सफल ही होंगे, इसलिए असफलताओं से निराश न होना और इनसे सबक लेकर आगे बढ़ने की लालसा को सबसे जरूरी गुण कहा जा सकता है।

जॉब्स

अधिकांश फ्रेशर्स को शुरुआत में जूनियर डेवलपमेंट इंजीनियर के तौर पर नियुक्त किया जाता है और पहले साल इन्हें जॉब ऑन ट्रेनिंग पॉलिसी के अंतर्गत लगभग सभी मेन्युफेक्चरिंग यूनिट्स में रोटेशन से भेजा जाता है।

सुंदरता का अहम पैमाना
बन रही लंबाई

एक अध्ययन के अनुसार महिलाओं की सुंदरता के महत्वपूर्ण पैमाने उनका जवां लुक, लंबी और पतली छरहरी कमर और उनकी लंबी बाहें हैं। न्यू-साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, हांगकांग पोलिटेक्निक यूनिवर्सिटी और तियांजिन यूनिवर्सिटी के एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने अपनी तरफ से किए गए इस अध्ययन के बारे में कहा है कि यह अब तक का सबसे विस्तृत अध्ययन है, जो शरीर की बनावट से महिलाओं की सुंदरता पर पड़ने वाले प्रभाव पर आधारित है।

अध्ययन में शामिल प्रोफेसर रॉब ब्रूक्स कहते हैं कि सुंदरता को लेकर किए गए ज्यादातर अध्ययन धड़, कमर और नितंबों पर ही आधारित हैं। लेकिन हमने अपने अध्ययन में पाया है कि बाजुओं की लंबाई और चौड़ाई भी सुंदरता के मामले में एक बड़ा पैमाना है। यह पूरे शरीर की बनावट और वजन में एक तरह से चार चांद लगाने का काम करता है। इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) और एचडब्ल्यूआर (हिप-टू-वेस्ट रेशियो) किसी भी महिला के आकर्षण के सबसे बड़े पैमानों में से हैं। अध्ययन में पाया गया है कि महिलाओं के खूबसूरत दिखने के लिए कई पैमाने तय किए गए हैं। जिसमें शरीर के कई हिस्सों को लिया गया है। दूसरा, अध्ययन यह भी बताता है कि रंग गोरा होने से ही उसकी खूबसूरती नहीं आंकी जा सकती है। सांवला रंग भी खूबसूरत लगता है। शरीर की बनावट ऐसी होनी चाहिए जो दूसरों को आकर्षित करने के साथ ही सुंदर भी दिखे। अध्ययन में 57 फीसदी सुंदर व सांवली महिलाएं शामिल थीं।

सुडोकू पहेली 1557

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 1556

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 1557

1	2	■	3	4		■	5
6		7			■	8	
9				■	10		■
■	■		■	11	■	12	13
14	15		■		■	16	
■		■	17			■	
18		19			■	20	■
	■	21		■	22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. 8 मार्च 1917 को इस देश में फरवरी क्रांति की शुरूआत हुई (2)
3. हवा, पवन, बयार, वायु (3)
6. आलिंगित, जो गले मिला हो (5)
8. ठिगना, बौना, जिसका कद छोटा हो (2)
9. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
10. इस दिवंगत हास्य अभिनेता के दिवंगत बेटा भी अभिनेता निर्देशक था (2)
12. जमीन, धरा (अंग्रेजी)(2)
14. जीवन-निर्वाह हेतु उचित साधन देना (3)
16. कशमीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
17. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ (3)
18. अभिभावक, संरक्षक (4)
21. किसी वस्तु के जले हुए अंश (2)
22. शाहजहां दिल्ली के निकट शाहजहांनाबाद नगर की स्थापना की और यहां से राजधानी दिल्ली लाई गई (3)

ऊपर से नीचे

1. यह मुद्रा रूस देश में प्रचलित है (3)
2. पुराणानुसार अयोध्या के प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा जिसकी दूसरी पत्नी सुमति से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
3. दिलीप कुमार-सायराबानो अभिनीत यह फिल्म हिंदी व बांग्ला दोनों भाषा में बनी (3)
4. जो प्रतियोगिता आदि का काम सबसे पहले करें (2)
5. नुकसान, हानि, कमी (2)
7. लज्जित करना, शर्म करवाना (4)
8. 8 मार्च 2018 को नेफियू रियो ने इस भारतीय राज्य की 9 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली (4)
11. वह जो प्रत्येक कार्य बाएं हाथ से करता हो (4)
13. छोड़ा जाना, डाला जाना, फैलाया जाना (3)
15. पुरानी फिल्मों के दिवंगत गीतकार (3)
17. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा (3)
18. कठोर, कड़ा, प्रखर, दृढ़ (2)
19. विपरीतता, नादरूपिणी वाणी (2)
20. होली के अवसर पर गाया जाने वाला गीत (2)

वर्ग पहेली 1556 का हल

गौ	त	म	गं	भी	र	■	अ
र	ज	■	गा	■	वि	रा	ट
त	ना	■	द्वा	र	■	ज	ल
ल	■	त	र	ह	■	त	■
ब	न	ना	■	न	व	रं	ग
■	ज	त	न	■	■	गि	ला
नू	रा	नी	■	र	म	णी	■
■	ना	■	वि	न	य	■	भू

कढ़ाई वाले कपड़े

छोटे कद वाली महिलाओं को कढ़ाई वाले ऐसे वस्त्रों को भी नहीं पहनना चाहिए जो दूसरों की दृष्टि को बीच में ही बाधित करें। ऐसा डिजाइन पसंद करना अच्छा होता है जो नीचे से ऊपर की ओर जाता हो। अगर आप जींस या टॉप पहन रही हों तो हमेशा ढीले-ढाले व अधिक लंबाई वाले टापों से परहेज करना चाहिए।

छोटी कद वाली महिलाओं एवं लड़कियों को ऐसे कपड़ों का चयन करना चाहिए जिससे उनका कद औसत दर्जे से अधिक लगे। उन्हें हमेशा ऐसे कपड़ों का ही चयन करना चाहिए जो दो भागों में न बंटे हुए हों। अगर आप सलवार-कमीज पहन रही हों तो कमीज की लंबाई हमेशा घुटने से अधिक ही होनी चाहिए। कमीज में ऐसा कोई डिजाइन न बना हो जिसमें आगे से कटिंग हो। आगे से किसी भी प्रकार की कटिंग दूसरों की आंखों की दृष्टि को विभाजित करती है तथा देखने वालों को आपका कद कम करके दिखाती है।

छोटी कद वाली महिलाओं को लिए

छोटी कद वाली महिलाएं अपने कद को ऊंचा दिखाने के लिए हाई हील सैंडिल का इस्तेमाल करती हैं। इससे लंबाई तो बढ़ी हुई मालूम पड़ती है किन्तु इससे शारीरिक संरचना के अनुपात में असंतुलन पैदा हो सकता है। छोटी कद वाली महिलाओं को हमेशा पेंसिल हील वाली सैंडिल का ही चुनाव करना चाहिए।

हमेशा एक ही रंग के कपड़ों का चयन करें। लंबी धारी वाले वस्त्र आपके कद को ज्यादा बढ़ाकर दिखाने वाले होते हैं। ऐसे वस्त्र पहनें जिनका काम्बीनेशन कंट्रास्ट न हो।

दुबली-पतली के लिए ड्रेस

दुबली-पतली महिलाओं को बहुत फिटिंग वाले कपड़ों को नहीं पहनना चाहिए। इन महिलाओं के लिए ढीले-ढाले स्पोर्टी लुक प्रदान करने वाले वस्त्र ठीक होते हैं। गहरे रंगों का प्रयोग न करके हमेशा हल्के रंगों के कपड़ों को ही पहनना चाहिए। दुबली-पतली महिलाओं के लिए बड़े प्रिंट वाले फैब्रिक अच्छे होते हैं। लाइन वाले डिजाइन के कपड़े ऐसी महिलाओं को खूब फबते हैं। स्लीवलेस टॉप्स वाले कपड़े दुबली-पतली महिलाओं को भद्दे लगते हैं, अत: ऐसे कपड़ों का चयन नहीं करना चाहिए।

चौड़ी कमर वाली महिलाओं के लिए

चौड़ी कमर या मोटी महिलाओं को चौड़े प्रिंट वाले कपड़ों का चुनाव नहीं करना चाहिए, साथ ही ऐसे टॉप को भी नहीं पहनना चाहिए जिससे आपका ऊपरी भाग चौड़ा दिखाई दे। ऐसी महिलाओं को अपनी कमर की चौड़ाई को छिपाने के लिए लंबे टॉप भी नहीं पहनने चाहिए। गहरे रंग के वस्त्रों का चुनाव मोटी महिलाओं के लिए अच्छा होता है। हमेशा ऐसे डिजाइन का ही प्रयोग करें जो ऊपर गहरा तथा नीचे की ओर हल्का प्रतीत होता हो। अपनी कमर की चौड़ाई को छिपाने के लिए लंबे टॉप को न पहनकर ऐसे टॉप पहनें जो कि आपकी कमर तक ही पहुंचते हों। स्ट्रेट कट ट्राउजर्स का प्रयोग आपके लिए अच्छा होगा। अगर आप कामकाजी महिला हैं और ऑफिस के वातावरण से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं तो सामान्य किस्म के प्रचलित कपड़ों को ही पहनें। अगर आपके सहकर्मी सूट या साड़ी जैसे परिधान पहनते हैं तो आपका कैजुअल शर्ट, चिपकी हुई जींस या शार्ट-स्कर्ट पहनना आपकी छवि को खराब करके पेश करेगा।

फैशन के अनुरूप कपड़ों का चयन करना आवश्यक है किन्तु फैशन का ज्ञान होना भी आवश्यक है। दूसरों की देखा-देखी फैशन करना कदापि उचित नहीं है। आप पर कब और क्या सूट करेगा, यह आप स्वयं तय कर सकती हैं। आप किस जगह और कार्य से जा रही हैं, इस ओर गौर करने के बाद ही अपनी ड्रेस का चुनाव और मेकअप करना चाहिए।

डार्क कलर वाले कपड़े

बहुत चटक रंग वाले सिंथेटिक परिधानों से यथा संभव बचना आवश्यक होता है। परिधान ऐसा हो कि वह आपके व्यक्तित्व को तो प्रभावित करे किन्तु वह व्यक्तित्व पर पूरी तरह से हावी न हो। शरीर से चिपके हुए चुस्त परिधानों से हमेशा बचना चाहिए। हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि अंग प्रदर्शन वाले परिधान सुन्दरता के साथ-साथ व्यक्तित्व के प्रभाव को भी कम करते हैं।

ये स्टाइल आप पर जंचेगी

अब बनेंगे दूध से ईको फ्रेंडली कपड़े

जर्मनी की फैशन डिजाइनर और माइक्रोबायोलॉजिस्ट एन्के डोमास्के ने खास तरह के ईको फ्रेंडली कपड़े तैयार किए हैं। 28 वर्षीय एन्के और उनकी टीम ने कई सालों की मेहनत के बाद दूध से धागा बनाने का फॉर्मूला खोजा है। इस धागे से ये कपड़ा बनता है। उन्होंने एक खास मिक्सचर बनाया है, जिमसें खट्‌टे दूध में पाया जाने वाला प्रोटीन होता है। इसे ब्रेहमन शहर के पास एक लैब में प्रोसेस किया जाता है। फिर उसे गरम कर एक मशीन में दबाया जाता और ये धागा तैयार होता है। इस धागे से उन्होंने अब तक सैकड़ों ड्रेस तैयार कर ली है, जिससे धागे की मजबूती का आभास होता है।

Samsung की वेबसाइट पर फिर आया तगड़ा ऑफर
खरीदें 32MP सेल्फी कैमरे वाला यह 5G फोन

सैमसंग के फैन हैं और एक तगड़ा 5G फोन लेने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। कंपनी की वेबसाइट पर Samsung Galaxy A54 5G स्मार्टफोन गजब ऑफर और डील में मिल रहा है। ऑफिशियल ई-स्टोर पर फोन का 8जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज वाला वेरिएंट 37,499 रुपये में मिल रहा है। बैंक ऑफर में आप इस फोन की कीमत को 2 हजार रुपये तक कम कर सकते हैं। 2 हजार रुपये का यह इंस्टेंट डिस्काउंट पाने के लिए आपको ICICI या HDFC बैंक के क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना होगा। अगर आपके पास सैमसंग ऐक्सिस बैंक का कार्ड है, तो आपको 10 पर्सेंट का कैशबैक भी मिलेगा। इसके अलावा कंपनी MobiKwik वॉलेट पेमेंट पर भी 15 पर्सेंट तक का कैशबैक ऑफर कर रही है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

सैमसंग का यह 5G फोन 8जीबी रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज वेरिएंट में

आता है। 1टीबी तक के माइक्रो एसडी कार्ड को सपोर्ट करने वाले इस फोन में आपको Exynos 1380 चिपसेट देखने को मिलेगा। कंपनी इस फोन में 1080×2340 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.4 इंच का फुल एचडी+ Super AMOLED डिस्प्ले ऑफर कर रही है। फोन का यह डिस्प्ले 120H5 के रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए फोन के बैक पैनल पर एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे दिए गए हैं।

इनमें 50 मेगापिक्सल के मेन कैमरा के साथ एक 12 मेगापिक्सल और एक 5 मेगापिक्सल का कैमरा शामिल है। सेल्फी के लिए इस फोन में आपको 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा देखने को मिलेगा। फोन में आपको 25 वॉट की फास्ट चार्जिंग के 5000mAh की बैटरी मिलेगी। ओएस की बात करें, तो सैमसंग का यह फोन ऐंड्रॉयड 13 पर बेस्ड OneUI 5.1 पर काम करता है। कनेक्टिविटी के लिए फोन में वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.3, यूएसबी 2.0 और जीपीएस जैसे ऑप्शन दिए गए हैं।

संपादकीय | सरकारी इच्छाशक्ति का अभाव...

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी कोई नई बात नहीं है। हालांकि इस समस्या से पार पाने के लिए समय-समय पर सख्ती बरतने का प्रयास होता रहा है, मगर अब तक उल्लेखनीय नतीजे नहीं निकल पाए हैं। यही वजह है कि विलंब से चल रही परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है, जिसका बोझ सार्वजनिक खजाने पर पड़ता है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक खर्च वाली चार सौ इकतीस बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार बीते दिसंबर तक एक हजार आठ सौ बीस ऐसी परियोजनाएं देर से चल रही थीं, जिनमें से चार सौ बत्तीस परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है।

ये परियोजनाएं औसतन तीन वर्ष से अधिक की देरी से चल रही हैं। इसके प्रमुख कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग से मंजूरी मिलने में देरी और बुनियादी संरचना में कमी को बताया गया है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप देने में देरी, परियोजनाओं की संभावना में बदलाव, निविदा प्रक्रिया और ठेके देने में देरी, उपकरण मंगाने में विलंब, अप्रत्याशित भू-उपयोग में परिवर्तन आदि भी बड़े कारण हैं।

ये सारी वजहें पहले भी बताई जाती रही हैं। इससे निपटने के लिए परियोजना में देरी होने पर ठेकेदार से प्रतिदिन के हिसाब से विलंब शुल्क वसूलने का प्रावधान किया गया। तब माना गया कि इससे परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी और उन पर लागत बढ़ने के खर्च से बचा जा सकेगा। मगर अब भी चार सौ से ऊपर परियोजनाएं अगर तीन वर्ष की औसत देरी से चल रही हैं, तो जाहिर है कि परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले उनके व्यावहारिक पहलुओं का मूल्यांकन ठीक से नहीं किया जाता।

आमतौर पर सड़कों, पुलों आदि जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का निर्णय राजनीतिक स्तर पर ले लिए जाते हैं। उनके मूल्यांकन में प्रायः संभावित अड़चनों, मसलन भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण संबंधी मानक, भू-उपयोग आदि को लेकर लापरवाही बरती जाती है। बिना जरूरी मंजूरी के परियोजनाओं के ठेके इस विश्वास के साथ दे दिए जाते हैं कि उन अड़चनों से पार पा लिया जाएगा। इसका नतीजा यह होता है कि कहीं अगर परियोजना के बीच में आने वाले किसी छोटे से हिस्से पर भी किसी ने मुकदमा कर दिया, तो वह तब तक लटक जाती है, जब तक न्यायालय का निर्णय नहीं आ जाता। मुआवजे आदि को लेकर भी विवाद पैदा हो जाते हैं।

यह भी छिपी बात नहीं है कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं में देरी और फिर उनकी लागत बढ़ने के पीछे बड़ा कारण भ्रष्टाचार है। ठेकेदार और वित्तपोषण करने वाले विभाग के बीच अक्सर भुगतान को लेकर रस्साकशी देखी जाती है। समय पर भुगतान न मिल पाने से ठेकेदार काम बीच में छोड़ देते हैं। भुगतान समय पर न मिलने के पीछे अक्सर कमीशनखोरी बड़ा कारण होती है।इस पर अनेक निर्माण कंपनियां सार्वजनिक रूप से असंतोष प्रकट कर चुकी हैं। परियोजना में विलंब होने का अर्थ है कि उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री और सेवाओं की कीमत बढ़ती जाती है। कई बार सक्षम ठेकेदारों को काम न दिए जाने की वजह से भी उनमें जिस ढंग की अभियांत्रिकी का उपयोग अपेक्षित होता है, वह नहीं हो पाता। ये सारे तथ्य किसी से छिपे नहीं हैं, मगर इनमें सुधार के व्यावहारिक उपाय नहीं किए जाते तो जाहिर है, परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने की इच्छाशक्ति का अभाव है।

सोशल मीडिया से...

कांग्रेस और इंडी गठबंधन में आपसी तकरार देखने को मिल रही है। जिसके चलते कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़के बौखलाहट में बयान बाजी कर रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए भी कांग्रेस सीटों पर जीत हासिल नहीं कर पा रही है।

अनुराग ठाकुर, केंद्रीय मंत्री

बीजेपी चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। बीजेपी ईवीएम में गड़बड़ी करती है। मतदाता सूचियों में हेराफेरी करती है। अगर भगवान की कृपा से आईएनडीआईए गठबंधन लोकसभा चुनाव जीत गया तो डोनाल्ड ट्रंप की तरह वे (बीजेपी) अपनी सीट नहीं छोड़ेंगे।

अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

केंद्र सरकार राज्य के हक पर कब्जाकरके बैठी है और कई बार मांग के बावजूद वापस नहीं कर रही है। इससे राज्य सरकार को आम जनता के काम को कराने में समस्या आ रही है।अगर केंद्र सरकार ने फंड नहीं दिया तो हम बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।

ममता बनर्जी, सीएम प. बंगाल

हिंदुस्तान की सरकार जमीन अधिग्रहण के कानून को तोड़ रही है। किसानों को चारों ओर से घेरा जा रहा है। आपसे जमीन ली जाती है और अडानी जैसे बड़े-बड़े उद्योगपतियों को मुफ्त में दी जाती है। प्रधानमंत्री मोदी 3 काले कानून लेकर आए थे।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

भाजपा ने बिहार की भविष्य की राजनीति तय की

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से पलटू राम बनने की देश भर में चर्चा है। उनके नाम पर आया राम गया राम जैसे जुमले कसे जा रहे हैं। सत्तर के दशक में लोकप्रिय आया राम गया राम जुमले की जगह अब पलटू राम ने ले ली है। आया राम गया राम का किस्सा 1967 में शुरू हुआ था। इस जुमले को अमर कर देने वाले शख्स का नाम गया लाल था। वह हरियाणा के पलवल जिले की हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। गया लाल ने एक ही दिन में चार बार पार्टी बदली थी। पहले उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर जनता पार्टी का दामन थाम लिया, फिर थोड़ी देर में कांग्रेस में वापस चले गए। करीब 9 घंटे बाद फिर उनका हृदय परिवर्तन हुआ और एक बार फिर जनता पार्टी में चले गए। गया लाल के हृदय परिवर्तन का सिलसिला इसके बाद भी जारी रहा और वह वापस कांग्रेस में चले गए। कांग्रेस में वापस आने के बाद कांग्रेस के तत्कालीन नेता राव बीरेंद्र सिंह उनको लेकर चंडीगढ़ पहुंचे और वहां एक प्रेस कांफ्रेंस की, इसी प्रेस कांफ्रेंस में राव बीरेंद्र सिंह ने उन्हें मीडिया के सामने पेश करते हुए कहा था कि गया राम अब आया राम हैं। इस घटना के बाद से भारतीय राजनीति में ही नहीं बल्कि आम जीवन में भी पाला बदलने वाले दलबदलुओं के लिए आया राम, गया राम जुमले का इस्तेमाल होने लगा।

नीतीश कुमार के सम्पूर्ण राजनीतिक विकास का श्रेय भारतीय जनता पार्टी को जाता है। हम थोड़ा पीछे जाते हैं। लालू यादव की जातिवादी राजनीति से परेशान हो कर जार्ज फर्नांडिस ने 1994 में अलग हो कर समता पार्टी बनाई थी। नीतीश कुमार समता पार्टी में शामिल हो गए थे। 1996 में वह पहली बार लोकसभा का चुनाव जीत कर आए थे। 1997 में लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल के अध्यक्ष भी थे। चारा घोटाले में जब उनकी गिरफ्तारी तय हो गई थी, और उन्हीं के दल के प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल उन पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का दबाव बना रहे थे, तो उन्होंने जनता दल तोड़ कर अपनी अलग पार्टी राष्ट्रीय जनता दल बना ली थी और अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवा दिया था। परिवारवाद की इसी राजनीति के खिलाफ जार्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार तीन साल पहले 1994 में ही जनता दल छोड़ चुके थे। उससे भी पहले 1992 में समाजवादी पार्टी बना कर मुलायम सिंह यादव जनता दल से अलग हो चुके थे। 1997 में नवीन पटनायक ने जनता दल छोड़कर बीजू जनता दल बना लिया था। 1999 में एच.डी देवेगौडा ने जनता दल से निकल कर जनता दल सेक्युलर बना लिया था। बचा खुचा जनता दल शरद यादव के पास रह गया था।

नीतीश कुमार उन जार्ज फर्नांडिस की समता पार्टी में थे, जिसने 1996 से ही अटल बिहारी वाजपेयी का समर्थन कर दिया था। बाद में 1998 में नीतीश कुमार वाजपेयी सरकार में मंत्री बन गए थे, वर्ष 2000 में बिहार विधानसभा के चुनाव थे। भाजपा और समता पार्टी ने मिल कर चुनाव लड़ा था, उनके साथ शरद यादव का जनता दल भी था। तब तक बिहार का विभाजन नहीं हुआ था, इसलिए 324 विधायकों के सदन में भाजपा को 67, समता पार्टी को 34 और शरद यादव के जनता दल को 21 सीटें मिलीं। यानी भाजपा गठबंधन को 122 सीटें मिलीं जबकि दूसरी तरफ लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल को 124 सीटें मिलीं। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुशील कुमार मोदी ने भाजपा आलाकमान को इस बात के लिए तैयार किया था कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए, वह बहुमत साबित कर सकते हैं। लेकिन नीतीश कुमार को सात दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि वह बहुमत नहीं जुटा पाए थे। कांग्रेस के समर्थन से राबडी देवी फिर मुख्यमंत्री बन गई थी।

2003 में शरद यादव के जनता दल और जार्ज फर्नांडिस की समता पार्टी का विलय हो गया। नई पार्टी का नाम जनता दल यूनाईटेड यानी जेडीयू रखा गया। इस बीच बिहार का विभाजन होने के बाद झारखंड अलग राज्य बन चुका था। विभाजन के बाद बिहार में भाजपा के 37 और जेडीयू के 55 विधायक बचे थे। 2005 में जेडीयू ने 139 और भाजपा ने 102 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जार्ज फर्नांडिस की अनिच्छा के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने नीतीश कुमार को गठबंधन के मुख्यमंत्री पद का उमीदवार घोषित किया था। बिहार भाजपा के प्रभारी अरुण जेटली ने बहुत मुश्किल से जार्ज फर्नांडिस को नीतीश कुमार के नाम पर सहमति के लिए तैयार किया। उस चुनाव में जेडीयू 88 और भाजपा 55 सीटें जीती, जबकि लालू यादव की आरजेडी 54 सीटों पर निपट गई। 20 से ज्यादा विधायकों वाली कांग्रेस को लालू के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा, वह 51 सीटें लड़ कर सिर्फ 9 सीटों पर निपट गई थी। लालू परिवार के जंगलराज के खात्मे के बाद 2005 से 2010 का नीतीश सरकार का कार्यकाल बिहार का स्वर्णिम कार्यकाल माना जाता है। इसलिए 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू अकेली बहुमत के करीब पहुँच गई थी, वह 141 सीटों पर चुनाव लड़कर 115 जीत गई, जबकि भाजपा भी 102 सीटों पर चुनाव लड़कर 91 सीटें जीत गई थी। 2010 के चुनाव नतीजों से नीतीश कुमार को अपनी लोकप्रियता का भ्रम हो गया। 2011 में भाजपा ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना में रखी थी। जिसमें शामिल होने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे। जिस दिन बैठक थी, उस दिन गुजरात सरकार ने बिहार के अखबारों में एक विज्ञापन दिया, जिसमें बिहार की बाढ़ के समय गुजरात सरकार की ओर से भेजी गई मदद का जिक्र था।

इससे खफा हो कर नीतीश कुमार ने भाजपा कार्यकारिणी के सदस्यों के लिए अपने घर पर आयोजित भोज रद्द कर दिया। यहीं से मोदी और नीतीश कुमार की तल्खी शुरू हुई। हालांकि 2013 के आखिर तक जब तक भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था, नीतीश के साथ गठबंधन बना रहा था। 1996 से भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती रही पहले समता पार्टी और बाद में जेडीयू ने पहली बार 2014 का लोकसभा चुनाव बिना गठबंधन के अकेले लड़ा। भाजपा तो बिहार में लोकसभा की 22 सीटें जीत गई, जबकि नीतीश कुमार की जेडीयू सिर्फ 2 सीटों पर निपट गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ पार्टी के खराब प्रदर्शन की वजह से नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दे कर जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा। लेकिन 2015 में जब पार्टी में अंदरुनी कलह शुरू हुई तो मांझी को हटाकर वह एक बार फिर मुख्यमंत्री बन गए।

जिस लालू यादव के जंगलराज के खिलाफ नीतीश कुमार ने 1994 से 2005 तक संघर्ष किया। जिस भाजपा-जेडीयू गठबंधन ने राष्ट्रीय जनता दल को 2010 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 22 सीटों पर पहुंचा दिया था, उसी लालू यादव के साथ 2015 के चुनाव में गठबंधन करके नीतीश कुमार ने उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। लालू की आरजेडी नीतीश कुमार के सहारे 80 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर आई, जबकि नीतीश कुमार की जेडीयू 115 से लुढ़क कर 71 पर आ गई। इसका मतलब साफ़ था कि नीतीश कुमार ने लालू यादव के साथ गठबंधन करके अपना नुकसान और लालू यादव का फायदा किया।

मजबूरी में नीतीश कुमार को लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाना पड़ा। लालू यादव ने तभी ठान लिया था कि नीतीश के कंधों पर सवार हो कर वह अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना देंगे। तेजस्वी यादव के उप मुख्यमंत्री बनते ही बिहार में फिर से जंगलराज की शुरुआत हो गई। 2017 में आई.आर.सी.टी.सी घोटाले में आरजेडी और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नीतीश कुमार को बहाना मिल गया, उन्होंने महागठबंधन से नाता तोड़ कर दुबारा एनडीए से नाता जोड़ा और अब एनडीए के मुख्यमंत्री बन गए। 2015 की गलती का खामियाजा नीतीश कुमार को 2020 में भी भुगतना पडा, जब भाजपा के साथ होने के बावजूद जेडीयू की सीटें 45 रह गईं। नीतीश कुमार 2022 में यह आरोप लगाते हुए भाजपा को फिर छोड़ गए कि उसने चिराग पासवान से 134 सीटों पर उम्मीदवार खड़े करवा कर जेडीयू को तीसरे नंबर की पार्टी बना दिया। लेकिन सच यह था कि जेडीयू का रसातल में जाना 2015 में ही तय हो गया था, जब लालू यादव से गठबंधन करके जेडीयू 115 से लुढ़क कर 71 पर आ गई। नीतीश कुमार ने भाजपा से गठबंधन तोड़ कर 2013 में ही अपनी विश्वसनीयता खत्म कर ली थी, उसके बाद वह लगातार घटते ही गए।2022 में नीतीश कुमार ने जो गलती की या उनसे करवाई गई, वह उनकी 2015 से भी बड़ी एतिहासिक गलती थी। जबकि लालू यादव ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनवाने के लिए उनके कंधों का इस्तेमाल करने के लिए नीतीश कुमार के साथ गठबंधन किया था। तीसरी बार भाजपा के साथ आने के बावजूद 2025 में भी जेडीयू का लुढ़कना जारी रहना है। नीतीश कुमार का गैर यादव पिछड़ों और अति पिछड़ों का आधार खिसक रहा है। जेडीयू के वोटों का बिखराव हो रहा है, कुछ वोट भाजपा की तरफ जा रहे हैं, तो कुछ वोट आरजेडी की तरफ जा रहे हैं। पिछड़ों और अति पिछड़ों में भाजपा के वोट भी लगातार बढ़ रहे हैं। गैर यादव पिछड़े, अति पिछड़े और काफी हद तक दलित भी खुद को भाजपा के साथ ज्यादा सुरक्षित पा रहे हैं। इसलिए भाजपा ने लंबी सोच कर नीतीश कुमार के लिए दूसरी बार दरवाजा खोला है। 2025 का बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश कुमार का अंतिम चुनाव होगा, उसके बाद आरजेडी और भाजपा आमने सामने होंगी।

गठबंधन बिखरने का जिम्मेदार कौन?

भाजपा की तरह तो नहीं लेकिन उससे मिलती जुलती एक साइबर आर्मी कांग्रेस के पास भी है। कांग्रेस के पास भी एक इकोसिस्टम है, जिसमें पारंपरिक रूप से भाजपा और संघ विरोधी लोगों की बड़ी संख्या है। ये सब लोग हर स्थिति में उसी तरह से कांग्रेस के बचाव या समर्थन में उतरते हैं, जैसे भाजपा के इकोसिस्टम के लोग भाजपा का समर्थन और बचाव करते रहते हैं। इन दोनों पार्टियों के मुकाबले अन्य पार्टियों के पास ऐसी कोई साइबर आर्मी या इकोसिस्टम नहीं है। आम आदमी पार्टी को एक अपवाद मान सकते हैं। तभी जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में बिखराव शुरू हुआ तो केंद्रीय पार्टी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाने की बजाय सबने नीतीश कुमार और ममता बनर्जी को निशाना बनाना शुरू किया। कहीं कहीं आम आदमी पार्टी भी निशाने पर आई तो कहीं कम्युनिस्ट पार्टियों पर हमला हुआ। लेकिन सवाल है कि क्या विपक्षी गठबंधन नहीं बना या बनने से पहले ही बिखरता दिख रहा है तो उसके लिए प्रादेशिक पार्टियों के नेता ही जिम्मेदार हैं या कांग्रेस की भी कोई जिम्मेदारी बनती है?

बड़ा सवाल यह है कि गठबंधन की केंद्रीय पार्टी के तौर पर क्या कांग्रेस को पहल अपने हाथ में नहीं रखनी चाहिए थी? उसने क्यों गठबंधन की जिम्मेदारी आउटसोर्स की थी? पहले शरद पवार गठबंधन बनाने की कोशिश करते रहे। फिर ममता बनर्जी और के चंद्रशेखर राव ने इसका प्रयास किया। अरविंद केजरीवाल ने भी एक समय इसकी कोशिश की और अंत में नीतीश कुमार ने सफल प्रयास किया। नीतीश पिछले साल अप्रैल में इस सिलसिले में पहली बार मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिले थे। तब तक खबर थी कि राहुल के मन में नीतीश को लेकर नाराजगी है क्योंकि 2015 में गठबंधन के साथ लड़ने के बाद वे राजद और कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में चले गए थे। अब भी यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस को नीतीश पर पहले से भरोसा नहीं था। खड़गे ने तो यहां तक कि उनको पहले ही पता चल गया था कि नीतीश गठबंधन छोड़ेंगे। अब सवाल है कि जब पहले ही पता चल गया था या भरोसा नहीं था तो उनको साथ बैठा कर बात करने का क्या मतलब था?

नीतीश कुमार जब गठबंधन का प्रस्ताव लेकर दिल्ली पहुंचे थे और खड़गे व राहुल से मिले थे तब दोनों ने उनके प्रयास का समर्थन किया था। कांग्रेस ने न सिर्फ उनके प्रयास का समर्थन किया, बल्कि उनके तय किए गए राजनीतिक एजेंडे को अपनाया था। जाति गणना

और आरक्षण की सीमा बढ़ाना नीतीश कुमार का आइडिया था, जिस पर राहुल गांधी कर्नाटक का विधानसभा चुनाव लड़े। उन्होंने नीतीश के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए प्रेस कांफ्रेंस में पूछना शुरू किया कि इसमें कितने ओबीसी हैं या यह बताना शुरू किया कि देश के 90 सचिवों में सिर्फ तीन सचिव ओबीसी हैं या यह नारा दिया कि 'जितनी आबादी उतना हक'। सोचें, जब नीतीश पर भरोसा नहीं था तब तो उनको गठबंधन बनाने की जिम्मेदारी दी गई, उनके राजनीतिक एजेंडे को चुनावी मुद्दा बनाया गया और उनकी पहल पर पटना में पहली बैठक हुई। इसका मतलब है कि भरोसा नहीं होने वाली बात बाद में जोड़ी गई है।बड़ी और गठबंधन की केंद्रीय पार्टी होने के नाते यह कांग्रेस की जिम्मेदारी बनती थी कि वह सभी पार्टियों को वैचारिक और राजनीतिक रूप से बांध कर रखे। इसके लिए जरूरी था कि पहली या दूसरी बैठक में ही संगठन का ढांचा बनता, संयोजक व अध्यक्ष नियुक्त किए जाते, न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय होता और सबसे जरूरी सीटों का बंटवारा होता। ध्यान रहे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों ने एक सितंबर को मुंबई में हुई बैठक में सीट बंटवारे पर जोर दिया था और 31 अक्टूबर तक की अघोषित समयसीमा भी तय की गई थी। नीतीश ने बैठक में कहा था कि गठबंधन में सबसे पेचीदा मामला सीट बंटवारे का है इसलिए पहले उसे निपटाया जाए। लेकिन कांग्रेस ने इस पर चुप्पी साध ली। कांग्रेस की रणनीति यह थी कि साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव तक इसे टाला जाए क्योंकि उसमें कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद थी। अगर वह तीन राज्यों में सरकार बना लेती तो मोलभाव की क्षमता बढ़ जाती। तब वह ज्यादा मजबूती से सीटों के लिए मोलभाव करती। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कांग्रेस सिर्फ एक राज्य में जीत पाई। जब विधानसभा चुनाव के नतीजे आने लगे तब कांग्रेस के हाथ पैर फूले और सारे नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस ने विपक्षी पार्टियों को बैठक का न्योता भेजना शुरू कर दिया, जिसे सबने ठुकरा दिया। जाहिर है सबने कांग्रेस की होशियारी भांप ली थी। इसलिए बाद में बैठक के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय हुई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ममता बनर्जी ने अकेले लड़ने का मन बना लिया था तो नीतीश कुमार ने गठबंधन बदलने का फैसला कर लिया था। यह सबको पता है कि ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियों के नेता इस उम्मीद में गठबंधन से जुड़े थे कि सब मिल कर लड़ेंगे तो भाजपा की सीटें कम कर देंगे और तब इधर या उधर के गठबंधन में बड़ी भूमिका मिल सकता है। त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति में सर्वोच्च पद मिलने की भी उम्मीद कई नेता लगाए हुए थे। लेकिन हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार ने उनका मनोबल तोड़ दिया। पहले गठबंधन फाइनल करने और सीट बंटवारे में हुई देरी से निराशा था और ऊपर से दिसंबर के पहले हफ्ते में आए चुनाव नतीजे ने नेताओं को और निराश किया। भाजपा को टक्कर देने की उम्मीद टूटी तो सब अपने अपने रास्ते तलाशने लगे।

इसलिए किसी एक नेता या एक पार्टी को जिम्मेदार ठहरा कर उसके ऊपर ठीकरा फोड़ने से किसी को कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह सही है कि नीतीश कुमार का विपक्षी गठबंधन छोड़ कर भाजपा में जाना एक बड़ा झटका है। लेकिन कांग्रेस की भूमिका पर भी चर्चा होनी चाहिए, जिसने पहले दिन से गठबंधन को खुले दिल से नहीं अपनाया था। लेफ्ट पार्टियों की भी भूमिका की समीक्षा होनी चाहिए, जिनको भाजपा को हराने के लिए वैचारिक प्रतिबद्धता व समर्पण सबसे चाहिए लेकिन अपने असर वाले राज्य में किसी से समझौता मंजूर नहीं है और न किसी खास नेता के प्रति अपनी निजी खुन्नस छोड़नी है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने गठबंधन के अंदर रह कर जैसी राजनीति की उस पर भी बात होनी चाहिए। ममता ने बैठक में अचानक खड़गे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए क्यों सुझाया और क्यों केजरीवाल ने उसका समर्थन किया, इसकी व्याख्या होगी तब पता चलेगा कि कैसे गठबंधन के अंदर गठबंधन कैसे काम कर रहा था, जिसने एकजुट होकर भाजपा से लड़ने की संभावनाओं को कमजोर किया। सपा के साथ तो कांग्रेस ने कुछ मसला निपटाया है लेकिन शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट का मामला अब भी उलझा है। सो, ऐसा लग रहा है कि भानुपति का कुनबा जोड़ने की कोशिश हुई थी, जिसमें वक्ती तौर पर कामयाबी मिली थी लेकिन वह कामयाबी टिकाऊ साबित नहीं हुई। एकाध नई पार्टियों को छोड़ दें तो कुल मिला कर कांग्रेस के पास वहीं पुरानी यूपीए वाली पार्टियां बची हैं, जिनके साथ मिल कर उसे चुनाव लड़ना होगा।

पार्किंसंस की गिरफ्त में आते युवा

रविकुमार को जब ये पता चला कि उसे पार्किंसंस बीमारी है तो उसके लिए ये सदमें से कम नहीं था क्योंकि 34 की उम्र में जब कॅरियर ऊंचाई पर था, एसा रोग होना ही उनके लिए किसी गहरे आघात जैसा था।

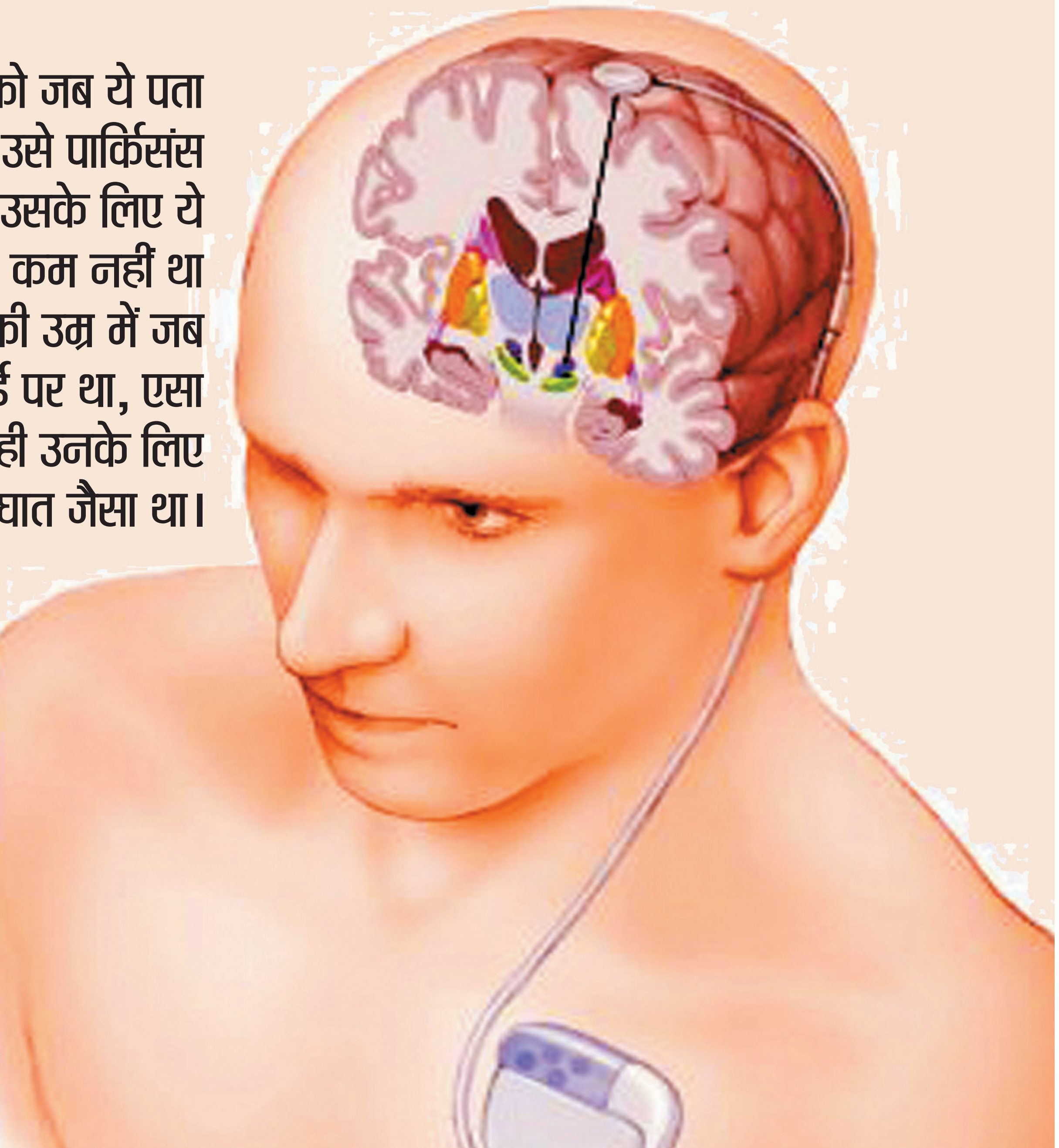

कुछ एसे ही दौर से पब्लिकेशन हाउस की एडिटर दीपा भी गुजर चुकी है। 38 की उम्र में जब उसने अपने बाएं हाथ में ट्यूमर नोटिस किया तो वो डॉक्टर से मिली। डॉक्टर ने उसे आश्वस्त किया कि कुछ नहीं है लेकिन बाद में ये पार्किंसंस बीमारी उभर कर सामने आई।

युवा भी होने लगे...

आजकल युवाओं में पार्किंसंस बीमारी के कई मामले देखने को मिल रहे हैं। परम्परागत तौर पर देंखे तो पार्किंसंस बीमारी ज्यादातर उम्रदराज लोगो में होती है, खासतौर से 60 साल की उम्र के लोगों में ये समस्या ज्यादा होती है। ये न्यूरोलॉजिकल बीमारी है जिसमें रोगी को कंपन होता है, जोकि इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि शारीरिक गतिविधियां रूक जाती है। तकरीबन 10 प्रतिशत लोगों में पार्किंसंस युवावस्था में देखने को मिल रही है। कई लोगों को ये 30 की उम्र में हो रहा है तो कई टीनएजर्स भी इसकी चपेट में आ रहे है।

आजकल पार्किंसंस बीमारी इतनी युवावस्था में देखने को मिल रही है इसलिए अब इसे उम्रदराज लोगों तक सीमित कहना गलत होगा। दरअसल ज्यादातर लोग शुरूआत में इस बीमारी के लक्षणों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते, सिर्फ कुछ लोग ही डॉक्टर से सलाह लेते हैं और जब युवाओं को इस बीमारी का पता चलता है तो ये तथ्य स्वीकार करना बड़ा मुश्किल हो जाता है, क्योंकि पहले ये बीमारी सिर्फ उम्रदराज लोगों तक ही सीमित रहती थी। इसी के चलते कई बार युवा इस बीमारी के होने को झुठलाते रहते हैं।

क्या है बीमारी

पार्किंसंस बीमारी शारीरिक गतिविधियों के विकारों की कैटगिरी में आता है जिसमें दिमागी कोशिकाएं बनना बंद हो जाती है। शुरूआती सालों में इसके लक्षण काफी धीमे होते हैं जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं और कई सालों तक ये नजरअंदाज ही रह जाते हैं।बाद में रोग की तीव्रता बढ़ जाती है।

लक्षण

पार्किंसंस बीमारी के लक्षणों में हाथ, बाजू, टांगों, मुंह और चेहरे में कंपकपाहट होना, जोड़ों या धड़ में कठोरता आना, हरकतों में धीमापन और सुंतलन और तालमेल बिगड़ना प्रमुख है। एडवांस स्टेज में रोगी को चलने, बात करने और दूसरे छोटे छोटे काम करने मे दिक्कत महसूस होती है।

युवा लोगों में पचास साल से पहले पार्किंसंस होना और सामान्य पार्किंसंस बीमारी या पचास साल के बाद ये बीमारी होने के बीच खास अंतर है। युवाओं में पार्किंसंस रोग तेजी से फैलता है और कई मनोचिकित्सक दुष्प्रभाव भी पड़ते हैं। मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ डॉ. सुमित सिंह के अनुसार दोनों ग्रुप युवाओं और उम्रदराज लोगों के बीच बीमारी होने में काफी अंतर है। युवा रोगियों को पागलपन का कम अनुभव होता है लेकिन दूसरे साइड इफैक्टस ज्यादा होते हैं जैसे कि दवाइयों को लेकर कंफ्यूजन, मतिभ्रम और गतिविधियों में तेजी, छटपटाहट आदि है। युवा रोगी शरीर के किसी भी एक या दो हिस्सों को असामान्य तरीके से मोड़ लेते हैं।

पार्किंसंस रोग में युवा रोगियों में टखनों और बाजू मोड़ने जैसे लक्षण उभरकर आते हैं।

सर्जरी क्यों

पार्किंसंस के इलाज में सर्जरी से न सिर्फ दवाइयां कम हो जाती है जो लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए ली जाती है। इससे दवाइयों के साइड इफैक्टस भी कम हो जाते हैं और लक्षणों पर भी नियंत्रण हो जाता है। इलाज के लिए ज्यादातर डोपामाइन दवाइयां मरीज को 5 से 7 साल तक आराम दे पाती हैं। इसके बाद तीस या 40 की उम्र के इन युवाओं के लिए सर्जरी ही एकमात्र विकल्प बचता है, क्योंकि इस दौरान उन्हें सक्रिय जिंदगी जीने की जरूरत होती है।

इलाज के बाद इन बातों पर ध्यान जरूरी

सर्जरी के बाद रोगी को डाक्टर से नियमित मिलता है जिससे वो रोगी के स्टीमुलाजेशन पेरामीटर की रीप्रोग्रामिंग करते है ताकि लक्षण नियंत्रित रहे और कम से कम साइड इफैक्टस हो। डिवाइस के लगाने के बाद न्यूरोसर्जन और दूसरे डाक्टर पोर्टेबल प्रोग्रामर की मदद से स्टीमुलाजेशन को एडजस्ट करते है जिससे कि न्यूरो स्टेमुलेटर के फंक्शन कंट्रोल में रहे और उस पर निगरानी भी रहे। बैटरी की उम्र में भी फर्क होता है। आमतौर पर बैटरी तीन से पांच साल तक चलती है लेकिन कई बार ये कम भी चलती है क्योंकि ये काफी हद तक रोगी की जरूरतों पर भी निर्भर करता है

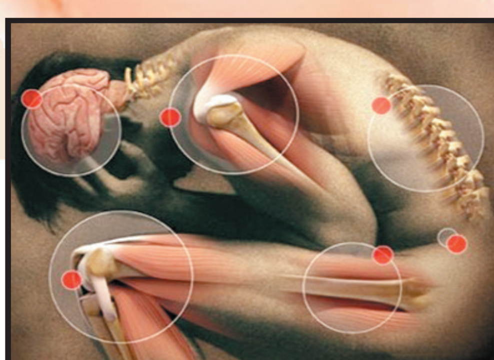

घर में बनाएं खुजली नाशक तेल

त्वचा पर खुजली चलने, दाद हो जाने, फोड़े-फुंसी हो जाने पर खुजा-खुजाकर हाल बेहाल हो जाता है और लोगों के सामने शर्म भी आती है। यदि आप कोई क्रीम या दवा लगाना न चाहें या लगाने पर भी आराम न हो तो घर पर ही यह चर्म रोगनाशक तेल बनाकर लगाएं, इससे यह व्याधियां दूर हो जाती हैं।

तेल बनाने की विधि –

नीम की छाल, चिरायता, हल्दी, लाल चन्दन, हरड़, बहेड़ा, आंवला और अडूसे के पत्ते, सब समान मात्रा में। तिल्ली का तेल आवश्यक मात्रा में। सब आठों द्रव्यों को 5-6 घंटे तक पानी में भिगोकर निकाल लें और पीसकर कल्क बना लें।

पीठी से चार गुनी मात्रा में तिल का तेल और तेल से चार गुनी मात्रा में पानी लेकर मिलाकर एक बड़े बरतन में डाल दें। इसे मंदी आंच पर इतनी देर तक उबालें कि पानी जल जाए सिर्फ तेल बचे। इस तेल को शीशी में भरकर रख लें। जहां भी खुजली चलती हो, दाद हो वहां या पूरे शरीर पर इस तेल की मलिश करें। यह तेल चमत्कारी प्रभाव करता है। लाभ होने तक यह मालिश जारी रखें, मालिश स्नान से पहले या सोते समय करें और चमत्कार देखें।

मन की शांति के लिए करें स्वयं का सम्मोहन

सम्मोहन या कहें कि आत्मसम्मोहन व आत्मचिंतन की मदद से शरीर तथा दिमाग दोनों सही परिणाम देने लगते हैं। हालांकि नकारात्मक विचार तनावपूर्ण परिस्थितियों की देन होते हैं, लेकिन आप अपने अंदर संतुलन पैदा कर आत्म सुझावों द्वारा उनका सामना कर सकते हैं।

इसके लिए कुछ लोग मंत्रों को मन ही मन पढ़ते या फिर बोलकर उच्चारण भी करते हैं, ताकि मन को शांति एवं नई दिशा व सजगता मिल सके। मंत्रों के शब्द मन के अंदर एक जबर्दस्त पवित्र छाप छोड़ते हैं। ये शब्द दिलो-दिमाग पर गूंजते हैं, जिससे पूरा शरीर प्रभावित होता है। ना, भावनाएँ और पाचन। इस तरह गंध की कोई खबर सबसे पहले हाइपोथैलमस को प्रभावित कर, उसकी कार्य विधियों को सही रखती है।

खास-खास किस्म की गंधों के जरिए तीनों दोषों (वात, कफ, पित्त) को भी संतुलित किया जा सकता है। जैसी तुलसी, संतरा-मौसंबी और लौंग की गंध वात को प्रभावित करती है, वैसे ही चंदन, गुलाब, पुदीना और दालचीनी की मीठी-ठंडी खुशबू से पित्त संतुलित रहता है। और लौंग, काली मिर्च, मिंट आदि की गंध कफ को संतुलित करती है। अन्य जरूरतों के लिए भी कई गंधों के मिश्रण तैयार किए जा सकते हैं। एक तरह से देखा जाए, तो आपका शरीर हमेशा उस वातावरण को ग्रहण करता रहता है, जिसमें आप रहते हैं और यह कार्य आपकी इंद्रियां करती हैं। लिहाजा, शारीरिक संतुलन के लिए शरीर का मन से संतुलन बनाए रखना भी जरूरी होता है। इसके लिए आत्म-सम्मोहन विधि सबसे ज्यादा उपयोगी साबित होती है। आत्म-सम्मोहन के दौरान ओंकार संगीतमय ध्वनि से आपके शरीर और दिमाग का संतुलन तो ठीक होता ही है, इर्द-गिर्द का वातावरण भी संतुलित होता है। इसमें कोई शक नहीं कि ध्वनि का मन और शरीर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। बिस्तर पर जाने से पहले या फिर तनाव की स्थिति में संगीत सुनने से मन आत्मचिंतन की प्रेरणा पाता है और प्रतिदिन आत्म-सम्मोहन के सफल अभ्यास से नकारात्मक भावनाएं दूर होती हैं और शरीर व मन स्वस्थ हो जाता है।

सही आदत नो बीमारी

आज चार वर्ष के बच्चे को भी चश्मा पहने देख सकते हैं और अस्सी साल के वृद्ध को भी... दोनों को कोई अंतर नहीं है दस साल के बच्चे को भी शुगर की बीमारी है तो 30 साल के युवा को भी। यदि कहा जाए कि अत्याधुनिक लाइफ स्टाइल ही हमारी ज्यादा और नई बीमारियों का कारण है, तो गलत नहीं होगा। इसके लिए कुछ हद तक तो हमारा लाइफस्टाइल जिम्मेदार है तो कुछ हमारी अपनी आदतें भी जिम्मेदार हैं। जिन्हें अगर हम सुधार लें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं, जैसा अन्न, वैसा मन। यह सौ फीसदी सही है। चूंकि नया लाइफस्टाइल अपनाने के चक्कर में सबसे पहले हम बदलते हैं डाइट। आजकल लोग दो मिनट में तैयार होने वाले फूड को प्रिफर करते हैं ताकि समय बचे जिसे वे और कहीं यूटिलाइज कर सकें। लेकिन अगर आपके पास स्वास्थ्य ही नहीं है तो फिर धन किस काम का। कहा भी गया है, पहला सुख निरोगी काया। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आप ताउम्र स्वस्थ रहें और किसी भी तरह की कोई बीमारी आपको न लगे तो सबसे पहले आप अपनी डाइट में सुधार करें और अपनी डाइट में हेल्दी और न्यूट्रीशियस खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

तनाव न बाबा न...

यह तो हम सब मानेंगे ही कि आजकल की हमारी जैसी जीवनशैली है उसमें आराम के पल कम और तनाव के पल ज्यादा मिलते हैं। जिसका सीधा सा असर हमारे शरीर पर पड़ता। जिस कारण कम उम्र में ही लोग ब्लड शुगर, हाईब्लड प्रेशर और न जाने कौन-कौन सी बीमारियों के घेरे में आ जाते हैं। इसलिए बीमारियों को कहना है गुडबाय तो पहले टेंशन को कहना होगा गुडबाय और स्माइल और खुशी को करना होगा वैलकम।

व्यायाम है जरूरी

स्वस्थ रहने के लिए अन्य जो बातें महत्वपूर्ण हैं उसमें सबसे पहली बात है कि सिगरेट और शराब का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा नियमित रूप से चाहें आप किसी भी उम्र के क्यों न हों व्यायाम या योग करें। इससे एक तो आपकी अतिरिक्त चर्बी और कैलोरी कम होती है दूसरे आपका शरीर अंदर से स्वस्थ महसूस करता है। इसलिए हर रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम तो जरूर ही करें।

मन को काबू में रखें

मन पर आत्म अनुशासन नहीं होने के कारण वहां लगता है, जहां निर्माण नहीं, विध्वंस है। यह मन निंदा और आलोचना में रमता है, विषय-वासना की तरफ आकर्षित होता है। एसा पागल मन व्यक्ति को कभी एसी गहरी खाई में पटक देता है, जहां केवल अंधेरा, घुटन और गहरी यंत्रणा के अलावा कुछ नहीं होता। यह सही है कि मन के खिलाफ नहीं जाना चाहिए, लेकिन उसको इतना साथ भी नहीं कर लेना चाहिए कि वह हमें किसी गहरे संकट पहुंचा दे। रावण की विद्वत्ता अद्भुत थी। उसके भाई विभीषण ने उसे समझाने की कोशिश की कि सीता का हरण उसके लिए मौत का कारण बन जाएगा, लेकिन मन के वश में होकर रावण ने सब कुछ जानते, समझते हुए युद्ध का रास्ता चुना, जिसमें वह तो मारा ही गया, उसका पूरा कुल भी नष्ट हो गया। हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि यह मन हमारा है यानी हम मन के अधीन नहीं है, ठोकरों के बाद संभलना और इसके साथ ही मन का बदलना मानवता है।

बीमा, फिनटेक, एमएसएमई ग्रीन एनर्जी और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को बजट से उम्मीदें

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2023 को बजट पेश करेंगी। ऐसे तो ये अंतरिम बजट है पर चुनावी साल को देखते हुए बाजार के विभिन्न तबकों की बजट से अपनी-अपनी अपेक्षाएं हैं। बीमा, एमएसएमई, ग्रीन एनर्जी और फिनटेक सेक्टर के दिग्गजों ने से उम्मीदों पर अपनी-अपनी राय दी है।**बीमा क्षेत्र :** श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर अजीत बनर्जी ने कहा कि इस बार बजट में आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के अलावा अलग-अलग कर कटौती की पेशकश करना जीवन बीमा उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य कदम होगा क्योंकि यह उद्योग लंबे समय से इसका अनुरोध रहा है। इसके परिणामस्वरूप जीवन बीमा की पैठ बढ़ेगी जिससे सरकार आईआरडीएआई के सभी के लिए बीमा के जनादेश को अधिक गति से पूरा करने में सक्षम होगी। एक और चीज जो जीवन बीमा को काफी बढ़ावा देगी, वह है वार्षिकी आय पर कर हटाना। इससे हमें एक पेंशनभोगी समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है, जिसमें अधिक लोग वार्षिकी का विकल्प चुन सकेंगे और अपने आखिरी वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

ग्रीन एनर्जी : जैक्सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक समीर गुप्ता के अनुसार भारत ऊर्जा के क्षेत्र में स्वतंत्रता और जलवायु संरक्षण की दिशा में प्रयास कर रहा है, नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में तेजी लाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जैक्शन ग्रीन बजट से ऐसे फैसलों की उम्मीद करता है जो स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया को तेज और अधिक लागत प्रभावी बनाएं। उन्होंने कहा कि एसऊवाय25 में सोलर मॉड्यूल पर 40 प्रतिशत बेसिक कस्टम्स ड्यूटी को कम करना या माफ करना डेवलपर्स के लिये लागत को काफी कम करेगा और प्रोजेक्ट व्यवहार्यता को बढ़ावा देगा। यह त्वरित कार्रवाई सौर क्षमता वृद्धि में तेजी लाएगी और भारत के स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया को गति देगा।

एमएसएमई सेक्टर : ओएनडीसी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि इस वर्ष का बजट देश भर में छोटे स्टार्टअप, एमएसएमई और बड़े व्यवसायों के ओएनडीसी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा। भारत समावेशी डिजिटलीकरण और उच्च विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का पीछा कर रहा है, हम व्यापार करने को आसान बनाने के लिए सरकार से और कदम उठाने की उम्मीद करते हैं, विशेष रूप से छोटे उद्यमों के लिए जो डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पीएम गतिशक्ति और राष्ट्रीय रसद नीति जैसी पहलों के माध्यम से लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे का चल रहा आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण प्रशंसनीय है। मजबूत लॉजिस्टिक्स विशेष रूप से एमएसएमईएस और स्टार्टअप्स को ओएलडीसी नेटवर्क जैसे भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा बनाए गए अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने में सक्षम करेगा।

बजट में, हम वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में अधिक सरलीकृत संचालन और कर अनुपालन की उम्मीद करते हैं। हमें विश्वास है कि सरकार उभरते व्यापार मॉडल के लिए नियामक अनुपालन आवश्यकताओं में सुधार करना जारी रखेगी जो डीपीआई पर निर्भर करते हैं। अंत में, हम छोटे व्यवसायों और उपभोक्ताओं को समान रूप से डिजिटाइज़ करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहनों की सराहना करते हैं। हम छोटे शहरों, कस्बों और गांवों सहित देश भर में डिजिटलीकरण में तेजी लाने के लिए आगे की योजनाओं की उम्मीद करते हैं।

ग्रामीण उद्यमियों की मदद के लिए उठाए जाएं कदम : भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट के अनुसार वर्तमान अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों को देखते हुए बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) पर रणनीतिक रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। उद्यम पंजीकरण पोर्टल के अनुसार, एमएसएमई क्षेत्र, कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार पैदा करने वाला क्षेत्र है, जिसने 1 जुलाई, 2020 से 1 अगस्त, 2023 के बीच 12,36,15,681 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया है। इसका महत्व समझते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने विभिन्न योजनाएं लागू की है, जिनमें ऋण सहायता, नए उद्यम विकास, फॉर्मलाइजेशन, तकनीकी सहायता, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, कौशल विकास और बाजार की सहायता आदि शामिल हैं। ग्रामीण उद्यमियों को उनकी डिजिटल क्षमताएं बढ़ाने में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। ग्रामीण एमएसएमई वास्तव में अप्रयुक्त क्षमता के भंडार हैं, जिनका प्रयोग होने पर, देश को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने में मदद मिलेगी। इन्हें 2-3 प्रतिशत की ब्याज छूट दी जानी चाहिए या 25 लाख रुपये तक की क्रेडिट सीमा वाली मैन्यूफेक्चरिंग माइक्रो यूनिट्स के लिए स्वीकृत ऋण के 5-10 प्रतिशत की बैक-एंड कैपिटल सब्सिडी जैसे लाभ पर विचार किया जाना चाहिए।

ऑटो सेक्टर : जूमकार के सीईओ और सह-संस्थापक ग्रेग ने कहा कि पिछले साल के बजट ने भारत में ईवीएस को अधिक अपनाने पर जोर दिया था जिसके परिणामस्वरूप अधिक हरित और स्मार्ट विकल्प तैयार करने का दौर शुरू हुआ। भारत बाजारों और डिजिटलीकरण के उदय के साथ, इस दिशा में ऐसा पहला राष्ट्र बन रहा है जो विश्व स्तर पर उच्च मानक भी स्थापित कर रहा है। केंद्रीय बजट 2024 के बारे में हमारा अनुमान है कि यह ऐसे अभिनव नीतियों का मार्ग प्रशस्त करेगा जो टिकाऊ गतिशीलता से जुड़े समाधानों में तेजी लाएगा और आर्थिक लचीलापन बढ़ाएगा।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर : द हॉस्टलर यात्रा के संस्थापक और सीईओ प्रणव डांगी ने बताया कि पर्यटन और आतिथ्य उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। यह जानते हुए, भारत सरकार ने पिछले बजटों में हवाई, सड़क और ट्रेनों बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए विकास पर अधिक जोर दिया था। इस बजट में सरकार से यह उम्मीद की जा रही है कि वह इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार के लिए आगे बढ़ेगी और उद्योग के समग्र विकास की गति बनाए रखेगी। उद्योग के निरंतर, स्वस्थ और सतत विकास का प्रयास जारी रहेगा। नए भारत के लिए भारत का 2047 का विजन आतिथ्य उद्योग के लिए अतिरिक्त और तत्काल उपायों के बिना पूरा नहीं हो सकता है। जीएसटी दरों को कम करके इसे 5-6 प्रतिशत तक लाने से जैसा कि अन्य दक्षिण एशियाई देशों में है से होटल उद्योग को मदद मिलेगी। होटल उद्योग के तेजी से विकास के लिए लाइसेंस प्रदान करने के लिए सिंगल विंडो बनाने से भी मदद मिलेगी।

फिनटेक : साहीबंधु गोल्ड लोन्स के सह-संस्थापक और सीओओ अनुज अरोड़ा ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अंतरिम बजट 2024 वंचितों के उत्थान के सरकार के मिशन पर आधारित होगा। हम सरकार से सरकार से आम लोगों के लिए और अधिक लाभार्थी योजनाओं को शुरू करने की अपेक्षा रखते हैं। विशेष रूप से जब आम सभा चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, हाशिए के लोगों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाना जरूरी है। वित्तीय सेवाओं को नया आकार देने में फिनटेक और तकनीक-आधारित गोल्ड लोन उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, हम अपने विकास का समर्थन करने वाली नीतियों की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, विशेष रूप से टियर 2, 3 और 4 शहरों और ग्रामीण समुदायों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने की दिशा में काम किया जाता चाहिए। वित्तीय और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एसएमई को सशक्त बनाने के लिए समर्पित फिनटेक को प्रोत्साहित करना एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने 16वें वित्त आयोग में 4 सदस्यों को किया शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 16वें वित्त आयोग में चार सदस्यों को नियुक्त किया है। इसमें पूर्व एक्सपेंडिचर सेक्रेटरी अजय नारायण झा और एसबीआई ग्रुप के चीफ इकनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष के साथ-साथ दो और मेंबर्स हैं। अजय नारायण झा पिछले वित्त आयोग में भी थे। नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया की अगुवाई में इस वित्त आयोग के चार सदस्य होंगे। इनके सहयोग के लिए सेक्रेटरी रित्विक रंजनम पांडे, दो संयुक्त सचिव और एक इकनॉमिक एडवाइजर साथ होंगे। वित्त आयोग एक संवैधानिक बॉडी है जिसका काम केंद्र और राज्यों के बीच के वित्तीय संबंधों पर सुझाव देना है। 16वें वित्त आयोग के बाकी सदस्यों की बात करें तो इसमें अजय नारायण झा के अलावा रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट ऐनी जॉर्ज मैथ्यू और अर्थ ग्लोबल के एग्जेक्यूटिव डायरेक्टर निरंजन राजध्यक्ष को फुल टाइम मेंबर्स के तौर पर आयोग में रखा गया है। वहीं वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक सौम्य कांति घोष पार्ट-टाइम मेंबर होंगे। आयोग के चेयरमैन और बाकी सदस्य जिस दिन से अपना पद संभालेंगे, उस दिन से रिपोर्ट दाखिल होने या 31 अक्टूबर 2025, इनमें जो पहले हो, उस समय तक पद पर बने रहेंगे। सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन किया था। पैनल 31 अक्टूबर 2025 तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप देगा। रिपोर्ट 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि को कवर करेगी। केंद्र और राज्यों के बीच टैक्स के बंटवारे और रेवेन्यू बढ़ाने के उपायों का सुझाव देगी। वित्त आयोग डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत फाइनेंसिंग डिजास्टर मैनेजमेंट की पहल को लेकर जो इंतजाम हुए हैं, उनकी समीक्षा करेगा।

सुजलॉन एनर्जी को मिला 642 मेगावाट की पवन परियोजना का ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी सोल्यूएशन प्रोवाइडर सुजलॉन ग्रुप के शेयर मंगलवार को इंट्राडे कारोबार में 3.7 प्रतिशत चढ़ गए। कंपनी के शेयर सोमवार को 43.27 रुपए पर बंद हुए थे। बता दें कि कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे बड़ा कारण है। दरअसल सुजलॉन ग्रुप को एवरेन कंपनी, एबीसी क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड (एसीपीएल) से 642 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर मिला है। एवरेन भारत में ब्रुकफील्ड और एक्सिस एनर्जी के बीच एक संयुक्त उद्यम है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ठेके के तहत सुजलॉन आंध्र प्रदेश में हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर और 214 पवन टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेगा। सुजलॉन समूह के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती ने एक बयान में कहा, सुजलॉन भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के तहत हरित ऊर्जा खंड को बढ़ाने के लिए एवरेन के साथ साझेदारी को प्रतिबद्ध हैं।'' सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे.पी. चालासानी ने कहा, ''हमें एवरेन के साथ अपने पहले ठेके की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।''

नोवा एग्रीटेक के आईपीओ की दमदार लिस्टिंग! निवेशक हुए मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक के आईपीओ की आज यानी बुधवार को लिस्टिंग हो गई है। इस आईपीओ में पहले ही दिन निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ है। नोवा एग्रीटेक के शेयर की लिस्टिंग इश्यू प्राइस 41 रुपये के मुकाबले 56 रुपये पर हुई है। निवेशकों को इस आईपीओ में 36 फीसदी से ज्यादा का लिस्टिंग गेन मिला है। निवेशकों को आईपीओ में पहले ही दिन शानदार मुनाफा हुआ है। नोवा एग्रीटेक के शेयर लिस्टिंग के बाद से ही रॉकेट की स्पीड से भाग रहे हैं। शेयर अभी 40 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 58.79 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। लिस्टिंग के कुछ समय बाद ही नोवा एग्रीटेक के शेयरों में अपर सर्किट लग गया है। शेयरों में निवेशकों की अच्छी खरीदारी देखी जा रही है।

ग्रे मार्केट में नोवा एग्रीटेक के शेयरों को पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा था। इसके चलते नोवा एग्रीटेक के शेयरों की अच्छी लिस्टिंग की संभावना जताई जा रही थी। शेयर के इश्यू प्राइस 41 रुपये के मुकाबले 58 रुपये से 72 रुपये के बीच खुलने की उम्मीद जताई जा रही थी। हालांकि इस आईपीओ की लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट प्रीमियम में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। मार्केट में उतार-चढ़ाव और एग्री इनपुट के ज्यादा कंपटीटिव सेगमेंट में काम करने के बावजूद इस आईपीओ में सभी कैटेगरी के निवेशकों ने जमकर दांव लगाया था। नोवा एग्रीटेक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ बीती 22 जनवरी 2024 को खुला था। इस आईपीओ में निवेशकों के पास 24 जनवरी तक बोली लगाने का मौका था।

देश की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बनी टाटा मोटर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी बन गई है। उसने देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप मंगलवार को 2,85,515.64 करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि टाटा मोटर्स लि. -डीवीआर का बाजार पूंजीकरण 29,119.42 करोड़ रुपये रहा। कुल मिलाकर यह 3,14,635.06 करोड़ रुपये रहा। यह मारुति के 3,13,058.50 करोड़ रुपये के मार्केट कैप से 1,576.56 करोड़ रुपये अधिक है। टाटा कंपनी के मार्केट कैप में उसके वैल्यूएशन के अलावा डीवीआर (डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स) शेयर शामिल हैं। टाटा मोटर्स का शेयर मंगलवार को बीएसई में 2.19 प्रतिशत चढ़कर 859.25 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 5.40 प्रतिशत उछलकर 886.30 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया था। टाटा मोटर्स-डीवीआर शेयर 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 572.65 रुपये पर पहुंच गया। वहीं मारुति का शेयर 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,957.25 रुपये पर बंद हुआ।

सेंसेक्स और निफ्टी कंपनियों में टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा लाभ में रहने वाली कंपनियों में शामिल रही। डीवीआर शेयर सामान्य इक्विटी शेयरों की तरह होते हैं लेकिन इसमें वोटिंग राइट और डिविडेंड राइट अलग होते हैं। कंपनियां जबरिया अधिग्रहण को रोकने और खुदरा निवेशकों को जोड़ने के लिए डीवीआर जारी करती हैं। देश में इलेक्ट्रिक वीकल्स और एसयूवी की सफलता के साथ ही जगुआर लैंड रोवर के शानदार प्रदर्शन से टाटा मोटर्स के शेयरों में तेजी आई। हाल की तिमाहियों में कंपनी के मुनाफे में काफी सुधार देखने को मिला। एसयूवी सेगमेंट में दमदार बिजनस के दम पर कंपनी की प्रॉफिटैबिलिटी में सुधार आया है। टाटा मोटर्स फाइनेंशियल ईयर 2019 से 2022 तक लगातार घाटे में रही। लेकिन देश में इलेक्ट्रिक वीकल के भी तेजी से बढ़ रहे मार्केट से टाटा मोटर्स को फायदा हुआ है। फाइनेंशियल ईयर 2023 में कंपनी फायदे में रही। दूसरी ओर मारुति को अभी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करनी है। हालांकि कंपनी की पेट्रोल एसयूवी और महंगी कारों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। मार्केट कैप के लिहाज से टाटा मोटर्स और मारुति के बाद बजाज ऑटो तीसरे (2.1 लाख करोड़), महिंद्रा चौथे (दो लाख करोड़), आयशर पांचवें (एक लाख करोड़), टीवीएस (93 हजार करोड़) छठे, हीरो मोटो कॉर्प (92 हजार करोड़) सातवें और अशोक लीलैंड (50 हजार करोड़) आठवें नंबर पर है।

चीन में लगातार चौथे महीने विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट

सिंगापुर। चीन में विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में लगातार चौथे महीने गिरावट आई है। यह कमजोर मांग और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में सुस्त पुनरुद्धार का संकेत है। आधिकारिक खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी में 49.2 रहा, जो दिसंबर 2023 में 49.0 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। आईएनजी इकनॉमिक्स के लिन सॉन्ग ने एक रिपोर्ट में कहा, ''कुल मिलाकर पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि चीन की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत नरम बनी हुई है... वैश्विक महामारी के बाद अप्रत्याशित रूप से लंबी कमजोरी के बीच अर्थव्यवस्था पिछले साल 5.2 प्रतिशत की वार्षिक गति से बढ़ी। सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, औद्योगिक गतिविधियों के अलावा चीन का गैर-विनिर्माण पीएमआई बढ़कर 50.7 हो गया। सेवा क्षेत्र पीएमआई उप-सूचकांक दिसंबर के 49.3 से बढ़कर जनवरी में 50.1 रहा।

फाइव स्टार होटल चलाने वाली दिल्ली की कंपनी का आ रहा है आईपीओ

मुंबई एजेंसी। लक्जरी होटल चलाने वाली दिल्ली की कंपनी एपीजे सुरेंद्रा पार्क होटल्स इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ लाने वाली है। इस कंपनी का आईपीओ आगामी सोमवार यानी पांच फरवरी 2024 को बाजार में हिट करेगा। कंपनी ने आईपीओ में एक रुपया फेस वैल्यू वाले शेयर का प्राइस बैंड 147 से 155 तय किया है। आइए जानते हैं इस आईपीओ के बारे में सबकुछ।

इस आईपीओ में निवेशकों को अगले सोमवार, से बोली लगाने का मौका मिलेगा। यह आईपीओ सात फरवरी 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। इसमें एंकर इनवेस्टर्स दो फरवरी मतलब शुक्रवार को ही बोली लगाएंगे। एपीजे सुरेंद्रा पार्क होटल्स के आईपीओ के आधार पर शेयरों के आवंटन को गुरुवार, 8 फरवरी को अंतिम रूप दिया जाएगा और कंपनी शुक्रवार, 9 फरवरी को रिफंड शुरू करेगी। जिन अप्लीकेंट को शेयर नहीं मिलेंगे, उसी दिन उनके खाते में पैसे वापस कर दिए जाएंगे। जिन्हें शेयर मिलेगा, उन आवंटियों के डीमैट खाते में उसी दिन शेयर जमा कर दिए जाएंगे। एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का शेयर सोमवार, 12 फरवरी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है।

क्या है प्राइस बैंड

कंपनी ने इस आईपीओ के लिए हर शेयर का फेस वैल्यू एक रुपया रखा है। इसका प्राइस बैंड 147 से 155 रुपये तय किया है। मतलब कि इसका फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य का 147 गुना है, और कैप प्राइस इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य का 155 गुना है।

एपीजे सुरेंद्रा पार्क होटल्स आईपीओ ने योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए सार्वजनिक निर्गम में कम से कम 75 प्रतिशत शेयर, गैर-संस्थागत संस्थागत निवेशकों के लिए 15 प्रतिशत से अधिक नहीं और रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत शेयर रिजर्व किए हैं। एपीजे सुरेंद्रा पार्क होटले के आईपीओ का आकार 920 करोड़ रुपये का है। इसमें 600 करोड़ के फ्रेश इक्विटी इश्यू जबकि 320 करोड़ का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है। आईपीओ के जरिये मिली राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट ऑपरेशन के साथ-साथ कंपनी द्वारा लिए गए किसी भी बकाया उधार के पूर्ण या आंशिक रिटर्न या पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। इस कंपनी के प्रोमोटर एपीजे प्राइवेट लिमिटेड 296 करोड़ के शेयर बेचेंगे। इनके अलावा आरईसीपी वीआई पार्क होटल इन्वेस्टर्स लिमिटेड 23 करोड़ के शेयर बेचेंगे, और आरईसीपी वीआई पार्क होटल को-इनवेस्टर्स लिमिटेड भी 1 करोड़ के शेयर बेचेंगे। .

कौन है इश्यू का रजिस्ट्रार

एपीजे सुरेंद्र पार्क आईपीओ के रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटे हैं। इसके बुक रनिंग लीड मैनेजर जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड हैं।

क्या है इस आईपीओ का जीएमपी

एपीजे सुरेंद्रा पार्क होटल्स लिमिटेड की ट्रेडिंग अभी ग्रे मार्केट में शुरू नहीं हुई है। इसलिए अभी इस कंपनी के आईपीओ के बारे में कोई ग्रे मार्केट प्रीमियम की जानकारी नहीं है। जैसे ही इस बारे में जानकारी आएगी, आपको अपडेट करेंगे।

जूतों की कीमत जानकर पैरों के नीचे से खिसक जाएगी जमीन, जिंदगीभर कमाकर भी इन्हें खरीदना है नामुमकिन

नईदिल्ली, एजेंसी। अमीर लोगों में जूते सोशल स्टेटस का प्रतीक भी माने जाते हैं। जूते के डिजाइन की क्वालिटी जितनी बढ़िया होगी, उनकी कीमत उतनी ही अधिक होगी। इसलिए प्रीमियम शूज डिजाइनर अपना जूता बनाने में बेहद महंगे मैटेरियल का इस्तेमाल करते हैं।

स्टुअर्ट वीट्ज़मैन रीटा हेवर्थ हील्स को बेहद खास तरह से बनाया गया है। स्टुअर्ट वेट्जमैन ने पुरानी हॉलीवुड एक्ट्रेस रिटा हेवर्थ के झुमके की एक जोड़ी को जूतों में बदल दिया है। इन जूतों की कीमत भी 3 मिलियन डॉलर (24,70,42,368 रुपये) है। रिटा हेवर्थ के झुमके जूतों के सेंटर में दिखाई देते हैं। इस जोड़ी के पैर के अंगूठे के चारों तरफ साटन रफल हीरे, नीलम और माणिक जैसे र प्रतिशतों का इस्तेमाल किया गया है।

माणिक से सजाया गया जूता

हैरी विंस्टन रूबी स्लीपर्स की जोड़ी को काफी मेहनत से बनाया गया है। इन जूतों में 50 कैरेट के हीरे के अलावा 1350 कैरेट के माणिक भी शामिल हैं। जूतों की कीमत की बात करें तो यह 3 मिलियन डॉलर यानी करीब 24,70,42,368 रुपये है।

जूते में लगाए गए महंगे र प्रतिशत

डेबी विंघम हाई हील्स में दुनिया के कुछ सबसे महंगे र प्रतिशत जड़े हुए हैं। जूते की बॉडी प्लैटिनम से बनी है। इन जूतों के बाकी हिस्से में इस्तेमाल किया गया चमड़ा 24 कैरेट सोने से रंगा गया है। इस जूते को 18 कैरेट सोने के धागे का इस्तेमाल करके सिला गया था। डेबी विंघम हाई हील्स की कीमत करीब 15.1 मिलियन डॉलर यानी 1,24,34,46,495 रुपये है।

प्योर गोल्ड से बनाया गया

पैशन डायमंड शूज को प्योर गोल्ड से बनाया गया है। इसे बनाने में करीब 9 महीनों का समय लगा। इसकी कीमत 17 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,39,99,06,650 रुपये है। जदा दुबई और पैशन ज्वेलर्स ने मिलकर इसे बनाया था। इसमें दो 15 कैरेट डी-ग्रेड डायमंड हैं। साथ ही ट्रिम को सजाने के लिए अलग से 238 हीरों का इस्तेमाल भी हुआ है।

इस जूते में लगे हैं हीरे

दुनिया में अब तक बिका सबसे महंगा जूता मून स्टार शूज है। ह जूता प्योर गोल्ड से बना है। इसमें 30 कैरेट के हीरे लगे हैं। साथ ही यह 1576 के एक उल्कापिंड से बनाया गया है। 24 कैरेट सोने से बने इन जूतों की पहली जोड़ी एंटोनियो विएट्री द्वारा साल 2017 में बनाई गई थी। इन्हें ग्राहकों तक हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया था। इस हील वाले शूज की कीमत 19.9 मिलियन डॉलर यानी 1.63 अरब रुपये है।

शिवम दुबे के लिए आई अच्छी खबर -मुंबई की रणजी टीम में मिली बड़ी जिम्मेदरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के ञ्20 ऑलराउंडर शिवम दुबे को मुंबई की क्रिकेट टीम के नए उपकप्तान नियुक्त किए गए हैं। मंगलवार को चयनकर्ताओं ने 2 फरवरी से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बंगाल के खिलाफ खेले जाने वाले अगले मैच के लिए टीम चुनते समय शिवम दुबे को कप्तान अजिंक्य रहाणे के डिप्टी के रूप में प्रमोट करने का फैसला किया। शिवम दुबे को इसलिए प्रमोट किया गया है, क्योंकि मुंबई के नियमित उपकप्तान शम्स मुलानी को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे अनाधिकारिक टेस्ट में इंडिया ए की ओर से खेलने के लिए चुना गया है। 30 वर्षीय शिवम दुबे ने सोमवार 29 जनवरी को उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की दो विकेट की करीबी हार में अपनी सीम गेंदबाजी से पहली पारी में 32 रन देकर 3 विकेट लेने के अलावा 117 रन भी बनाए थे। मुंबई क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता राजू कुलकर्णी ने टीओआई को बताया, उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और इस सीजन में भारत और मुंबई दोनों के लिए अपनी योग्यता साबित की है। यह मुंबई क्रिकेट के लिए एक कदम आगे है।

सरफराज खान को हरभजन सिंह की वॉर्निंग- जब विराट कोहली लौटेंगे तो...

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरे टेस्ट मैच से पहले सरफराज खान को वॉर्निंग दी है। हरभजन सिंह चाहते हैं कि अगर सरफराज को खेलने का मौका मिले, तो वह इस मौके का

ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाएं। लगातार तीन रणजी ट्रॉफी सीजन में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज को आखिरकार भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में जगह मिली है। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए, जिसके बाद सरफराज, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया। इसके अलावा विराट कोहली भी पहले दो टेस्ट मैचों के लिए इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। हरभजन सिंह ने कहा कि विराट की गैरमौजूदगी में अगर सरफराज मौके को बेकार करते हैं, तो ऐसे में शायद ही उन्हें दूसरा मौका मिल पाए। हरभजन सिंह ने कहा, सरफराज खान को इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना ही होगा क्योंकि जब विराट कोहली लौटेंगे, तो किसी को तो टीम से बाहर जाना होगा, तो उसके पास मौके को बेकार जाने देने का भी मौका नहीं है।

शुभमन-सिराज बाहर बैठे तो दोनों कर सकते हैं डेब्यू

सरफराज या पाटीदार- किसे मिलेगा मौका, दूसरे टेस्ट में किसी एक का खेलना कन्फर्म

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया नए प्लेइंग-11 के साथ उतरेगी। टीम के बैटर केएल राहुल और लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट की वजह से दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। मैच में सरफराज खान या रजत पाटीदार को मौका मिल सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि दोनों को डेब्यू का मौका मिल जाए, लेकिन ऐसा दो सिनेरियो में ही संभव है। पाटीदार ने वनडे डेब्यू कर लिया है, लेकिन सरफराज को अब तक किसी फॉर्मेट में मौका नहीं मिला है। पाटीदार को विराट कोहली की जगह टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था। पूर्व कप्तान कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं सरफराज को इंजर्ड राहुल की जगह टीम में चुना गया।

टीम इंडिया के दो खिलाड़ी चोट की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पिछले मैच की प्लेइंग-11 के 9 खिलाड़ी फिट हैं। ऐसे में टीम इंडिया दूसरे मैच में 7 बैटर्स, 3 स्पिनर्स और एक फास्ट बॉलर के कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है। इस स्थिति में रजत और सरफराज दोनों को डेब्यू का मौका मिल सकता है। दूसरा टेस्ट विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। जहां स्पिनर्स ज्यादा हावी रहते हैं, ऐसे में टीम किसी एक पेसर और 3 स्पिनर्स के साथ भी उतर सकती हैं। वहीं मोहम्मद सिराज को बाहर

बैठाकर सिर्फ जसप्रीत बुमराह और 3 स्पिनर्स को मौका दिया जा सकता है। जडेजा की कुलदीप यादव खेल सकते हैं, जबकि बाकी 2 स्पिनर्स रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल रहेंगे। सिराज को हैदराबाद टेस्ट में ज्यादा बॉलिंग का मौका नहीं मिला, ऐसे में टीम उन्हें बाहर बैठा सकती है। सिराज 2 पारियों में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। वहीं इंग्लैंड के इकलौते फास्ट बॉलर मार्क वुड भी कुछ खास नहीं कर सके थे। ऐसे में दूसरे टेस्ट में 2 पेसर्स को खिलाने का कोई फायदा नजर नहीं आता।

पहले टेस्ट की तरह दूसरे टेस्ट में भी टीम 6 बैटर, 3 स्पिनर्स और 2 पेसर्स के साथ भी जा सकती है। जडेजा की जगह कुलदीप का खेलना लगभग कन्फर्म है क्योंकि वह ही स्पिन कंडीशन में टीम के तीसरे बेस्ट स्पिनर हैं। उनके साथ अश्विन और अक्षर स्पिनर रहेंगे, वहीं पेसर्स में बुमराह और सिराज ही खेलेंगे। इस कंडीशन में राहुल की जगह पाटीदार या सरफराज में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। पाटीदार स्क्वॉड में पहले टेस्ट से हैं, जबकि सरफराज दूसरे टेस्ट में शामिल किए गए। ऐसे में पाटीदार को प्राथमिकता दी जा सकती है। लेकिन देखने वाली बात ये होगी कि क्या टीम इंडिया स्पिन फ्रेंडली पिच पर फिर से 2 पेसर्स को खिलाने की गलती करेगी।

टीम इंडिया आउट ऑफ फॉर्म चल रहे टॉप ऑर्डर बैटर शुभमन गिल को भी दूसरे टेस्ट से बाहर कर सकती है। श्रेयस अय्यर का फॉर्म भी कुछ खास नहीं है, ऐसे में इनमें से किसी एक को भी अगर विशाखापट्टनम में बाहर बैठाया गया तो पाटीदार और सरफराज दोनों को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है। ऐसे में भी टीम 6 बैटर, 3 स्पिनर्स और 2 पेसर्स के साथ फिल्ड पर उतरेगी। गिल पिछली 11 पारियों से हाफ सेंचुरी भी नहीं लगा सके। उन्होंने 9 मार्च, 2023 को अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी बार 128 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद सेंचुरी तो छोड़िए, एक हाफ सेंचुरी तक नहीं आई। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 36 रहा, जो उन्होंने इसी साल 3 जनवरी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। दूसरी ओर श्रेयस ने भी 12 पारी पहले ही हाफ सेंचुरी लगाई थी। इस बीच 35 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने आखिरी फिफ्टी बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2022 में लगाई थी।

अगला मैच नहीं खेलेंगे मयंक अग्रवाल

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत, साजिश का लगाया आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के खिलाड़ी और कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वह अगरतला से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार प्लेन में बीमार पड़ गए। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। वह फिलहाल ठीक हैं और खतरे से बाहर हैं। उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। लेकिन अब अस्पताल में भर्ती होने के बाद मयंक अग्रवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

मयंक अग्रवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है और उन्होंने साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने पानी समझकर एक पाउच से एक पेय पदार्थ पीया था जो विमान में उनकी सीट पर रखा था। इसे पीने के बाद वे बीमार पड़ गए। मयंक ने अपने मैनेजर के जरिए पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

अक्षदीप ने 20 किमी पैदल चाल में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा, सूरज ने ओलंपिक के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के सूरज पंवार दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने पेरिस ओलंपिक का एक घंटे 20 मिनट 10 सेकंड का क्वालिफाइंग मार्क पार किया। उन्होंने एक घंटे 19 मिनट 43 सेकंड का समय निकाला। वह पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की पैदल चाल के लिए क्वालिफाई करने वाले चौथे भारतीय हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके पंजाब के अक्षदीप सिंह ने राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में मंगलवार को पुरुषों के 20 किलोमीटर वर्ग में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा 2023 जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। उत्तराखंड के सूरज पंवार

दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने पेरिस ओलंपिक का एक घंटे 20 मिनट 10 सेकंड का क्वालिफाइंग मार्क पार किया। उन्होंने एक घंटे 19 मिनट 43 सेकंड का समय निकाला। वह पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की पैदल चाल के लिए क्वालिफाई करने वाले चौथे भारतीय हैं।

मुश्किल में भारतीय एथलेटिक्स संघ

प्रेमजीत सिंह बिष्ट और विकास सिंह भी क्वालिफाई कर चुके हैं। एक देश से तीन ही खिलाड़ी ट्रैक और फील्ड की व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग ले सकते हैं और अब भारतीय एथलेटिक्स संघ को तय करना है कि इन चारों में से कौन पेरिस जाएगा। इसे लेकर संघ मुश्किल में पड़ गया है। अब देखना है कि पेरिस जाने के लिए किसका चयन होता है।

स्कूल बस ड्राइवर की बेटी ने कुश्ती में जीता मेडल

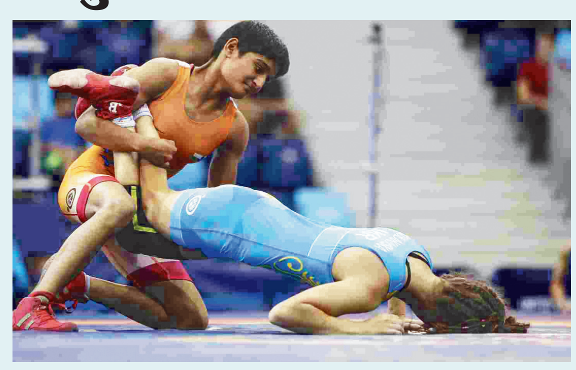

चेन्नई, एजेंसी। एक बाप-बेटी की कहानी काफी दिलचस्प है। जब आठ वर्षीय तन्नु सुबह 4.30 बजे अपने पिता जगदीश गुलिया के साथ 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं की कुश्ती देख रहीं थी। उस समय साक्षी मलिक ने अंतिम क्षणों में मुकाबला पलटते हुए कांस्य पदक हासिल किया। यह वही क्षण था जब जगदीश और तन्नू दोनों ने जश्न मनाते हुए एक-दूसरे को गले लगा लिया, और यही से तन्नू का एक खिलाड़ी के रूप में सफर शुरू हुआ। हरियाणा में एक स्कूल बस ड्राइवर जगदीश ने फैसला किया कि उनकी बेटी तन्नु एक पहलवान बनेगी। दूसरी ओर, तन्नु एक एथलीट के रूप में मिलने वाली यात्रा के अवसरों के बारे में सोचकर और भी अधिक उत्साहित थी। दिलचस्प बात यह है कि मंगलवार को यहां राजारथिनम स्टेडियम में 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर वह उस सपने के एक कदम और करीब पहुंच गईं। तन्नु ने कहा, मेरे पिता स्वर्ण पदक से खुश होते, लेकिन यह ठीक है। पिछले संस्करण के विपरीत जहां मैं दूसरे दौर में बाहर हो गई थी और खाली हाथ लौटी थी, इस बार मेरे पास अपने पिता को दिखाने के लिए कुछ तो है। आमतौर पर, उनके पिता ज्यादातर प्रतियोगिताओं में उसके साथ यात्रा करते हैं, लेकिन इस बार उनके स्कूल ने उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की, इसलिए उनके साथ उनके चाचा नरेंद्र और छोटी चचेरी बहन साक्षी भी थीं, जो पदक नहीं जीत सकी। तन्नु ने अब तक यहां कांस्य पदक समेत चार पदक जीते हैं। उन्होंने 2023 में अंडर-19 स्कूल गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2022 में अंडर-17 कैडेट रैंकिंग सीरीज़ में कांस्य और 2019 में अंडर-14 स्कूल नेशनल गेम्स में कांस्य पदक अपने नाम किया। तन्नु ने कहा, अगले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आप मुझे स्वर्ण पदक लेते हुए देखेंगे। मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगी और यहां से कड़ी मेहनत करूंगी। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मिले अवसर और पदक ने मुझे काफी उत्साहित किया है। मुझे पता है कि मैं बड़े पुरस्कारों की हकदार हूं और इससे अधिक बेहतर कर सकती हूं।

प्रीमियर लीग - नॉटिंघम को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

लंदन, एजेंसी। लिवरपूल 21 मैचों में 14 मुकाबलों में जीता है। उसके छह मैच ड्रॉ हुए हैं और एक में हार का सामना करना पड़ा है। अंक तालिका में तीसरे स्थान पर 43 अंकों के साथ मैनचेस्टर सिटी है। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मिकेल अर्टेटा की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उनकी कोचिंग में इस सीजन में आर्सेनल ने 22 में से 14 मैच जीते हैं। चार मुकाबले ड्रॉ रहे और इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा। अंक तालिका में लिवरपूल पहले स्थान पर है। उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेले हैं। लिवरपूल के 21 मैचों में 48 अंक हैं। यह आर्सेनल से दो अंक ज्यादा है। लिवरपूल 21 मैचों में 14 मुकाबलों में जीता है। उसके छह मैच ड्रॉ हुए हैं और एक में हार का सामना करना पड़ा है। अंक तालिका में तीसरे स्थान पर 43 अंकों के साथ मैनचेस्टर सिटी है। वहीं, न्यूकैसल के खिलाफ हार के बाद एस्टन विला चौथे पायदान पर है। उसके खाते में 43 अंक हैं। मैनचेस्टर सिटी ने 20 और एस्टन विला ने 22 मैच खेले हैं।

आर्सेनल की जीत में ब्राजील के गैब्रियल जेसुस और इंग्लैंड बुकायो साका ने अहम भूमिका निभाई। जेसुस ने 65वें और साका ने 72वें मिनट में गोल किया। नॉटिंघम के लिए इकलौता गोल ताइवो अवोनियी ने 89वें मिनट में किया।

दूसरी ओर, एस्टन विला का घरेलू मैदान पर फरवरी 2023 से नहीं हारने का सिलसिला टूट गया। न्यूकैसल ने उसे 3-1 से हराया। न्यूकैसल की टीम विला पार्क में 346 दिनों में मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई। एस्टन विला को अपने घरेलू मैदान पर पिछली हार आर्सेनल के खिलाफ मिली थी।

शॉ अपने करियर के सबसे खराब दौर!

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी वक्त ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग का कॉम्बिनेशन समझे जाने वाले पृथ्वी शॉ अपने करियर के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। चाहे यशस्वी जायसवाल हो,

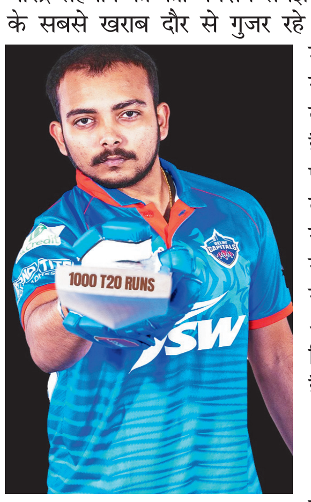

शुभमन गिल या फिर अब सरफराज खान, उनके कई पुराने दोस्त-यार टीम इंडिया से खेल रहे हैं या डेब्यू करने जा रहे हैं, लेकिन पृथ्वी शॉ सिर्फ बाहर से ही बैठकर तमाशा देखने को मजबूर हुए। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे इस प्रतिभावान बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी 2024 में मुंबई की ओर से खेलने का भी मौका नहीं मिलेगा। इस बात की पूरी संभावना है कि उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी नहीं मिलेगी।

पृथ्वी शॉ आखिरी बार अगस्त 2023 में इंग्लैंड की काउंटी प्रतियोगिता में नॉर्थम्पटनशायर के साथ खेलते नजर आए थे। युवा खिलाड़ी तब अच्छी फॉर्म में भी था, उस दौरान उनके बल्ले से लिस्ट ए में ऐतिहासिक दोहरा शतक निकला था। लगातार सेंचुरी बनाने वाले पृथ्वी शॉ फील्डिंग के दौरान अपना घुटना इंजर्ड करवा बैठे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में नेट्स पर बल्लेबाजी फिर से शुरू कर दी है। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने प्रैक्टिस सेशन के कुछ वीडियो खुद सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं।

डेविस कप- भारतीय टीम के ऐतिहासिक दौरे से पाकिस्तान में खेलों का होगा बेड़ा पार, सात साल में पहली बार होगा ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। लाहौर में मार्च 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हमले के बाद से पाकिस्तान में खेल गतिविधियां बाधित है। पाकिस्तान को विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों की मेजबानी नहीं मिल रही है। पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी नहीं मिलना का पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ है। अब टेनिस जगत को उम्मीद है कि भारतीय डेविस कप टीम के इस 'ऐतिहासिक मुकाबले ' के लिए आने से देश में खेलों को बढ़ावा मिलेगा और दर्शकों की रूचि जगेगी। आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम 1964 में पाकिस्तान आई थी। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) इस साल भी टीम भेजना नहीं चाहता था लेकिन अंतरराष्ट्रीय आईटीएफ ने उसकी अपील खारिज करके साफ तौर पर कहा कि यह मानने का कोई कारण नहीं है कि भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी

कोई मसला होगा। लाहौर में मार्च 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हमले के बाद से पाकिस्तान में खेल गतिविधियां बाधित है। पाकिस्तान को विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों की मेजबानी नहीं मिल रही है। पाकिस्तानी टेनिस महासंघ जूनियर आईटीएफ या सीनियर पुरुष फ्यूचर टूर्नामेंटों की भी मेजबानी नहीं कर सका है। महिला टीम का कोई टूर्नामेंट नहीं हुआ और 2017 के बाद से डेविस कप टीम भी यहां नहीं आई है।

पाकिस्तान में ऐसी है टेनिस की हालत

इससे पाकिस्तान टेनिस को काफी नुकसान हुआ है जो लोकप्रियता में क्रिकेट के आसपास भी नहीं है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल छोड़ना पड़ गया। हालात 2017 से बदलने शुरू हुए जब ईरान ने इस्लामाबाद टीम भेजी और 2021 में जापानी टीम पाकिस्तान आई। एटीपी टूर पर खेलने वाले पाकिस्तान के एकमात्र खिलाड़ी ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी इस मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के भी पाकिस्तान आने का रास्ता खुलेगा।

ऐसाम ने कहा, हम काफी रोमांचित और खुश हैं कि आखिर डेविस कप यहां हो रहा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें राजनीति, धर्म और संस्कृति को खेलों से अलग रखना चाहिए। यह ऐतिहासिक मुकाबला है। मैं इसे लेकर काफी रोमांचित हूं। इससे पाकिस्तान में टेनिस को बढ़ावा मिलेगा। इसे लेकर काफी हाइप बन गई है। यहां सुरक्षा का कोई मसला नहीं है। अकील खान का मानना है कि यह मुकाबला बाकियों से अलग होगा। उन्होंने कहा, हम जापान और उजबेकिस्तान जैसी सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीमों से खेल चुके हैं लेकिन भारत की बात अलग है। भारतीय टीम के आने से मीडिया और दर्शकों की रूचि बढ़ गई है और प्रायोजक भी काफी उत्साहित हैं। इससे पाकिस्तानी टेनिस को फायदा मिलेगा।

पार्टी करने के इस दौर में यह सितारे शराब को नहीं लगाते हाथ

फिटनेस को देते हैं खास तवज्जो

बॉलीवुड के सितारों से लेकर आम आदमी तक, मौजूदा समय में लगभग हर कोई सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहा है। फिल्मी सितारे अपनी जिंदगी से जुड़ी हर छोटी-बड़ी खबर को सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ साझा करते हैं। ऐसे में फैंस को अपने पसंदीदा कलाकार की अच्छी और बुरी आदतों के बारे में भी सारी जानकारी रहती है। ऐसे में आज के इस लेख में हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो शराब से परहेज करते हैं और पार्टियों में भी शराब का सेवन नहीं करते हैं।

अमिताभ बच्चन

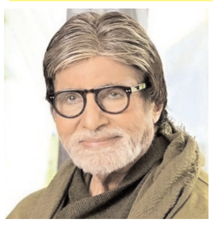

बॉलीवुड के शहंशाह यानी अमिताभ बच्चन का नाम इस लिस्ट में अव्वल पर है। बिग बी अपनी फिल्मों में भले ही शराब की बोतल के साथ दिखे और शराबी की भूमिका भी अदा की हो, लेकिन अभिनेता असल जीवन में शराब को हाथ भी नहीं लगाते हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज द इंडियन फोर्स को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। इस सीरीज को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बता दें कि सिद्धार्थ वैसे तो इंडस्ट्री की कई पार्टियों में शामिल होते हैं, लेकिन अभिनेता शराब के सेवन से दूर रहते हैं। पंजाबी परिवार से होने के बाद भी एक्टर शराब को हाथ तक नहीं लगाते हैं।

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार फिटनेस फीक हैं।अभिनेता रोजाना सुबह जल्दी उठकर वर्कआउट करते हैं। अक्षय किसी पार्टी में भी शामिल नहीं होते हैं। इसके वह शराब-सिगरेट जैसी नशे की चीजों से कोसों दूर रहते हैं।

जॉन अब्राहम

बॉलीवुड में अपनी फिटनेस से सभी को इंस्पायर करने वाले अभिनेता जॉन अब्राहम का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। जॉन अपनी हेल्थ का काफी ध्यान रखते हैं और शराब जैसी चीजों का सेवन करने से बचते हैं। अभिनेता ने कई बार अपने साक्षात्कारों में इस चीज का खुलासा भी किया है।

कोंकणा सेन फिल्मों और सीरीज में धार्मिक भावनाओं की सेंसरशिप पर जताया डर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा को आपने हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज किलर सूप में देखा था। इसमें इनके अभिनय की हमेशा की तरह खूब तारीफ हुई। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले शोज पर लोगों की सेल्फ सेंसरशिप के बारे में बात की है।

कहा कि धार्मिक भावना आहत होने पर फौरन एफआईआर हो

जाती है। लेकिन अगर महिलाओं के साथ हिंसा दिखाई जा रही है तो उस पर कोई कुछ नहीं बोलता। किलर सूप एक्ट्रेस कोंकणा सेन अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। इन्होंने कई बेहतरीन फिल्में और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर दर्शकों के दिल पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है। मशहूर फिल्ममेकर अपर्णा सेन की बेटी, कोंकणा ने 4 साल की उम्र में ही इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। 1983 में वह इंदिरा में चाइल्ड एक्टर के रूप में दिखाई दी थीं। और उसके बाद इनका सफर रुका नहीं।

अब एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें डर लगता है कि कब किस बात के लिए एफआईआर हो जाए। कोंकणा सेन शर्मा ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने किलर सूप के लिए बहुत मेहनत की है। उनका कहना है कि एक शो को बनाने में बहुत समय लगता है। जैसे ही आप शूटिंग पूरी करते हैं, आप एक एक्टर के रूप में बहुत कमजोर और संवेदनशील महसूस करते हैं, लेकिन जब तक वह रिलीज होती है, तब तक आप कुछ हद तक रिलैक्स हो जाते हैं, जो कि अच्छी बात है।

कोंकणा सेन ने आगे कहा, जब तक भारत में ओटीटी का बोलबाला नहीं था, तब तक मैं फार्गो और ब्रेकिंग बैड जैसी इंटरनेशनल सीरीज देखा करती थी।

अपनी चॉकलेट बॉय वाली इमेज से खुश नहीं थे शाहिद

एक्टर शाहिद कपूर को इस फिल्म इंडस्ट्री में काम करते-करते 20 साल से ज्यादा समय हो चुका है। एक्टर की मानें तो इंडस्ट्री में लंबे समय तक टिके रहने के लिए अलग-अलग एक्सपेरिमेंट करते रहना चाहिए। शाहिद कपूर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत रोमांटिक हीरो के तौर पर की थी और अब वह तमाम डार्क किरदार भी निभा चुके हैं। एक्टर की मानें तो उन्हें कभी भी अपनी चॉकलेट बॉय वाली छवि पसंद नहीं थी। शाहिद कपूर ने कहा, मुझे बार-बार एक ही चीज करना पसंद नहीं है।

मैं जानता हूं बहुत सारे स्टार्स के लिए एक्टर्स के लिए नहींज्ये ही सफलता का फार्मूला है। मैंने सेफ फैसले लेने, सेफ खेलने और एक ही काम बार-बार करने के लिए यह काम नहीं किया। मैं हर बार कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करना चाहता था, मैं नहीं जानना चाहता था कि कुछ कैसे होगा। मुझे हारना मंजूर है, मुझे कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि ये आपको बहुत कुछ सिखाता है। शाहिद ने कहा कि इंडस्ट्री में आज के समय में लोग बहुत शॉर्ट टर्म के लिए सोचते हैं, हर किसी के पास दो-तीन साल का प्लान होता है। विकास तभी होता है जब आप वो काम करते हैं जो आपने पहले नहीं किया है। शाहिद की डेब्यू फिल्म 'इश्क विश्क प्यार व्यार' के वक्त उनकी इमेज चॉकलेट बॉय वाली बन गई थी। इसके बारे में बात करते हुए शाहिद ने कहा कि उन्हें ये बहुत बुरा लगता था। क्योंकि ये टाइटल उन्हें कहीं न कहीं बांध रहा था। एक्टर ने कहा, जब मैंने इश्क विश्क की तो मेरे साथ जो शब्द जुड़ा था वह था 'चॉकलेट बॉय'। मुझे बहुत बुरा लगा, मैं सोच रहा था कि इसका क्या मतलब है। ये चॉकलेट बॉय होता क्या है? मैं एक कलाकार हूं।

अच्छा दिखना, अच्छे कपड़े पहनना आदि सिर्फ एक परत है, फिर आपको गहराई तक जाना होगा और मैंने बस यही करना शुरू कर दिया। मैंने खुद को पूरी तरह से बदल लिया, मैं क्लीन शेव होकर वही काम नहीं करना चाहता था। शाहिद ने बताया कि उनके पिता पंकज कपूर ने उनसे कहा था, बेटा जिस दिन एक्टिंग शुरू कर दोगे, शेर के मुंह में खून लग जाएगा। तुम उसमें अपनी खुशी ढूंढने लगोगे। शाहिद ने कहा कि करियर के बीच में उनके साथ ऐसा हुआ।

फिलहाल वह अपनी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ कृति सेनन हैं। ये फिल्म 9 फरवरी को थिएटर में रिलीज होने वाली है।

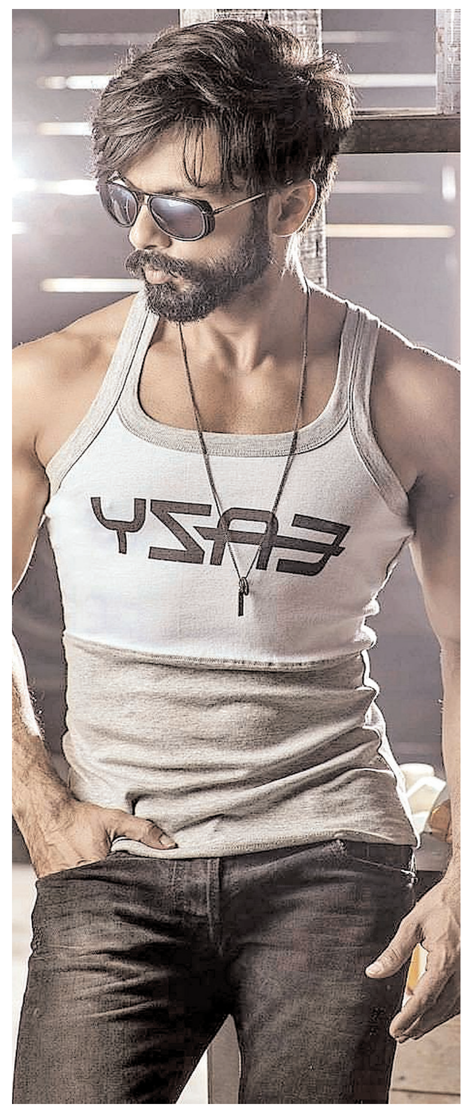

पत्रकार बनीं भूमि पेडनेकर ने नोचा समाज के 'भक्षक' का नकाब

यशराज फिल्म्स की फिल्म 'दम लगाके हइशा' से बड़े परदे पर लॉन्च हुईं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की नई फिल्म 'भक्षक' सीधे ओटीटी पर रिलीज हो रही है। शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म भक्षक में भूमि पेडनेकर एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म भक्षक साल 2018 में सामने आए बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम रेप कांड की याद दिलाती है, हालांकि फिल्म के निर्देशक पुलकित का मानना हैं कि इस फिल्म में जो घटनाक्रम दिखाए गए हैं, वह सिर्फ बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम रेप कांड की घटना नहीं है, बल्कि इस तरह की देश में घटने वाली कई घटनाओं को दिखाया गया है

फिल्म भक्षक में तेज तर्रार पत्रकार की भूमिका निभा रही अभिनेत्री भूमि पेडनेकर कहती हैं, इस तरह की घटनाएं हर दूसरे महीने अखबार में पढ़ने को मिलती हैं। यह किसी की जिंदगी की घटना हमारे लिए महज एक न्यूज बन कर जाती है। ऐसी बच्चियों के साथ यह घटनाएं हो रही हैं, जिसके आगे पीछे कोई नहीं है। ऐसी कहानियां मेरी जिंदगी का हिस्सा हैं। जब मैं फिल्म सोनचिरैया की शूटिंग कर रही थी तो मैंने चंबल में एक आश्रम को गोद लिया था। उस फिल्म में खुशी का किरदार जिस लड़की ने निभाया है, वह उस आश्रम से ही है। मैं पिछले पांच वर्षो से इस क्षेत्र में काम कर रही हूं।

फिल्म दम लगा के हईशा के बाद भूमि पेडनेकर फिल्म भक्षक में एक बार फिर संजय मिश्रा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। वह कहती हैं, संजय मिश्रा मेरे लिए लकी चार्म हैं, करियर के शुरुआत में आपकी जिंदगी से जो लोग जुड़े होते हैं वह आपके लिए बहुत स्पेशल होते हैं। जब गौरव वर्मा (फिल्म के निर्माता) ने बताया कि फिल्म में संजय मिश्रा है तो उनके साथ एक बार फिर काम करने के लिए बहुत ही उत्साहित थी। फिल्म में वह एक अकेले इंसान हैं, जो यह समझते हैं कि मैं क्या करना चाहती हूं?

दूसरी पारी में दर्शकों को क्रेजी बनाने में सफल हुए बॉबी

एनिमल में लिमिटेड टाइम के लिए स्क्रीन पर नजर आए बॉबी देओल का क्रेज जिस तरह सोशल मीडिया पर फैला है, उससे शायद ही कोई बच पाया हो। अपने करियर के शुरूआती दौर में सोल्जर से सबके दिनों पर छा जाने वाले बॉबी, अपनी दूसरी पारी में इस तरह दर्शकों को क्रेजी बना रहे हैं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। एनिमल में विलेन अबरार के रोल में भौकाल मचाने वाले बॉबी अपने करियर की इस नई रफ्तार को बहुत एन्जॉय कर रहे हैं। फिल्ममेकर्स भी बॉबी को नए तरीके से रीडिस्कवर कर रहे हैं और उन्हें विलेन के रोल खूब ऑफर किए जा रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक, एनिमल स्टार बॉबी के आने वाले प्रोजेक्ट्स में कई ऐसी फिल्में हैं जिन्हें देखने का इंतजार कर पाना जनता के लिए भारी हो रही है।

फाइटर के लिए ऋतिक रोशन को करनी पड़ी कड़ी तपस्या

ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म फाइटर की वजह लगातार चर्चा में हैं। देशभक्ति की भावना से भरपूर यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। हालांकि, वीकडेज में फिल्म की रफ्तार धीमी होती नजर आ रही है। हाल ही में एक साक्षात्कार में ऋतिक ने अपनी नवीनतम फाइटर की कठोर तैयारी के दौरान किए गए त्यागों पर खुलासा किया।

इस बातचीत में अभिनेता ने फिल्म चयन के प्रति अपना चयनात्मक नजरिया साझा किया और इसके लिए खुद के साथ किए गए बदलावों पर बात की। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मैं इस शांति से वास्तव में बेहद खुश हूं। मुझे अपने काम के अलावा अपने जीवन में और भी चीजें करने की जरूरत है, जिनका मैं आनंद उठा सकूं। इसलिए मैं लगातार उस यात्रा पर हूं। फाइटर की तैयारी की गहन प्रक्रिया के बारे में बोलते हुए ऋतिक ने खुलासा किया, जब मैं फाइटर कर रहा था तो मुझे कई परिवर्तनों से गुजरना पड़ा और इसने मेरे पूरे सामाजिक जीवन को खत्म कर दिया। मैं एक साल तक अपने दोस्तों से नहीं मिल सका। मैं हर दिन रात 9 बजे सोता था।

उन्होंने कार्य-जीवन संतुलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, आपका काम आपके जीवन का 50 प्रतिशत होना चाहिए। अन्य 50 प्रतिशत आपके जीवन का होना चाहिए। लगातार काम करने वाले अभिनेताओं के सामने आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपने करियर के एक अलग चरण में हैं, जहां पेशेवर और व्यक्तिगत क्षेत्रों के बीच संतुलन हासिल करना प्राथमिकता है। वहीं, दूसरी ओर ऋतिक के फैंस उनकी सुपरहिट फिल्म वॉर के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फाइटर की बात करें तो फिल्म ने पांचवें दिन आठ करोड़ का बिजनेस किया है। इसके साथ ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल कमाई 126.5 करोड़ रुपये हो गई है।

नो एंट्री-2 से अनिल-सलमान-फरदीन आउट

अनीस बज्मी की डायरेक्टेड फिल्म नो एंट्री तो आपको याद होगी। साल 2005 में रिलीज हुई इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस हिला डाला था। इस सुपरहिट फिल्म का अब सीक्वल आ रहा है। हालांकि अभी मीडिया रिपोर्ट्स ही दावा कर रही हैं।

इसमें कौन एक्टर्स नजर आएंगे और शूटिंग कब शुरू होगी, सारी जानकारी दे दी है। साल 2005 में अनीस बज्मी की डायरेक्टेड और बोनी कपूर की प्रोड्यूस्ड फिल्म नो एंट्री में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान नजर आए थे। इस मूवी ने उस साल सबसे ज्यादा कमाई की थी और सुपरहिट रही थी। हालांकि कुछ समय बाद दर्शकों की ओर से इसके सीक्वल की मांग की जाने लगी।

फैन्स चाहते थे इसका पार्ट 2 लाया जाए। और अब खबर है कि नो एंट्री 2 बन रही है। इसकी शूटिंग दिसंबर से शुरू होगी। लेकिन कास्ट नई होगी, कौन, आइए जानते हैं। खबर के मुताबिक, बोनी कपूर और जी स्टूडियोज नो एंट्री 2 के लिए साथ आ रहे हैं। इसके लिए उन्हें बड़े कलाकार भी मिल गए हैं। सोर्स का कहना है कि अनीस बज़्मी इस मूवी के डायरेक्टर के साथ-साथ इसके राइटर भी होंगे। इतना ही नहीं, इसमें अनिल कपूर, सलमान खान और फरदीन खान की जगह मेकर्स वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे।

नो एंट्री 2 की शूटिंग और रिलीज डेट

रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों एक्टर्स स्क्रिप्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने कहानी पर अपनी सहमति भी दे दी है।

बताया जा रहा है कि बोनी कपूर और अनीस बज्मी पिछले 6 महीनों में कई बार वरुण, अर्जुन और दिलजीत से मिल चुके हैं। और एक्टर्स का मानना है कि सीक्वल में, 2005 की की तुलना में ज्यादा कॉमेडी होगी। सोर्स ने बताया, नो एंट्री 2 बहुत एंटरटेनिंग फिल्म होगी। इसकी शूटिंग दिसंबर 2024 में शुरू होगी और 2025 में रिलीज की जाएगी।

6 साल बाद कम बैक करेंगी प्रीति

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा 49 साल की हो गई हैं। प्रीति बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं। उन्होंने कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, कोई मिल गया, सलाम नमस्ते, वीर जारा समेत कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई थी। प्रीति अब अमेरिका में सेटल हो चुकी हैं जहां वह पति जीन गुडइनफ और दो बच्चों के साथ रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रीति सनी देओल स्टारर फिल्म लाहौर 1947 से कमबैक कर सकती हैं। हाल ही में उन्हें इस फिल्म के लुक टेस्ट के लिए मुंबई के एक स्टूडियो में भी देखा गया था। प्रीति आखिरी बार भैयाजी सुपरहिट में नजर आई थीं। ये फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।